THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 193 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु.2 2081 शुक्रवार, 4 अक्टूबर-2024**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

मेक्सिको के सैनिकों ने की गोलीबारी, 6 की मौत, 12 घायल

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत, पाकिस्तान, नेपाल और कई अन्य देशों के प्रवासियों को ले जा रहे एक ट्रक पर ग्वाटेमाला सीमा के पास मैक्सिकन सैनिकों द्वारा गोलीबारी की गई। मेक्सिको के रक्षा विभाग ने बताया कि इस गोलीबारी के चलते 6 प्रवासियों की मौत हो गई।

सैनिकों ने दावा किया कि सोमवार देर रात जब ट्रक और दो अन्य वाहन हुइक्स्टला के पास चियापास के पास पहुंचे तो उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। मेक्सिको के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को एक प्रेस रिलीज में घोषणा की कि यह घटना 1 अक्टूबर की शाम को दक्षिणी राज्य चियापास के हुइक्स्टला शहर के पास हुई थी।

'जेल मैनुअल से भेदभाव बढ़ाने वाले नियम हटाएं'

> किसी विशेष जाति के कैदियों से सीवर टैंक साफ कराना गलत, पुलिस कार्रवाई करे

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जेल मैनुअल से जातिगत भेदभाव बढ़ाने वाले नियमों को हटाने को कहा है। शीर्ष कोर्ट ने कुछ राज्यों को निर्देश दिए हैं कि जेल में जाति के आधार पर काम का बंटवारा न किया जाए।

जेल में जातिगत आधार पर काम के बंटवारे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने गुरुवार को आदेश में कहा कि इन चीजों की अनुमति नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने ऑर्डर में ये भी कहा कि किसी विशेष जाति के कैदियों से सीवर टैंक साफ कराना गलत है। पुलिस को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने राज्य सरकारों को आदेश दिया कि जेल मैनुअल में जातिगत भेदभाव बढ़ाने वाले नियमों में 3 महीने में बदलाव किया जाए। दरअसल, यह मामला एक पत्रकार सुकन्या शांता ने उठाया था। उन्होंने दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की और दलील दी कि देश के करीब 17 राज्यों में जेलों में बंद कैदियों के साथ जाति आधारित भेदभाव हो रहा है। इस पर पहली सुनवाई जनवरी 2024 में हुई। कोर्ट ने 17 राज्यों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा। छह महीने के अंदर केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया। याचिकाकर्ता सुकन्या शांता मानवाधिकार कानून और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर लिखती हैं। उन्होंने अपनी खबरों के जरिए जेल में जातिगत भेदभाव का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर 2020 में रिसर्च रिपोर्ट भी तैयार की। रिपोर्ट में जिक्र था कि भारत के 17 राज्यों में कैदियों को काम का बंटवारा उनकी जाति देखकर किया जाता है। सुकन्या की यह रिपोर्ट 'द वायर' पर पब्लिश हुई थी।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकील को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान एक वकील को जमकर फटकार लगाई।

वकील ने बेंच से कहा कि उसने कोर्ट के आदेश के बारे में कोर्ट मास्टर से बात की थी? इस पर सीजेआई ने वकील से कहा कि उनकी आदेश के बारे में पूछने की कोर्ट मास्टर से पूछने की हिम्मत कैसे हुई? सीजेआई बोले कि कल को आप मेरे घर पर आकर निजी सचिव से पूछेंगे कि मैं क्या कर रहा हूं? अधिवक्ता अपना विवेक खो चुके हैं। सीजेआई ने कहा कि वे अभी प्रभारी हैं, हालांकि कुछ समय के लिए ही हैं। उन्होंने वकील से कहा कि ऐसी अजीबो गरीब तरकीबें न आजमाएं, यह अदालत में मेरे आखिरी दिन हैं।

अग्रसेन जी के समाजवाद की मिसाल आज भी कायम : सुखेंद्र रेड्डी

वैश्य समाज अहिंसा के बल पर आगे बढ रहा है : डॉ. गिरीश कुमार संघी

महाराजा अग्रसेनजी की 5148वीं जंयती महोत्सव

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स महाराजा अग्रसेन चौक रोड़ नं.12 पर महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की 5148वीं जंयती महोत्सव के भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि तेलंगाना विधान परिषद के चेयरमैन जी. सुखेंद्र रेड्डी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गिरीश कुमार संघी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जी. सुखेंद्र रेड्डी ने महाराजा अग्रसेन जयंती पर समाज बन्धुओं को शुभकामनाएं देते हुए समाज के लोगों की सेवा भावना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजपरिवार में पैदा हुए अग्रसेन जी महाराज ने जिस तरह से समाजवाद को अपनाया, उसकी मिसाल आज भी कायम है।

अपने अध्यक्षीय भाषण में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी ने समाज बन्धुओं को 5148वें महाराजा अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे अपार गर्व का अनुभव हो रहा है कि वैश्य समुदाय एक विशाल अहिंसाप्रिय समाज है, जो अहिंसा के बल पर आगे बढ रहा है। वैश्य समुदाय के युवाओं को शिक्षा, तकनीक, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा ही माधव सेवा के धर्म को आगे बढ़ाते हुए कार्य करना चाहिए। उन्होंने पुलिस कमिश्नर सीवी आनन्द द्वारा श्री अग्रसेनजी महाराज की जीवनी पर विस्तार से शुद्ध हिन्दी में चर्चा करने पर तहेदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि वे उनके पैतृक गांव के और उनके सहपाठी भी हैं। पुलिस कमिश्नर के पद पर रहते हुए सीवी आनन्द ने हमेशा कानून के हित में कार्य किया है। उन्होंने समाज का पुन: आभार प्रकट करते हुए कहा कि समाज द्वारा दिये गये महानतम सहयोग के लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वे दिल से समाज की एकजुटता के लिए कार्य करेंगे।

इसके पहले सम्मानीय अतिथि के रूप में पुलिस कमिश्नर सीवी आनन्द ने महाराजा श्री अग्रसेन जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महाराजा अग्रसेनजी के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। >3

महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुभारंभ किया गया।

एक घंटे पहले बीजेपी की रैली में थे, फिर राहुल गांधी के मंच पर अशोक तंवर ने थामा कांग्रेस का 'हाथ'

चंडीगढ़, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव में जब तक वोट न पड़ जाए, हवा का रुख बदलने की संभावनाएं बनी रहती हैं। यह कहावत कही तो मतदाताओं के लिए जाती है लेकिन यह नेताओं पर भी सही बैठती दिख रही है, कम से कम हरियाणा के चुनाव में। करीब घंटे भर पहले तक सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के उम्मीदवारों के लिए वोट की अपील करते रहे अशोक तंवर अब कांग्रेसी हो गए हैं। हरियाणा चुनाव के लिए प्रचार थमने से कुछ घंटे पहले अशोक तंवर ने राहुल गांधी की जींद रैली में पहुंचकर कांग्रेस का हाथ थाम लिया। अशोक तंवर हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अशोक तंवर के राहुल गांधी के मंच पर पहुंचने, पार्टी में शामिल होने का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस ने अपने ऑफिशियल हैंडल से पोस्ट किया है।

अशोक तंवर हरियाणा चुनाव के लिए बीजेपी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भी थे। बीजेपी ने उन्हें कैंपेन कमेटी का सदस्य भी बनाया था। पूर्व सांसद अशोक तंवर राहुल गांधी की रैली में पहुंचने से पहले बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार भी कर रहे थे। अशोक तंवर ने कांग्रेस में शामिल होने से करीब घंटे भर पहले अपने एक्स हैंडल से बीजेपी उम्मीदवार के समर्थन में हुई रैली की तस्वीरें पोस्ट की थीं।

अशोक तंवर ने नलवा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार रणधीर पनिहार के समर्थन में एक दिन पहले हुई रैली की तस्वीरें पोस्ट करते हुए जीत का भरोसा व्यक्त किया था। उन्होंने दावा किया था कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनेगी। पूर्व सांसद अशोक तंवर चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भी बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। राहुल गांधी की रैली के मंच पर पहुंचने से करीब दो घंटे पहले ही उन्होंने जींद की सफीदो विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रामकुमार गौतम के समर्थन में हुई रैली में भी वह स्टेज पर थे। अशोक तंवर ने इस रैली से संबंधित तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर की थीं।

ईशा फाउंडेशन के खिलाफ जांच पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईशा फाउंडेशन के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। ईशा फाउंडेशन के फाउंडर सद्गुरु जग्गी वासुदेव हैं।

फाउंडेशन के खिलाफ रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। आरोप था कि आश्रम में उनकी बेटियों लता और गीता को बंधक बनाकर रखा गया है। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 सितंबर को कहा था कि पुलिस ईशा फाउंडेशन से जुड़े सभी क्रिमिनल केसों की डिटेल पेश करे। अगले दिन 1 अक्टूबर को करीब 150 पुलिसकर्मी आश्रम में जांच करने पहुंचे थे। सद्गुरु ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर आज सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। मामले की अगली सुनवाई 18 अक्टूबर को होगी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, आप सेना या पुलिस को ऐसी जगह दाखिल होने की इजाजत नहीं दे सकते।

जमैका पीएम की सुरक्षा में नहीं हुई लापरवाही

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के काफिले को नए संसद भवन के द्वार पर रोके जाने के संबंध में मीडिया में आई कुछ खबरें तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। सरकारी सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जमैका के पीएम होलनेस सोमवार से चार दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। दिल्ली में अपने कार्यक्रम संपन्न करने के बाद वह बुधवार को वाराणसी पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि मीडिया में आई यह खबरें तथ्यात्मक रूप से गलत हैं कि जमैका के प्रधानमंत्री के काफिले को नए संसद भवन के प्रवेश द्वार पर रोक दिया गया। जमैका के प्रधानमंत्री आज वाराणसी में गंगा आरती कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। दरअसल मीडिया में ऐसी खबरें आईं थी कि भारत के आधिकारिक दौरे पर आए जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस की सुरक्षा में बड़ी लापरवाही हुई। जमैका के पीएम को संसद भवन में एंट्री पर रोका गया और इसके चलते उनका काफिला संसद भवन के इलाके में चक्कर लगाता रहा।

तिरुपति लड्डू विवाद, सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब ये सुनवाई कल होगी। 30 सितंबर की सुनवाई में जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा, जब प्रसाद में पशु चर्बी होने की जांच सीएम चंद्रबाबू नायुडू ने एसआईटी को दी, तब उन्हें मीडिया में जाने की क्या जरूरत थी। कम से कम भगवान को तो राजनीति से दूर रखें। इसके बाद 1 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश पुलिस ने मामले की एसआईटी जांच रोक दी। राज्य के डीजीपी द्वारका तिरुमाला राव ने कहा कि अभी सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक ये तय किया जाएगा कि एसआईटी जांच को आगे बढ़ाना है या नहीं। वहीं, लड्डू विवाद को लेकर डिप्टी सीएम पवन कल्याण की 11 दिन की प्रायश्चित दीक्षा जारी है। प्रायश्चित के तहत पवन 1 अक्टूबर से तीन दिन के लिए नंगे पैर तिरुपति मंदिर यात्रा पर हैं। दीक्षा खत्म होने के बाद वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करेंगे।

तेलंगाना बजरंग दल का सख्त रूख

गैर-हिंदुओं को नहीं दी जाए डांडिया खेलने की इजाजत

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना बजरंग दल के संयोजक शिव रामुलु ने गुरुवार को सख्त लहजे में कहा कि नवरात्रि के मौके पर अगर किसी गैर-हिंदू को डांडिया खेलने या बाउंसर के रूप में नियुक्ति की मंजूरी दी गई, तो मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि हम उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने में कोई कोताही नहीं बरतेंगे। उन्होंने आशंका जताई कि अगर गैर-हिंदुओं को नवरात्रि के मौके पर डांडिया खेलने की इजाजत दी गई, तो यह राज्य में लव जिहाद के मामलों को बढ़ा सकता है, लिहाजा हम प्रबंधकों को दो टूक कह देना चाहते हैं कि गैर-हिंदुओं को डांडिया खेलने की अनुमति नहीं दी जाए। उन्होंने कहा, अमरावती में नवरात्रि के मौके पर युवक और युवती डांडिया खेलते हैं, लेकिन बीते कुछ वर्षों में गैर-हिंदुओं द्वारा इसमें हिस्सा लिए जाने से लव जिहाद के मामलों में तेजी देखने को मिल रही है, जिसे हम किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर नवरात्रि के मौके पर गैर-हिंदुओं को बाउंसर के रूप में भी नियुक्त किया गया, तो बजरंग दल की तरफ से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अम्मावारी नवरात्रि समारोह में डांडिया कार्यक्रम विशेष है, लेकिन कुछ अन्य धर्म के लोग इन कार्यक्रमों में भाग लेकर लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, डांडिया खेलने वाले सभी युवकों की ढंग से पड़ताल भी की जानी चाहिए, क्योंकि कई बार ऐसा देखने को मिला है कि कुछ लोग नाम बदलकर इसमें हिस्सा लेते हुए लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं।

'कानूनी कार्रवाई के लिए किशोर की आयु सीमा 14 साल की जाए'

अजित पवार केंद्र सरकार को लिखेंगे पत्र

पुणे, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि आपराधिक मामलों में किशोर को परिभाषित करने की मौजूदा कानूनी आयु सीमा 18 से घटाकर 14 साल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ चर्चा करेंगे।

पवार पुणे जिले के बारामती में पत्रकारों से बात कर रहे थे, जो उनका विधानसभा क्षेत्र भी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता ने कहा कि हाल ही में बारामती में कथित तौर पर एक दोस्त की हत्या करने वाले दो कॉलेज छात्र 17 साल के थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा आपराधिक कानून के तहत कड़ी सजा तभी दी जा सकती है, जब आरोपी 18 साल के ऊपर हो। उन्होंने आगे कहा, संयोग से इस साल मई में पुणे कार चलाते समय दो लोगों को कुचलने वाले की उम्र की भी 17 साल थी, जो एक बिल्डर का बेटा था। उपमुख्यमंत्री ने कहा, पहले 18 से 20 वर्ष के आयु वर्ग को वयस्कता तय करने के लिए उचित माना जाता था। लेकिन अब समय बदल गया है। आज के बच्चे कहीं अधिक जागरूक हैं। छोटे बच्चे अब ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनके बारे में हम पांचवीं कक्षा के बाद तक भी सोच नहीं सकते थे। कुछ अधिकारियों भी मानते हैं कि आयु सीमा 18 से घटाकर 14 की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 17 साल के बच्चे अच्छे तरह जानते हैं कि वे अपराध करने के बाद (अपनी आयु के कारण) सख्त सजा से बच सकते हैं। यह भी देखा गया है कि 15, 16, 17 साल के युवा तेजी से आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। नए कानूनों का मसौदा तैयार होने पर हमें इस चिंता के बारे में केंद्र को बताना होगा। पवार ने कहा कि इस मुद्दे पर अगली मुलाकात में गृह मंत्री शाह से चर्चा करने की उनकी योजना है।

कर्नाटक जमीन घोटाले में नया मोड़

सीएम सिद्धारमैया पर सबूत नष्ट करने का आरोप; दर्ज हुई नई शिकायत

बेंगलूरू, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक जमीन घोटाला मामले में हर रोज नया मोड़ सामने आ रहा है। इस मामले में अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ एक और शिकायत दर्ज की गई है। इस बार उन पर जमीन घोटाले से जुड़े सबूतों को नष्ट करने का आरोप लगाया गया है, जिसमें उनकी पत्नी बीएन पार्वती का नाम भी शामिल है।

यह शिकायत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में प्रदीप कुमार ने दर्ज कराई है, जो पहले से ही मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में शिकायतकर्ता हैं। शिकायत में सिद्धारमैया के बेटे यथींद्र का भी जिक्र किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि मुडा के अधिकारियों की मिलीभगत से घोटाले के सबूतों को जानबूझकर नष्ट किया गया। प्रदीप कुमार ने मामले की गहन जांच की मांग की है। यह आरोप तब सामने आया जब सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती ने मैसूर के प्रमुख इलाकों में स्थित विवादास्पद जमीनों को वापस करने की पेशकश की थी। ये जमीनें पिछले कुछ समय से घोटाले के केंद्र में थीं। मुडा ने पार्वती की पेशकश को स्वीकार कर लिया है और जमीनों को वापस लेने के लिए सहमति दी है।

सिद्धारमैया ने इस फैसले को उनकी पत्नी का स्वतंत्र निर्णय बताया और आरोप लगाया कि यह पूरा विवाद राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। मुडा मामले का संबंध मैसूर के विजयनगर चरण 3 और 4 में स्थित 14 प्लॉटों से है, जो पार्वती को क्षतिपूर्ति के रूप में दिए गए थे। यह जमीन केसारे गांव में 3.16 एकड़ भूमि के बदले में आवंटित की गई थी। इस मामले में राज्य को 45 करोड़ रुपये का नुकसान होने का आरोप है, जिसे एक भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता ने उजागर किया और शिकायत दर्ज कराई। इस मामले ने कर्नाटक की राजनीति में भूचाल ला दिया है, जहां बीजेपी ने सिद्धारमैया के इस्तीफे की मांग की है। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के खिलाफ लोकायुक्त को कार्रवाई की अनुमति दे दी है। वहीं, सिद्धारमैया ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है।

इंदौर में गरबा पंडाल हटाया लव जिहाद बढ़ाने का आरोप

भोपाल, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्रि शुरू होने के साथ ही गरबा रास के आयोजन के तरीकों से जुड़े विवाद भी शुरू हो गए हैं। इंदौर के भंवरकुआ इलाके में कई सालों से हो रहे गरबा को इस बार निरस्त कर दिया गया है। वजह इसके आयोजक का नाम फिरोज खान होना है। बजरंग दल ने आयोजक पर गरबा के जरिए लव जिहाद फैलाने का आरोप लगाया था। इधर, भोपाल में संस्कृति बचाओ मंच ने भी एक मांग उठाई है। मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा- आयोजक गरबा पंडाल के सामने भगवान विष्णु के वराह अवतार की फोटो लगाकर पूजन करवाएं। वराह अवतार लेकर भगवान हरि ने लेकर पृथ्वी को उठाया था। वहीं, पंचगव्य का छिड़काव कर और पिलाकर ही लोगों को प्रवेश दें।

'पंच शक्ति महिलाओं और बच्चों के लिए वरदान बनेगी', अजित पवार का बयान

मुंबई, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने हाल ही में पुणे जिले के बारामती में 'पंच शक्ति' नामक एक व्यापक सुरक्षा पहल का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और आम जनता की सुरक्षा को बढ़ावा देना है। यह घोषणा एक दुखद घटना के मद्देनजर की गई है जिसमें कक्षा 12 के एक छात्र को दो नाबालिगों ने चाकू घोंपकर मार डाला था। स्थानीय पुलिस द्वारा शुरू की गई इस नई पहल का उद्देश्य बारामती में सुरक्षा प्रोटोकॉल में उल्लेखनीय सुधार करना है, जिसमें विशेष रूप से सबसे कमजोर समूहों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। 'पंच शक्ति' कार्यक्रम सुरक्षा संबंधी चिंताओं से निपटने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार करता है, जिसकी शुरुआत 'शक्ति बॉक्स' की स्थापना से होती है। यह शिकायत बॉक्स स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों सहित कई सार्वजनिक स्थानों पर उपलब्ध होगा, जिससे महिलाएं और लड़कियां गुमनाम रूप से उत्पीड़न की घटनाओं की रिपोर्ट कर सकेंगी।

इस पहल में एक समर्पित हेल्पलाइन भी शुरू की गई है, जिसे शक्ति नंबर कहा जाता है, जो 'एक कॉल, समस्या का समाधान' के सिद्धांत के तहत काम करती है। यह 24 घंटे की सेवा सुनिश्चित करती है कि सुरक्षा संबंधी मुद्दों का सामना करने वाले व्यक्ति तत्काल सहायता और सहायता पा सकें। पवार ने महिलाओं के लिए एक उत्तरदायी और सुलभ सहायता प्रणाली प्रदान करने के लिए कार्यक्रम की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा, इसके अलावा, पुलिस स्टेशन स्तर पर एक 'शक्ति कक्ष' (सेल) स्थापित किया जाएगा, जहां महिलाओं की शिकायतों को संभालने के लिए दो महिला पुलिसकर्मी तैनात होंगी। ऑनलाइन उत्पीड़न की बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए, 'पंच शक्ति' में 'शक्ति नज़र' शामिल है, जो सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर आपत्तिजनक सामग्री की निगरानी और समाधान के लिए समर्पित एक घटक है। इस सक्रिय उपाय का उद्देश्य हानिकारक पोस्ट के प्रसार को रोकना और व्यक्तियों को साइबरबुलिंग और डिजिटल उत्पीड़न के अन्य रूपों से बचाना है।

तिरुचिरापल्ली के आठ स्कूलों में बम की धमकी

जांच में जुटा बम निरोधक दस्ता

तिरुचिरापल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली शहर के आठ स्कूलों को बम विस्फोट की धमकी मिली है। यह धमकी ईमेल के जरिए स्कूलों को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया और बम निरोधक दस्ते और स्निफर डॉग्स ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में बड़ी संख्या में स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी मिली थी। स्कूलों के अलावा कई शॉपिंग मॉल्स को भी ऐसी धमकी मिली थी।

जिससे खासा हड़कंप मचा था, लेकिन जांच में कुछ नहीं निकला। साइबर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस तरह की ईमेल भेजने के लिए अमूमन साइबर अपराधी वीपीएन टूल का इस्तेमाल करते हैं। इस टूल की मदद से अपनी डिवाइस (मोबाइल या लैपटॉप) में डाउनलोड करके शरारती तत्व जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए आरोपी जान-बूझकर विदेशी सर्वर का चुनाव करते हैं। दिल्ली-एनसीआर की तरह ही लखनऊ के कई स्कूलों को भी ऐसे ही बम की धमकी मिली थी। ऐसा ही गुजरात के कुछ स्कूलों के साथ भी हुआ था। पुलिस इन घटनाओं की जांच में जुटी है।

सावरकर को लेकर कर्नाटक के मंत्री के विवादित बयान के बाद सियासी उबाल, बीजेपी ने घेरा

बेंगलूरू, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडुराव ने विनायक दामोदर सावरकर को लेकर एक विवादित बयान दिया है। जिसके बाद सियासी तापमान बढ़ गया है। दिनेश गुंडुराव ने कहा, 'सावरकर ब्राह्मण थे, लेकिन वे गोमांस खाते थे और मांसाहारी थे। उन्होंने गोहत्या का विरोध नहीं किया, उनकी सोच एक ओर कट्टरवादी थी, वे पारंपरिक थे, तो दूसरी ओर उन्होंने आधुनिकता को भी अपनाया। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि ब्राह्मण होने के नाते वे खुलेआम मांस खाते थे और इसका प्रचार भी करते थे।' उन्होंने जिन्ना को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जिन्ना कभी भी कट्टर इस्लामवादी नहीं थे और कुछ लोगों का दावा था कि वह सूअर का मांस भी खाते थे। हालांकि, बाद में वह मुसलमानों के लिए एक आइकन बन गए। जिन्ना कभी कट्टरपंथी नहीं थे, लेकिन सावरकर थे।' दिनेश गुंडुराव के इस बयान के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। बीजेपी ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है।

देवेंद्र फडणवीस ने जताई आपत्ति

दिनेश गुंडुराव के बयान पर आपत्ति जताते हुए महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'ये लोग जो हैं इनको सावरकर के बारे में कुछ पता नहीं है। ये बार-बार सावरकरजी का अपमान ही करते हैं। सावरकरजी ने गाय के ऊपर अपने विचार बहुत अच्छे तरीके से रखे हैं। उन्होंने ये कहा है किसान के जन्म लेने से मरने तक गाय मदद करती है। इसलिए हम लोगों ने गाय को एक ईश्वर का दर्जा दिया है।' वहीं, मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'कांग्रेस के लोग अज्ञानी है ।इनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है ।समाज इनको सीरियस नहीं लेता है। देश का बंटवारा करने वालों (जिन्ना) का महिमामंडन नहीं करना चाहिए । वहीं, अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस झूठ की फैक्ट्री है । स्वतंत्रता सेनानी का भी अपमान करते है । सावरकर ने अपना जीवन देश के लिए दे दिया । सावरकर का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा।

सपा ने बीजेपी को घेरा

सपा नेता सुनील साजन ने कहा, 'सावरकर के कई फैसले शर्मसार करने वाले हैं । वह मीट खाते थे कि नहीं इस विषय पर बीजेपी यह बताए कि उनके कई नेता हैं जो गौ मांस खाते है। उन्हें इस बात पर सफाई देना चाहिए।'

बीजेपी की प्रतिक्रिया पर क्या बोले दिनेश गुंडुराव

बीजेपी के रिएक्शन पर दिनेश गुंडुराव ने कहा, 'मैंने बीजेपी की आलोचना नहीं की। मैंने सिर्फ सावरकर के बारे में बात की। हिंदू कट्टरपंथी होने के बावजूद वे गोमांस खाते थे और उनकी सोच में आधुनिक थी।'

'यह दिल्ली वालों की बडी जीत', पुलिस आदेश वापस लेने पर सौरभ भारद्वाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर गुरुवार (तीन अक्टूबर) को आतिशी कैबिनेट में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्र का पहला दिन है। नवरात्र के पहले दिन जितने भी श्रद्धालु हैं, उनको मैं शुभकामना देता हूं। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि दिल्ली पुलिस ने 30 सितंबर को एक तुगलकी फरमान राष्ट्रीय राजधानी में रहने वालों पर थोपा था।

पुलिस का फरमान सामने आने के बाद हिंदू श्रद्धालुओं में रोष था कि रामलीला कैसे मनेगी और पूजा कैसे होगी? इस मसले पर कालकाजी मंदिर के पुजारी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र के सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, हम दिल्ली पुलिस के आदेश को वापस ले रहे हैं। यह दिल्ली वालों की बड़ी जीत है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नूंह में भाजपा पर साधा निशाना कहा-'संविधान और लोकतंत्र को बचाना सबसे बड़ी लड़ाई'

नूंह, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने बेरोजगारी, संविधान की कमजोर होती स्थिति और समाज में नफरत फैलाने जैसे अहम मुद्दों पर अपनी चिंता व्यक्त की। गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाना आज की सबसे बड़ी लड़ाई है। उन्होंने गरीबों, किसानों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए इन स्तंभों की सुरक्षा को आवश्यक बताया। राहुल गांधी ने हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि राज्य के युवाओं को अपने ही राज्य में रोजगार नहीं मिल रहा।

जबकि उन्हें अमेरिका में काम ढूंढना पड़ रहा है। उन्होंने अपने हालिया अमेरिका दौरे का जिक्र करते हुए बताया कि वहां हरियाणा के ऐसे युवाओं से मुलाकात हुई। जो राज्य में रोजगार की कमी के चलते विदेश में काम करने को

मजबूर हैं। उन्होंने बेरोजगारी के लिए मोदी सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। जिनमें अमीरों को फायदा पहुंचाने के लिए आम लोगों की अनदेखी की जा रही है। राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर संविधान को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाया और इसके खिलाफ जनता से मजबूत विरोध करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी और राज्य में फैली बेरोजगारी का हल निकालेगी। साथ ही गांधी ने अपने भारत जोड़ो यात्रा के अनुभवों को साझा करते हुए भाजपा द्वारा फैलाई जा रही नफरत का जिक्र किया और कहा कि प्यार ही इसका एकमात्र समाधान है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी भाजपा सरकार की तीखी आलोचना की और कहा कि पिछले एक दशक में हरियाणा में विकास की भारी कमी हुई है। उन्होंने दावा किया कि नूंह में जितना भी विकास हुआ है। उसका श्रेय कांग्रेस को जाता है।

भाजपा शासन के दौरान हरियाणा में बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर हुड्डा ने अपनी चिंता जाहिर की है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी और भूपेंद्र हुड्डा ने भाजपा के शासन के खिलाफ एकजुट मोर्चा दिखाते हुए राज्य में रोजगार, विकास और सांप्रदायिक सद्भाव की बहाली की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने हरियाणा के भविष्य के लिए एक ऐसी सरकार की वकालत की जो संविधान, लोकतंत्र और समावेशी विकास के सिद्धांतों का पालन करे।

चंडीगढ़ हाईकोर्ट ने रद्द की पंचायती चुनाव की सभी याचिकाएं कहा- 15 अक्टूबर को ही होंगे इलेक्शन

चंडीगढ़, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में होने वाली पंचायती चुनावों के खिलाफ अलग-अलग 170 याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इसमें अधिकतर याचिकाएं रिजर्वेशन से जुड़ी हुई थी। इसके साथ ही परिवार की वोटें अलग-अलग वार्डों में बनाने और चूल्हा टैक्स संबंधी मामले भी थे। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को सभी चीजों सही करने के आदेश दिए गए है। वहीं, इससे पहले गुरु रविदास टाइगर फोर्स के अध्यक्ष जस्सी तलहन ने कहा कि पंजाब में पंचायत चुनाव की तारीख को बदला जाए, वरना हम 4 अक्टूबर को जालंधर बंद का आह्वान करेंगे,

दिल्ली में 5600 करोड़ के ड्रग्स सिंडिकेट के मास्टरमाइंड का निकला कांग्रेस से कनेक्शन, बीजेपी हमलावर

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में करोड़ों रुपये के नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। 5600 करोड़ के ड्रग्स सिंडिकेट का मास्टरमाइंड और मुख्य आरोपी तुषार गोयल उर्फ डिक्की गोयल दिल्ली यूथ कांग्रेस का पदाधिकारी रह चुका है। जानकारी के अनुसार, स्पेशल सेल की पूछताछ में तुषार गोयल ने दावा किया है कि वह 2022 में दिल्ली प्रदेश यूथ कांग्रेस की आरटीआई सेल का चेयरमैन रह चुका है। उसकी कई कांग्रेस के नेताओं के साथ तस्वीर भी है। जानकारी के अनुसार, ड्रग्स सिंडिकेट के मास्टरमाइंड तुषार गोयल ने फेसबुक पर डिक्की गोयल के नाम से अपना एक प्रोफाइल बनाया हुआ है। इसके बायो में उसने लिखा हुआ है चेयरमैन (दिल्ली प्रदेश) आरटीआई सेल डीपीवाईसी भारतीय युवा कांग्रेस। दरअसल दिल्ली पुलिस ने 560 किलो कोकीन की बड़ी खेप बरामद की है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 5600 करोड रुपए आंकी जा रही है। वहीं, बीजेपी ने इस मामले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली के अंदर 5600 करोड़ रुपए का ड्रग्स बरामद हुआ है। 2006 से 2013 में यूपीए के दौर में 768 करोड़ रुपए का सिर्फ ड्रग्स बरामद हो पाया। तुषार गोयल जो मुख्य आरोपी है वो इंडियन यूथ कांग्रेस का पदाधिकारी रह चुका है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आरोपी तुषार की कांग्रेस के कई नेताओं के साथ फोटो है। एजेंसियों को तुषार गोयल के मोबाइल से दीपेंद्र हुड्डा का नंबर मिला है। बीजेपी का आरोप है कि पैसा जो बरामद हुआ है, उसका इस्तेमाल कांग्रेस पार्टी में हुआ है। कांग्रेस पार्टी बताए क्या चुनाव में इन पैसे का प्रयोग हुआ है। ड्रग पैडलर की गिरफ्तारी संदेह पैदा करती है कि क्या कांग्रेस की सरकार आने के बाद इनको कारोबार की छूट मिलने वाली थी? कांग्रेस के आधिकारिक पदाधिकारी का संबंध उजागर होना बहुत गंभीर सवाल उठाता है।

सुधांशु त्रिवेदी ने किया ये दावा

सुधांशु त्रिवेदी ने दावा किया कि तुषार गोयल की न केवल के सी वेणुगोपाल और दीपेंद्र सिंह हुड्डा जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ तस्वीरें हैं बल्कि उनके पास हुड्डा का मोबाइल नंबर भी है। उन्होंने कहा कि हुड्डा परिवार को भी स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने मीडिया के समक्ष दिल्ली युवा कांग्रेस के आरटीआई सेल के प्रमुख के रूप में गोयल की नियुक्ति का पत्र पढ़ा और दावा किया कि इसमें कांग्रेस के शीर्ष नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी का भी उल्लेख है।

क्रिप्टोकरेंसी में इनवेस्ट के नाम पर दो भाइयों से ठगे 1.17 करोड़ एक ही परिवार के 19 सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज

ठाणे, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने क्रिप्टोकरेंसी योजना में निवेश के नाम पर अधिक मुनाफा का झांसा देकर एक व्यक्ति और उसके भाई से 1.17 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में एक ही परिवार के 19 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारी के अनुसार, 42 वर्षीय व्यक्ति की शिकायत के आधार पर बुधवार को राबोडी थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार, आरोपी साबिर याकूब घाची (50), शाकिर याकूब घाची (45), रूहिहा शाकिर घाची (39) और परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने पीड़ित को क्रिप्टोकरेंसी योजना में निवेश करने के लिए राजी किया और निवेश की गई राशि पर 12 गुना तक अधिक मुनाफे का वादा किया। पुलिस अधिकारी ने ने बताया कि आरोपियों पर विश्वास करके मार्च 2022 में शुरू होने वाली योजना में पीड़ित ने 91.53 लाख रुपये निवेश कर दिए, जबकि उसके भाई ने 25.69 लाख रुपये निवेश किए। जब शिकायतकर्ता ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने टालमटोल किया और प्रभावशाली लोगों से संबंध का हवाला देते हुए उन्हें धमकियां भी दीं।

केजरीवाल की राह पर मनीष सिसोदिया

आज खाली करेंगे बंगला, हरभजन के घर हो सकते हैं शिफ्ट

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी के एक और शीर्ष नेता अपना सरकारी बंगला छोड़ने जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद अब मनीष सिसोदिया का भी पता बदलने वाला है। पिछले महीने सीएम पद छोड़ने वाले केजरीवाल पहले ही अपना बंगला खाली करने का ऐलान कर चुके हैं। वह शुक्रवार को अपना बंगला खाली करेंगे। अब सूत्रों के हवाले से खबर है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के घर शिफ्ट हो सकते हैं। मनीष सिसोदिया फिलहाल अपने परिवार के साथ एबी-17, मथुरा रोड पर रह रहे हैं। जबकि बतौर सांसद हरभजन सिंह को 32 राजेंद्र प्रसाद रोड पर सरकारी बंगला एलॉटेड है। सिसोदिया के भी कल शुक्रवार को अपना बंगला खाली करने की खबर है। उन्हें दिल्ली के उपमुख्यमंत्री के तौर पर सरकारी आवास (एबी 17, मथुरा रोड) मिला हुआ था, लेकिन पद छोड़ने के बाद उन्हें भी अपना बंगला खाली करना होगा। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि वह भी कल ही अपना बंगला खाली कर

देंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल शुक्रवार (नवरात्र के दूसरे दिन) को अपना सीएम आवास खाली करेंगे। वह पार्टी के सांसद अशोक मित्तल के घर में रहेंगे। मित्तल का घर नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में पड़ता है। केजरीवाल अपने नए आशियाने के लिए चाहते थे कि उन्हें ग्राउंड पर ही घर मिले। उनके माता-पिता बुजुर्ग हैं जिससे उन्हें सीढ़ियां चढ़नी न पड़े। घर भी ऐसी लोकेशन पर हो जहां बड़ी संख्या में लोगों के आने जाने से पड़ोसियों को कोई दिक्कत ना हो। पिछले महीने 17 सितंबर को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केजरीवाल ने अपना सरकारी आवास और सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने का ऐलान किया था।

'सिम को बंद होने से बचाने के लिए 9 दबाएं...' और रिटायर्ड इंजीनियर को लग गया 5 करोड़ का चूना

चेन्नई, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक रिटायर्ड इंजीनियरों को साइबरों ठगों ने चार करोड़ 67 लाख रुपये का चूना लगा दिया. इसको लेकर सिटी कमिश्नर अरुण के नेतृत्व में बनाई गई विशेष टीम ने ठगों के इस गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 13 लोगों को गिरफ्तार किया है. रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि अभिरामपुरम में रहने वाले 72 साल के सेवानिवृत्त इंजीनियर को एक आईवीआर कॉल आई जिसमें कहा गया कि उनका मोबाइल फोन कनेक्शन दो घंटे में बंद हो जाएगा और अधिक जानकारी के लिए 09 दबाएं. घबराए रिटायर्ड इंजीनियर ने 9 नंबर दबाया क्योंकि उसका फोन नंबर आधार, बैंक लेनदेन, एलपीजी कनेक्शन और बीमा से जुड़ा हुआ था. फिर कॉल करने वाले ने कहा कि उसके फोन नंबर और आधार नंबर का उपयोग करके कई बैंक खाते खोले गए हैं और हवाला के जरिए लेनदेन हुआ है और. ठग ने दावा किया कि उसके नाम पर मुंबई और दिल्ली साइबर थाने द्वारा मामला दर्ज किया गया है.

दिल्ली वायु प्रदूषण: सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा और पंजाब को लगाई फटकार, केंद्र को भी सुनाया

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों को पराली जलाने वाले किसानों से केवल नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर कड़ी फटकार लगाई। पराली जलाने के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब हो रही है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को भी खूब सुनाया। कोर्ट ने कहा कि आयोग पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण करने में असफल रहा है। कोर्ट ने कहा कि आयोग ने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए उनके निर्देशों को लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह भी कहा कि 29 अगस्त को दिल्ली में वायु प्रदूषण पर चर्चा के लिए बुलाई गई आयोग की बैठक में केवल 11 में से 5 सदस्य ही उपस्थित हुए थे, और अदालत के निर्देशों पर कोई चर्चा भी नहीं हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि जब तक लोग यह नहीं समझेंगे कि उन्हें वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, तब तक पराली जलाना नहीं रुकेगा। प्रदूषण फैलाने के खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को सौंपी गई है। हालांकि अदालत ने पाया कि न तो आयोग और न ही पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारें इस समस्या को समाप्त करने के प्रति गंभीर हैं, जहां पराली जलाने की घटनाएं अब भी हो रही हैं। जस्टिस अभय एस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने सीएक्यूएम की स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा के बाद ये टिप्पणियां कीं। अदालत ने पिछले हफ्ते आयोग और उसकी विभिन्न उप-समितियों से इस समस्या को सुलझाने के लिए वर्षों से उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी थी, क्योंकि सर्दियों के महीनों में पराली जलाने से दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब हो जाती है। रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए, बेंच जिसमें जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। उन्होंने कहा, जब तक लोग यह नहीं जानेंगे कि उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा, तब तक वे नहीं रुकेंगे और न ही उन्हें उपलब्ध मशीनों का इस्तेमाल करेंगे।₹ अदालत ने यह भी नोट किया कि आयोग केवल राज्य सरकारों के साथ बैठकें आयोजित करने में व्यस्त है और अपने आदेशों को लागू करने के प्रयास नहीं कर रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

स्वय के प्रति स्वमान व प्रभु के प्रति प्रेमभाव होने से दूसरो को आदर देना सहज हो जाता है

अग्रसेनजी के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक : सी.वी. आनन्द

(प्रथम पेज का शेष)

कमिश्नर सी.वी. आनन्द ने कहा कि अग्रसेन महाराज ने एक ईट और एक रुपया का जो सिद्धांत दिया उसी का अनुसरण करते हुए अग्रवाल बन्धु आज भी उसे आगे बढ़ा रहे हैं।

एक ईट के रूप में समाज सरकार को टैक्स दे रहा है तो एक रुपये के रूप में सरकार जरूरतमंदों को सहयोग कर रहा है। उन्होंने बताया कि महाराजा श्री अग्रसेनजी की प्रतिमा के उद्घाटन कार्यक्रम में भी वे उपस्थित थे, और आज भी उनका सौभाग्य है कि वे इस कार्यक्रम में उपस्थित हैं। प्रतिमा को इस चौक में स्थापित कराने में पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी का विशेष सहयोग रहा है, जिनके अथक प्रयास से आज यह भव्य प्रतिमा इस भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में स्थापित है। समाज सदैव उनका आभारी रहेगा, जिन्होंने अपना हर सम्भव सहयोग दिया। तेलंगाना में बसे अग्रवाल समाज बन्धुओं को उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस प्रशासन की तरफ से जब भी उनकी जरूरत पड़ेगी वे हमेशा सहयोग करेंगे। जयंती महोत्सव कार्यक्रम में बडी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुंची श्रीमती अलका संघी का भी समाज की महिलाओं ने विशेष सम्मान किया। अलका संघी ने बताया कि अग्रसेनजी महाराज की जयंती पर सेवाभाव की प्रेरणा लेकर महिलाओं को भी समाज सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

महाराजा अग्रसेन चौक स्थित अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित महोत्सव में मुख्य अतिथि तेलंगाना विधान परिषद चेयरमैन जी. सुखेंद्र रेड्डी, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी, पुलिस कमिश्नर सी.वी. आनंद सहित बडी संख्या में उपस्थित पदाधिकारी।

सबसे पहले महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर पुष्प-माला व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. गिरीश कुमार संघी की अध्यक्षता में समाज बन्धुओं द्वारा पधारे मुख्य अतिथि व सम्मानित अतिथियों को मंच पर आमंत्रित कर पुष्प-मालाओं व शॉल से विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से तेलंगाना विधान परिषद चेयरमैन जी. सुखेंद्र रेड्डी, सलाहकार ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी, पुलिस कमिश्नर सीवी आनन्द, पूर्व सलाहकार ए.के. गोयल, सांसद अनिल कुमार यादव, स्वागत समिति चेयरमैन नरेन्द्र गोयल, महासचिव गोपाल मोर, संयोजक बद्रीविशाल बंसल,अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, सचिव सुभाष अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वाय नागेश्वर राव का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुनिल पटोदिया, नरेन्द्र खैतान, सुरेश जगनानी, सुरेश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, जनार्दन सुरेका, अजय अग्रवाल, संजय पसारी व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन गोपाल मोर ने किया। डॉ. गिरीश कुमार संघी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

लक्ष्य पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए : रेवंत रेड्डी

सीएम ने मुख्यमंत्री कप-2024 का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में "मुख्यमंत्री कप-2024" का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में तेलंगाना राज्य को देश में खेल हब के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। हैदराबाद ने 25 साल पहले राष्ट्रमंडल और एफ्रो-एशियाई खेलों की मेजबानी की थी और एक रोल मॉडल के रूप में खड़ा था। राज्य में पिछले 10 वर्षों में खेलों की उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में युवा खेल को अपना करियर बनाने के बजाय नशे की लत में पड़ रहे हैं। यह सभी के लिए दुर्भाग्यपूर्ण और दर्दनाक है। सरकार हैदराबाद को दुनिया में खेलों का स्थल बनाने के लिए प्रयास कर रही है। निखत जरीन तेलंगाना के एक सुदूर इलाके से आई थीं और विश्व मुक्केबाजी चैंपियन बनीं। उनकी सेवाओं को मान्यता देते हुए सरकार ने उन्हें पुलिस विभाग में डीएसपी का पद दिया। यह राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने मानदंडों में ढील दी और हैदराबाद के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को डीएसपी का पद भी दिया। बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधु और दिग्गज क्रिकेटर अजरुद्दीन ने भी भारत को गौरवान्वित किया। हमें गर्व है कि प्रसिद्ध फुटबॉल कोच रहीम भी हैदराबाद से हैं। तेलंगाना ने हैदराबाद शहर को खेलों के केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए अंडर 17 फुटबॉल राष्ट्रीय टीम को अपनाया। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया जैसे छोटे देशों ने हाल ही में ओलंपिक खेलों में 36 पदक जीते। राज्य सरकार तेलंगाना में खेलों को बढ़ावा देने के लिए यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना कर रही है। हम यंग इंडिया कोचिंग सेंटर भी स्थापित करेंगे। यूनिवर्सिटी में कोचिंग देने के लिए दक्षिण कोरियाई कोच रखे जाएंगे। खेल ही एकमात्र ऐसा आयोजन है, जिसमें लोग एकजुट होकर अपने धर्म से ऊपर उठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। खेल मैदान देश की प्रतिष्ठा बढ़ाएंगे। आइए एलबी स्टेडियम को एक प्रसिद्ध खेल मैदान बनाएं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील है कि वे नशे की लत न लगाएं और खेलों में आगे बढ़ें और भारत को दुनिया में लोकप्रिय बनाएं। तेलंगाना के एथलीट 2028 ओलंपिक में देश की ओर से स्वर्ण पदक जीतें। सरकार तेलंगाना के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने की पूरी जिम्मेदारी ले रही है। उन्होंने कहा कि मैं 2018 के विधानसभा चुनाव में हार गया था और मलकाजगिरी से सांसद के रूप में जीता था जो देश का सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है। हालांकि 2018 का विधानसभा चुनाव हार गया, लेकिन मैं 2023 में सीएम बन गया। मैंने तेलंगाना राज्य का सीएम बनने का लक्ष्य रखा है और इसे हासिल किया है। हर किसी को एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

तिरुमाला में वार्षिक ब्रह्मोत्सव के लिए व्यवस्था पूर्ण : श्यामला राव

तिरुमला में विश्राम गृह, पीएसी सहित आवास में लगभग 45 हजार लोगों की व्यवस्था

तिरुमला, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने 4 अक्टूबर से शुरू होने वाले वार्षिक ब्रह्मोत्सव के दौरान तिरुमाला में आने वाले भक्तों की भीड़ के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। गुरुवार को अन्नामैया भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, ईओ ने टीटीडी के अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी के साथ कहा, पहले दिन 4 अक्टूबर को, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू राज्य सरकार की ओर से श्रीवारी मंदिर को पट्टू वस्त्रम भेंट करेंगे और श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करेंगे।

रंगनायकुला मंडपम में वेदसेवाचनम के बाद, वह 2025 टीटीडी कैलेंडर और डायरी जारी करेंगे। बाद में, वह पेद्दाशेष वाहन सेवा में भाग लेंगे। 5 अक्टूबर को, सीएम पंचजन्यम रेस्ट हाउस के पीछे नवनिर्मित 13.45 करोड़ रुपये की आधुनिक रसोई का उद्घाटन करेंगे, जिसमें आने वाले तीर्थयात्रियों के बड़े हितों को ध्यान में रखते हुए तिरुमाला में अन्नप्रसादम गतिविधि को बढ़ाने के लिए सभी आधुनिक रसोई उपकरण और सुविधाएं हैं।

विभागीय व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए ईओ ने कहा कि 4 से 12 अक्टूबर तक होने वाले वार्षिक ब्रह्मोत्सव के मद्देनजर टीटीडी ने सभी अर्जित सेवा, अंग प्रदक्षिणा, वीआईपी ब्रेक (प्रोटोकॉल को छोड़कर। यह भी गरुड़ सेवा के कारण 8 अक्टूबर को रद्द रहेगा), शिशुओं के साथ माता-पिता, वरिष्ठ

नागरिकों और शारीरिक रूप से विकलांगों के दर्शन जैसे विशेषाधिकार प्राप्त दर्शन रद्द कर दिए हैं। हम तीर्थयात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए सात लाख लड्डुओं का बफर स्टॉक रखते हैं। तिरुमला में विश्राम गृह, पीएसी सहित आवास में लगभग 45 हजार तीर्थयात्री रह सकते हैं। चूंकि हमें 8 अक्टूबर को गरुड़ सेवा के लिए लगभग 3.5 लाख तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है, इसलिए हमने तीर्थयात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी इंतजाम किए हैं। चार माडा सड़कों के किनारे की दीर्घाओं को लगभग 2 लाख तीर्थयात्रियों को समायोजित करने के लिए सजाया गया है। गरुड़ सेवा के दिन तीन लाख लोगों को लाने-ले जाने के लिए 400 से अधिक एपीएसआरटीसी बसों में 3000 चक्कर लगाने की योजना बनाई गई है, जबकि अन्य दिनों में 2000 चक्कर लगाए जाएंगे।

हमने पिछले साल के 1.75 लाख अन्नप्रसादम के हिस्से को जी-डे पर इस साल 2 लाख तक बढ़ा दिया है। इसी तरह, पीने के पानी के प्वाइंट भी बढ़ाए गए हैं और अतिरिक्त 600 सफाई कर्मचारी तैनात किए गए हैं। पिछले साल जब अस्सी पर्यवेक्षी कर्मचारी तैनात थे, इस साल हमने सफाई के बेहतर प्रबंधन के लिए यह आंकड़ा बढ़ाकर 49 कर दिया है। मौजूदा पांच सूचना काउंटरों के अलावा, हमने जनता को आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए रामभगीचा, रामस्तूपम, पीएसी 2, आरटीसी बस स्टैंड के सामने, एसवी संग्रहालय में पांच और स्थापित किए हैं। तिरुमाला में विभिन्न स्थानों पर कुल 28 एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं, जिनमें से 23 चार माडा गलियों में हैं। पिछले साल उन्होंने केवल तीन दिन काम किया था, जबकि इस साल वे पूरे ब्रह्मोत्सव के दौरान सेवाएं जारी रखेंगे। सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जिसमें 1250 टीटीडी पुलिसकर्मी, लगभग 3900 पुलिसकर्मी और गरुड़ सेवा दिवस पर 1100 पुलिसकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती शामिल है।

तीर्थयात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए, इस साल हमने पिछले साल के 3000 के मुकाबले 4000 श्रीवारी सेवकों को आमंत्रित किया है। इसी तरह, तीर्थयात्रियों के लिए चिकित्सा सुविधाओं को भी इस साल बढ़ाया गया है। तिरुमाला में 9000 वाहनों और तिरुपति में 6000 वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है। गरुड़ सेवा के दिन, घाट की सड़कें 24X7 खुली रहेंगी, जबकि 7 अक्टूबर की रात 9 बजे से 9 अक्टूबर की सुबह 6 बजे तक दोपहिया वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। पिछले साल जब 12 राज्यों के कलाकारों ने वाहन सेवा के सामने अपनी कलाएं प्रस्तुत की थीं, तो इस साल 21 राज्यों से संपर्क किया गया है, जिनमें से अब तक 19 ने पुष्टि की है। जेईओ गौतमी, वीरब्रह्मम, सीवीएसओ श्रीधर, सीई सत्यनारायण, मंदिर डीईईओ लोकनाथम और अन्य उपस्थित थे।

प्रसिद्ध रेस्तरांओं में कॉकरोच का प्रकोप

- बाबई होटल में पाए गए खाद्य सुरक्षा मानकों के कई उल्लंघन
- रसोई, स्टोर रूम में जीवित कॉकरोच का संक्रमण

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य सुरक्षा विभाग ने गुरुवार को बताया कि टीम ने मंगलवार को हैदराबाद के रेस्तरां में छापेमारी की। यह छापे सिल्वर बावर्ची रेस्तरां और बेकर्स, काकतीय मिलिट्री होटल और पाटमचेरुवु स्थित बाबई होटल पर मारे गए। बाबई होटल में खाद्य सुरक्षा मानकों के कई उल्लंघन पाए गए। खाद्य व्यवसाय संचालक (एफबीओ) वैध एफएसएसएआई लाइसेंस प्रस्तुत करने में विफल रहा, उसने कहा कि वह अभी भी आवेदन के चरण में है।

निरीक्षण में रसोई और स्टोर रूम में जीवित कॉकरोच का संक्रमण पाया गया। रेफ्रिजरेटर में रखे खाद्य पदार्थ खुले पाए गए और उन पर गलत लेबल लगे थे, जिससे स्वच्छता संबंधी चिंताएं पैदा हुईं। पापड़ और शाहजीरा सहित कच्चे खाद्य पदार्थ उनकी उपयोग-तिथि के बाद पाए गए और उन्हें मौके पर ही फेंक दिया गया। हैदराबाद के रेस्टोरेंट में टीम ने पाया कि वहां खुली खिड़कियां थीं, जिनमें कीट-रोधी परदे नहीं थे, और दरवाजे भी ठीक से बंद नहीं थे, जिससे कीटों का प्रवेश हो जाता था। इसके अलावा, भोजन तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले बुदबुदाते पानी के लिए जल विश्लेषण रिपोर्ट के साथ-साथ भोजन संभालने वालों के लिए मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट भी उपलब्ध नहीं थे जबकि भोजन परोसने वाले लोग टोपी और एप्रन पहने हुए देखे गए। काकतीय मिलिट्री होटल में इसी प्रकार के निरीक्षण में निरीक्षकों ने पाया कि हैदराबाद स्थित यह रेस्तरां एफएसएसएआई लाइसेंस के बिना चल रहा था, जो कि अनिवार्य है। रसोई में जीवित तिलचट्टे देखे गए और रेफ्रिजरेटर खराब हालत में था, जिसमें एक्सपायर हो चुकी सरसों की चटनी, खसखस और काली मिर्च मसाला था, जिसे फेंक दिया गया था। खराब तरीके से लगे दरवाजे और नालियों में जमा पानी ने अस्वच्छ स्थितियों को और भी बदतर बना दिया। अन्य उल्लंघनों में गलत तरीके से फिट किए गए दरवाजे शामिल थे, जिससे कीट अंदर आ सकते थे, साथ ही नालियों में पानी का रिसाव और पानी का ठहराव पाया गया। होटल ने भोजन तैयार करने वालों के लिए मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, पेस्ट कंट्रोल रिकॉर्ड और भोजन तैयार करने में इस्तेमाल किए गए पानी के लिए जल विश्लेषण रिपोर्ट भी नहीं दी। सिल्वर बावर्ची रेस्तरां और बेकर्स में निरीक्षकों ने कई खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों को पाया, जिनमें रसोई भंडारण रैक पर कॉकरोच का संक्रमण और डार्क सोया सॉस और वेनिला फ्लेवरिंग एजेंट जैसे समाप्ति तिथि वाले खाद्य पदार्थ शामिल थे। हैदराबाद स्थित रेस्तरां में खाद्य पदार्थों के संचालकों के लिए चिकित्सा प्रमाण-पत्र तथा बेकरी उत्पादों पर उचित लेबलिंग का अभाव था, जिससे खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन हुआ।

हवाई अड्डे से विदेशी उड़ानो के किराए में बढ़ोत्तरी

ईरान-इजरायल संघर्ष बना कारण-50 प्रतिशत बढ़ गया है किराया

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष के कारण मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, हैदराबाद हवाई अड्डे से लंदन के रास्ते संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के लिए उड़ान किराए में उछाल आया है। हैदराबाद से हीथ्रो के रास्ते अमेरिका के विभिन्न शहरों के लिए किराया लगभग 50 प्रतिशत बढ़ गया है चूंकि हैदराबाद से लंदन होते हुए अमेरिकी शहरों के लिए उड़ान भरते समय विमान मध्य पूर्वी देशों से बच रहे हैं, इसलिए किराया 1.5 लाख रुपये से अधिक हो गया है। आमतौर पर हवाई यात्रा का किराया 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये के बीच होता है। हैदराबाद एयरपोर्ट से अमेरिका और कनाडा के लिए उड़ानें आमतौर पर दुबई, दोहा, अबू धाबी या लंदन से होकर गुजरती हैं। मध्य पूर्व के रास्ते अमेरिका जाने वाली उड़ानों का किराया 75,000-80,000 रुपये पर अपरिवर्तित रहता है।

ईटेला ने विस्थापितों को तत्काल मुआवजा या भूमि आवंटन की मांग की

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रमुख नेता और मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र ने आज सीएम ए. रेवंत रेड्डी को चुनौती दी और कहा कि सीएम बिना किसी सुरक्षा के राज्य सरकार द्वारा तोड़े जा रहे गरीबों के घरों का दौरा करें। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई अवैध घरों को गिराने में सीएम रेवंत के काम की सराहना करता है तो वह राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह न केवल राजनीति छोड़ देंगे, बल्कि सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगेंगे और अपनी नाक जमीन पर रगड़ेंगे, साथ ही उन्होंने कहा कि गरीबों को अपने घर खाली करने के लिए मजबूर होते देखना दुखद है। राजेंद्र ने पूछा, मुसी सफाई के लिए रोडमैप क्या है? परियोजना की डीपीआर कहां है। उन्होंने मांग की कि ओआरआर से क्षेत्रीय रिंग रोड (ट्रिपल आर) तक चार प्रमुख सड़कों के विस्तारीकरण के मामले में अपनी जमीन गंवाने वाले भू-विस्थापितों को तत्काल मुआवजा या भूमि आवंटन दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि वे भू-विस्थापितों के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन चलाएंगे और राज्य सरकार पर दबाव बनाएंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि मुख्यमंत्री ने गरीब किसानों की जमीन हड़पकर उन्हें भिखारी बना दिया तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह टिप्पणी आरआरआर परियोजना के भू-विस्थापितों द्वारा न्याय की मांग को लेकर आयोजित धरने में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने भूमि गंवाने वाले किसानों को वैकल्पिक भूमि और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए नारे लगाए। धरने में ट्रिपल आर के आसपास के सभी किसान बड़ी संख्या में शामिल हुए। भाजपा सांसद ईटाला राजेंद्र, पूर्व बीआरएस विधायक पैला शेखर रेड्डी, पूर्व विधायक जुलाकांति रंगा रेड्डी, पूर्व एमपी बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर कृष्णैया, पूर्व एमएलसी चेरुपल्ली सीतारामुलु, ऐक्य वेदी के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में धरने में शामिल हुए।

रियल एस्टेट फर्मों से हो रही वसूली

कांग्रेस चुनावी वादों को पूरा करने में सक्षम नहीं

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को दावा किया कि कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकारें गहरे वित्तीय संकट में हैं और चुनावी वादों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, जबकि तेलंगाना में भी सरकार के ऐसी ही स्थिति में पहुंचने की आशंका है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेड्डी ने आश्वासन दिया कि भाजपा उन गरीब लोगों के साथ खड़ी रहेगी जिनके घरों को कथित तौर पर मूसी नदी सौंदर्यीकरण के नाम पर अधिकारियों द्वारा ध्वस्त किया जा रहा है।

उन्होंने आगे दावा किया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार आरआर टैक्स के नाम पर व्यापारियों और रियल एस्टेट कंपनियों से पैसे वसूल रही है। भाजपा ने आरआर टैक्स शब्द को राहुल गांधी, रेवंत रेड्डी टैक्स करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में कई गारंटी दी हैं। अब स्थिति यह है कि वह विधायकों और सरकारी कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दे पा रही है। उसकी हालत दयनीय है। केंद्रीय कोयला मंत्री ने दावा किया कि हिमाचल और कर्नाटक सरकारें वित्तीय संकट से जूझ रही हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं। तेलंगाना को भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

मूसी रिवरफ्रंट पर चल रहे सर्वेक्षण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां एक ही विचारधारा का पालन करती हैं और राज्य सरकार बिना किसी उचित योजना के गरीब लोगों के घरों को ध्वस्त कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार वही जारी रख रही है जो पिछली बीआरएस सरकार ने शुरू किया था। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) द्वारा चलाए जा रहे ध्वस्तीकरण अभियान पर रेड्डी ने कहा कि एजेंसी को झीलों के आसपास अमीर और संपन्न लोगों द्वारा बनाए गए फार्महाउसों को ध्वस्त करने में भी यही जोश दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी गरीब लोगों के घरों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के ध्वस्तीकरण अभियान चला रही है।

तेलंगाना के मंत्री कोंडा सुरेखा की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि बीआरएस नेता केटी रामा राव अभिनेता सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्य के तलाक के पीछे का कारण थे। रेड्डी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेता इस तरह की टिप्पणी करते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मीडिया को ऐसे नेताओं को काली सूची में डाल देना चाहिए तथा उनका बहिष्कार करना चाहिए जो ऐसी टिप्पणियां करते हैं।

कांग्रेस सरकार ने बदलाव के नाम पर लोगों को धोखा दिया : केटीआर

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के 10 महीने बाद भी तेलंगाना में एक भी कल्याणकारी और विकास योजना लागू नहीं की गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में शासन व्यवस्था अव्यवस्थित हो जाने के कारण निवेश रुक गया है और दावा किया कि इसके परिणामस्वरूप लोगों के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर नहीं हैं, जबकि राज्य सरकार की आय भी पूरी तरह से गिर गई है। केटीआर ने राज्य के खजाने में घटते राजस्व पर चिंता व्यक्त की और कहा कि सरकारी राजस्व में गिरावट प्रशासनिक विफलता का सबूत है। यह अनुभवहीनता के कारण है। केटीआर ने अपने एक्स हैंडल पर ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस के सत्ता में आने के पहले साल में यह स्थिति है, तो अगले चार साल राज्य के लिए मुश्किल समय होंगे। उन्होंने आरोप लगाया, इस मुश्किल स्थिति को और बदतर बनाने वाली कार्रवाइयों को छोड़कर, सुधारात्मक उपाय दिखाई नहीं दे रहे हैं। तेलंगाना की प्रगति गिर गई है। केटीआर ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी ही है जिसने बदलाव के नाम पर लोगों को धोखा दिया है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE VII SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD.
I.A.no. 343 of 2024 and I.A.No.344 OF 2024
IN
O.S. No: 136 OF 2024
Between; 1.Mrunalini Prakash Joshi, W/o Late: Sri Prakash Waman Joshi, **2.Vivek Prakash** S/o Late: Sri Prakash Waman Joshi,
Both 1 and 2 are R/o: H. No: 3-4-6, plot No:206, Arihant Aashiana, Dr Bhumanna lane, Barkathpur, Himayathnagar, Kachiguada, Hyderabad. presently residing at No:175, Cranston Gate, SE, Calgary,Alberta, Canada. Second plaintiff is represented by Smt.Mrunalini Prakash Joshi, W/o Late: Sri Prakash Waman Joshi, mother,being Special Power Of Attorney Holder.
Plaintiffs.
AND
1. The Deputy Commissioner, GHMC, Barkatpura, Circle no:16, Barkatpura, Hyderabad.
2. All concerned. **Defendants.**
Please take notice that the above named Petitioners/Plaintiffs have filed I.A.no.344 of 2024 in the above suit U/S 151CPC praying the Hon'ble court to re-open the suit decreed on 2.9.2024 and I.A. no.343 of 2024 in suit under Order VI Rule 17 r/w Sec. 151 C.P.C & Rule 28 Of the Civil Rules Of Practice for amendment of Plaint for correction of word **"PLOT"** as **'FLAT'** inserted in the full cause title of the 1st and 2nd plaintiffs and also for correction of date of death of Sri Prakash Waman Joshi as **"12.05.2014"** in para No:1 of the plaint. **"12.05.2004"** The said Case is posted on 17.10.2024 10.30am and If any person/persons have got any objection for the said declaration, they may appear either in person or through Advocate and file their objections before the Hon'ble Court If no objections are received then the matter will be proceeded as per law.
// BY ORDER OF THE COURT//
Sd/- M.V.Nagaraj.
V.V.S.Annaram,Advocates
H.No. 1-1-336/18,Chikkadpalli, Hyderabad.

सूरजभान सिंह बरी, मुन्ना शुक्ला फिर जेल जाएंगे

बृज बिहारी मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

पटना नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के बाहुबली पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद मर्डर केस में पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत छह आरोपियों को बरी करने के फैसले को सही ठहराया है लेकिन पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो आरोपियों को दोषी ठहराया है। इस समय राष्ट्रीय जनता दल के नेता मुन्ना शुक्ला को अब जेल जाना होगा जो हाल में वैशाली लोकसभा सीट से चुनाव लड़े थे। 26 साल पहले 13 जून 1998 को पटना में इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में भर्ती बृज बिहारी प्रसाद को गोलियों से भून डाला गया था।

ट्रायल कोर्ट ने 2009 में सूरजभान सिंह, मुन्ना शुक्ला और राजन तिवारी समेत अन्य आरोपियों को दोषी ठहराया था। पटना हाईकोर्ट ने सबूतों का अभाव बताकर 2014 में सूरजभान सिंह, मुन्ना शुक्ला, राजन तिवारी समेत 9 आरोपियों को बरी कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बृज बिहारी की पत्नी और पूर्व सांसद रमा देवी और सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने 22 अगस्त को सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

बृज बिहारी की कमांडो सुरक्षा में हत्या से हिल गया था अंडरवर्ल्ड

हमलावरों ने बृज बिहारी की सुरक्षा में तैनात तीन कमांडो और एक निजी बॉडीकार्ड को भी मार डाला था। उत्तर प्रदेश का चर्चित शूटर श्रीप्रकाश शुक्ला इस हत्या में शामिल था जिसे उस समय सूरजभान सिंह का शूटर माना जाता था। बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के अगले दिन पूर्णिया में सीपीएम के विधायक अजित सरकार की भी हत्या हो गई थी। उस हत्या में भी राजन तिवारी का नाम आया था। राजन के साथ सांसद पप्पू यादव भी आरोपी बनाए गए थे। हाईकोर्ट ने पप्पू यादव और राजन तिवारी को 2013 में बरी कर दिया था जिसके खिलाफ सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

छोटन शुक्ला की हत्या के बदले बृज बिहारी प्रसाद का मर्डर

बृज बिहारी प्रसाद मोतिहारी से निकलकर बिहार की राजनीति में छा गए एक बहुत दबंग बनिया नेता थे और तब सवर्ण और पिछड़ों के झगड़े में बैकवर्ड नेता माने जाते थे। मोतिहारी से कई जिलों तक उनका सिक्का चलता था। बृज बिहारी का मुजफ्फरपुर के डॉन छोटन शुक्ला से झगड़ा था जो मुन्ना शुक्ला के भाई थे। वर्चस्व की लड़ाई में छोटन शुक्ला की 4 दिसंबर 1994 को चुनाव प्रचार से लौटने के दौरान हत्या हो गई। इस हत्या से बृज बिहारी प्रसाद को जोड़ा गया। छोटन शुक्ला 1995 के बिहार विधानसभा चुनाव में सनसनी बनकर आई आनंद मोहन की बिहार पीपुल्स पार्टी के नेता थे। अगले दिन छोटन शुक्ला की शवयात्रा के दौरान भीड़ ने गोपालगंज के तत्कालीन डीएम जी कृष्णैया को मुजफ्फरपुर में मार दिया। आनंद मोहन और मुन्ना शुक्ला इस केस में दोषी ठहराए गए। बाद में मुन्ना बरी हो गए लेकिन आनंद मोहन ने सजा काटी और सरकार से सजा माफी के बाद जेल से निकले हैं।

देवेंद्र दुबे की हत्या ने आग में घी का काम किया, चार महीने में मारे गए बृज बिहारी

उधर, मोतिहारी में डॉन देवेंद्र दुबे और विनोद सिंह के बीच भी वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी। दुबे सूरजभान सिंह के साथ था जबकि विनोद सिंह ने बृज बिहारी से हाथ मिला लिया। 1995 का चुनाव देवेंद्र दुबे जेल में रहकर जीतकर विधायक बना था। नीतीश कुमार की तब की समता पार्टी ने दुबे को टिकट दिया था लेकिन बाद में क्रिमिनल को लड़ाने पर विवाद के समर्थन वापस ले लिया था। नाम वापसी वगैरह का समय बीत चुका था इसलिए नीतीश के सिंबल पर ही दुबे लड़े लेकिन बिना नीतीश के समर्थन के जीते। बृज बिहारी तब तक आदापुर से दो बार चुनाव जीत चुके थे और लालू के बहुत करीबी बन चुके थे। राबड़ी देवी सरकार में मंत्री बृज बिहारी प्रसाद के प्रभाव का फायदा उठाने के लिए लालू ने 1998 के लोकसभा चुनाव में उनकी पत्नी रमा देवी को राजद से लड़ाया।

बृज बिहारी का प्रभाव और बढ़ जाने के डर से विनोद सिंह ने देवेंद्र दुबे को उकसाया और दुबे समाजवादी पार्टी के टिकट पर लड़ गया। बीजेपी ने राधा मोहन सिंह को उतारा। चुनाव तो रमा देवी जीत गईं लेकिन वोटिंग के ही दिन 22 फरवरी को देवेंद्र दुबे की हत्या हो गई। इस हत्या में भी बृज बिहारी प्रसाद का हाथ माना गया। छोटन शुक्ला की हत्या से मुन्ना शुक्ला, आनंद मोहन, सूरजभान सिंह वगैरह को जो जख्म मिला था वो देवेंद्र दुबे की हत्या से और गहरी हो गई। देवेंद्र दुबे की हत्या के बाद विरोधी गैंग के सरगनाओं ने बृज बिहारी प्रसाद को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। चार महीने बाद 13 जून को बृज बिहारी की दुस्साहसिक हत्या उसकी परिणति थी।

बस्ती में युवती से हैवानियत 5 सालों तक हुआ गैंगरेप एफआईआर में पुलिस ने कर दिया 'खेला'

बस्ती, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र में एक जन सेवा केंद्र पर फोटो कॉपी कराने गई एक किशोरी को यह नहीं पता था कि उसकी आबरू के साथ खिलवाड़ होगा। दुकान वाले ने पीड़िता को नशीला पदार्थ खिलाकर न सिर्फ रेप किया, बल्कि विदेश में भी ले जाकर अपने दोस्तों से भी उसका कई बार रेप कराया। इतना ही नहीं पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने में खेल कर दिया और गैंगरेप को सामान्य रेप में तब्दील कर दिया। पीड़िता की शिकायत को नजरअंदाज करते हुए एक आरोपी के खिलाफ दिए गए प्रार्थना पत्र पर मुकदमा पंजीकृत किया। इस सनसनीखेज वारदात में आरोपी खुलेआम घूम रहे और लालगंज थाने की होनहार पुलिस एक युवती को इंसाफ देने के बजाए उसे ही प्रताड़ित कर रही है। बार-बार सवाल उठता है कि आखिर पुलिस की ड्यूटी क्या है?

नीलू यादव ने कन्नौज कोर्ट में किया सरेंडर

27 सितंबर को जेल से हुई थी रिहाई रेपकांड में साक्ष्य मिटाने का आरोप

कन्नौज, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। कन्नौज के चर्चित रेपकांड में साक्ष्य मिटाने के प्रयास में आरोपी नीलू यादव गैंगस्टर एक्ट में वांछित था। जिसे पुलिस की 5 टीमें तलाश रहीं थीं। ऐसे में 6 दिन बाद नीलू ने पुलिस को चकमा देते हुए कोर्ट में सरेंडर किया। उसके कोर्ट पहुंचने की पुलिस को भनक तक नहीं लगी। नसरापुर स्थित चौधरी चंदन सिंह डिग्री कॉलेज में प्रबन्धक नवाब सिंह यादव ने 11 अगस्त की रात नाबालिग से रेप करने का आरोप लगा था। 12 अगस्त को पुलिस ने उसे जेल भेज दिया था। रेपकांड में नवाब सिंह को बचाने के लिए साक्ष्य मिटाने का प्रयास करने वाले उसके छोटे भाई की 27 सितंबर को जेल से रिहाई हो गई थी। उसी दिन पुलिस ने उसके ऊपर गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। नीलू की रिहाई के वक्त ही उसे अरेस्ट करने का पुलिस का प्लान था। लेकिन जेल से निकलते ही नीलू फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए 5 टीमें लगाई गई थी। लेकिन पुलिस उसे अरेस्ट करने में नाकाम हुई। गुरुवार सुबह नीलू पुलिस को चकमा देते हुए कोर्ट में सरेंडर किया।

एक महीने में नीलू ने दूसरी बार किया सरेंडर

चर्चित रेपकांड में साक्ष्य मिटाने का प्रयास करने वाले नीलू यादव को पुलिस 21 अगस्त से तलाश कर रही थी। 12 दिनों तक पुलिस से लुकाछिपी खेलने के बाद उसने 3 सितंबर को आसानी से कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। उस समय भी पुलिस की खूब किरकिरी हुई थी। ऐसे में एक बार फिर नीलू ने कोर्ट में सरेंडर कर के पुलिस को चुनौती दी है।

हाथरस में सत्संग में मची भगदड़ को लेकर पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट, भोले बाबा का नाम नहीं

हाथरस, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र में 2 जुलाई को एक सत्संग हुआ था, इस सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे को लेकर देश ही नहीं बल्कि विदेश तक में चर्चा रही। इस हादसे के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही थी, जिसके बाद अब पुलिस ने इस मामले में 1 अक्टूबर को 3200 पेज की चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस ने दाखिल चार्जशीट में 11 लोगों को इस हादसे का आरोपी बनाया है। वहीं, पुलिस ने इस हादसे में 676 लोगों को गवाह बनाया है। कोर्ट में हाथरस में सत्संग में हुई भगदड़ को लेकर 4 अक्टूबर को सुनवाई की जाएगी।

एफआईआर दर्ज की गई थी

इस मामले में पुलिस ने मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर को इस घटना का मुख्य आरोपी बनाया है। इस संबंध में दर्ज कराई गई एफआईआर में नारायण साकार हरि भोले बाबा उर्फ सूरजपाल का नाम नहीं था, जिनका सत्संग सुनने के लिए वहां पर लाखों लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई थी। यह बात भी चर्चा का विषय बनी हुई है कि उस बाबा का नाम एफआईआर में क्यों शामिल नहीं था जिस बाबा के सत्संग में यह हादसा हुआ था। वहीं भगदड़ से हुई 121 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर को इस घटना का जिम्मेदार मानते हुए 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

विचाराधीन कैदियों को लेकर ट्रायल कोर्ट बेपरवाह, पूछा- आदेश के बावजूद देरी क्यों

प्रयागराज, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में मुकदमों की धीमी सुनवाई पर चिंता जताई है। कहा है कि ट्रायल की सुस्ती से प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि अदालतें लंबे समय से बंद विचाराधीन कैदियों को लेकर बेपरवाह हैं। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने अशफाक की जमानत याचिका पर की है। कोर्ट ने इलाहाबाद के जिला जज से रिपोर्ट तलब करते हुए पूछा है कि हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद ट्रायल में देरी क्यों हो रही है। मामला प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र का है। याची अशफाक पर धूमनगंज थाने में हत्या व अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज है। उसने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की। याची के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि आरोपी जुलाई 2019 से जेल में है। लेकिन, चल रहे ट्रायल में अभी तक एक भी गवाह की गवाही नहीं हुई है। जबकि, इससे पहले हाईकोर्ट ने ट्रायल के शीघ्र निस्तारण का आदेश ट्रायल कोर्ट को दिया था। इस पर कोर्ट ने चिंता जताई। कहा कि अदालत बार-बार यह महसूस कर रही है कि इलाहाबाद में मुकदमे बेहद धीमी गति से चल रहे हैं।

इस संबंध में न्यायालय ने पहले भी आदेश पारित किए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इससे पहले कोर्ट ने जिला जज, इलाहाबाद से वर्तमान मामले को देखने और जिनमें आरोपी लंबे समय से जेल में हैं उनकी सुनवाई में तेजी लाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी थी। 17 सितंबर को हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से ट्रायल में देरी को लेकर भेजे गए जवाब को खारिज कर दिया। कोर्ट ने पाया कि गवाहों की उपस्थिति के लिए कठोर उपाय करने में ट्रायल कोर्ट की विफलता का सही जवाब नहीं दिया गया है। 25 सितंबर को अदालत को फिर से सूचित किया गया कि अभी तक किसी भी गवाह से पूछताछ नहीं की गई है। इस पर कोर्ट ने ताजा रिपोर्ट मांगी है।

मायावती बोलीं-सूरजपाल बाबा को बचा रही सरकार

सेवादारों को आरोपी बनाकर लीपापोती की; हाथरस भगदड़ में हुई थी 121 लोगों की मौत

लखनऊ, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती ने हाथरस भगदड़ केस में सूरजपाल उर्फ भोले बाबा को आरोपी न बनाने पर योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर लिखा-हाथरस भगदड़ कांड में 121 की मौत हुई थी। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। पुलिस ने इसकी जो चार्जशीट दाखिल की उसमें सूरजपाल बाबा का नाम नहीं है। यह जनविरोधी राजनीति है। इससे साबित होता है कि ऐसे लोग राज्य सरकार के संरक्षण में हैं। उन्होंने आगे कहा-हाथरस भगदड़ की 2,300 पेज की चार्जशीट में 11 सेवादारों को आरोपी बनाया गया है। लेकिन, बाबा सूरजपाल के बारे में सरकार की पहले की तरह चुप्पी क्या उचित? ऐसे सरकारी रवैये से ऐसी घटनाओं को क्या आगे रोक पाना संभव है? हाथरस में 2 जुलाई को भोले बाबा सत्संग के बाद भगदड़ मची थी। इसमें कुचलने से 122 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना पर एसडीएम और मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट आई थी, उसमें भी सूरजपाल बाबा का नाम नहीं था।

विपक्ष के लिए नया मुद्दा, हम कई साल से कर रहे मांग, जातिगत जनगणना पर बोलीं अनुप्रिया पटेल

लखनऊ, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्य मंत्री और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने पार्टी की मासिक बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना का मुद्दा विपक्ष के लिए नया होगा, हमारे लिए नहीं। हम पिछले कई साल से सड़क से लेकर संसद तक जातिगत जनगणना कराए जाने की मांग को उठा रहे हैं। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की जनगणना की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। साथ ही उनका दल भी जातीय जनगणना की मांग पर कायम है। भाजपा नेतृत्व को भी इस बारे में पार्टी की नीति से अवगत करा दिया गया है। वहीं इस मुद्दे पर सपा और कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जब इन दलों की प्रदेश और केंद्र दोनों में सरकारें थीं, तब उन्होंने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज के समय जातीय जनगणना सपा और कांग्रेस के लिए सिर्फ एक राजनीतिक हथकंडा बन चुका है। यह उनका नया प्रेम है, लेकिन जब सपा की सरकार उत्तर प्रदेश में थी, तब वो इसे लागू क्यों नहीं कर पाएं। अनुप्रिया पटेल ने उत्तर प्रदेश में आने वाले उपचुनाव पर बात करते हुए कहा कि एनडीए के कैंडिडेट्स को उनकी पार्टी अपना दल (एस) का पूरा समर्थन है। साथ ही उन्होंने बताया कि उनका एक-एक कार्यकर्ता एनडीए के प्रत्याशी के लिए काम करेगा।

इस बठक के दौरान अनुप्रिया पटेल ने संगठन को और मजबूत करने के लिए साथ ही आने वाले उपचुनावों की तैयारी और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर भी अपनी बात प्रमुखता से रखी। 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में अनुप्रिया बोली कि उनकी पार्टी चार सालों से पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लए आवाज उठा रही हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मामला सुप्रीम कोर्ट में है। वो सरकार से मांग कर चुकी हैं कि इन्हें न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि पूरी उम्मीद है कि इन छात्रों को इंसाफ मिलेगा।

बिहार ले जाई जा रही थी 12 लाख रुपये की शराब, पुलिस ने कर दिया प्लान फेल, 11 अरेस्ट

गाजीपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में 11 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। ये लोग शराब की बड़ी खेप को बिहार ले जा रहे थे। बिहार में शराब बैन है, तस्कर वहां अवैध रूप से शराब सप्लाई कर महंगी कीमतों पर बेचते हैं। इस बार भी इनका यही इरादा था। लेकिन पुलिस ने शराब तस्करों का प्लान फेल कर दिया। 12 लाख कीमत की शराब पुलिस ने जब्त की है। मामला बिहार के बॉर्डर के पास भांवरकोल और करीमुद्दीनपुर इलाके का है। यहां भांवरकोल पुलिस ने एक ट्रक में दो तस्करों के साथ करीब 6 लाख रुपए की अंग्रेजी शराब बरामद की। तो वहीं करीमुद्दीनपुर पुलिस ने तीन वाहनों में करीब 6 लाख रुपए की शराब के साथ नौ लोगों को गिरफ्तार किया। जहां पूरे देश में 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती मनाई जा रही थी। इस दिन शराब की बिक्री पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध होता है। बावजूद इसके शराब तस्कर अपना ये काम करने में जुटे हुए थे। इसी दौरान करीमुद्दीनपुर पुलिस और आबकारी टीम को जानकारी हुई कि जोगा मुसाहिब गांव में तीन वाहनों में शराब रखकर बिहार पहुंचाने की तैयारी है। जानकारी पर आबकारी टीम और पुलिस विभाग ने छापेमारी की तो यहां से कुल 82 पेटियां शराब की बरामद की गईं।

कुल 712 लीटर शराब बरामद की गई। इसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई जा रही है। यह सभी शराब बिहार प्रांत में ले जाकर उसे महंगे दामों पर बेचे जाने की तैयारी थी। इस मामले में पुलिस ने अमरनाथ राय, सद्दाम, आदित्य, मनीष, दुर्गेश, समीर, अमित राय उर्फ गोल्डन राय, सनी सिंह और जयकुमार सिंह को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बीमारी ठीक करने का लालच देकर बदलती थी धर्म, पुलिस के गिरफ्त में पुष्पा; पादरी फरार

गाजियाबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों गाजियाबाद जिले के क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में दो धर्मांतरण के मामले दर्ज किए गए है। पुलिस ने इन दोनों मामलों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सेन नगर केस में पुष्पा नाम की महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि डूंडाहेड़ा केस में पुलिस ने सचिन नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि दोनों के बैंक खातों में बाहर से पैसा आने की जानकारी मिली है। मामले की जानकारी देते हुए एसीपी वेव सिटी लिपी नगायच ने बताया कि पुष्पा ने 15 साल पहले ईसाई धर्म अपनाया था। इसी के बाद से ही वह अन्य महिलाओं को धर्म परिवर्तन करवाने में लगी हुई थी। एसीपी ने बताया कि पुष्पा कॉलोनी की महिलाओं को घर में बुलाकर बाइबिल का पाठ कराया करती थी। पुष्पा महिलाओं से कहती थी कि ईसाई धर्म अपनाने के बाद से उसे काफी लाभ हुआ है। पुष्पा महिलाओं को बताती थी कि वह निसंतान थी, लेकिन जब उसने ईसाई धर्म अपनाया तो उसकी मां बनने की मनोकामना पूरी हो गई। पुष्पा की बातों को सच मानकर कई महिलाएं उसकी बातों से प्रभावित हो गई,

डीएम के बाद अब कमिश्नर की जांच में दोषी अफसरों पर गिरेगी गाज

मुख्यमंत्री कार्यालय से होगा एक्शन

बरेली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली-सितारगंज फोरलेन घोटाले के पैकेज-1 (बरेली) में गड़बड़ी करने वाले पांच अधिकारियों पर डीएम की जांच रिपोर्ट के आधार पर पहले ही कार्रवाई हो चुकी है। अब कमिश्नर की जांच में दोषी पाए गए 23 अधिकारियों और कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई है। बुधवार को इन सभी की निगाहें लखनऊ पर टिकी रहीं, हालांकि देर शाम तक बरेली प्रशासन को कोई आधिकारिक आदेश प्राप्त नहीं हुआ। कमिश्नर द्वारा बरेली-सितारगंज फोरलेन के पैकेज-2 (पीलीभीत) की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति बनाई गई थी, जिसमें करीब 59 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा हुआ था।

सौम्या अग्रवाल

घोटाले के आरोपियों पर मुख्यमंत्री कार्यालय सख्त

इन अधिकारियों पर परिसंपत्तियों के मूल्यांकन और भूमि उपयोग परिवर्तन में बड़े घोटाले का आरोप है। समिति की रिपोर्ट को कमिश्नर ने पिछले सप्ताह शासन को सौंप दिया था। डीएम की रिपोर्ट पर कार्रवाई होने के बाद, कमिश्नर की जांच में दोषी पाए गए अधिकारियों की धड़कनें तेज हो गई हैं।सूत्रों के अनुसार, लखनऊ में कार्रवाई की तैयारी हो चुकी है, और बुधवार को अवकाश के बावजूद कई अधिकारी और कर्मचारी आपस में संपर्क कर लखनऊ से आ रहे आदेशों का पता लगाने की कोशिश करते रहे।

यूपी में लगाए थे 'सर तन से जुदा' के नारे, अब योगी सरकार ने लिया बड़ा एक्शन

लखनऊ, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कुछ प्रदर्शनकारियों को 'सर तन से जुदा' का नारा लगाना भारी पड़ गया है। योगी सरकार ने इन युवकों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में व्यापार मंडल अध्यक्ष पर पैगंबर हजरत मोहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला दर्ज होने के एक दिन बाद 'सर तन से जुदा' का नारा लगाने के आरोप में 12 मुस्लिम प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बुधवार को इकौना थाने में मामला दर्ज किया गया। इकौना थाने के प्रभारी (एसएचओ) अश्विनी कुमार दुबे ने गुरुवार को बताया कि सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर इकौना इलाके की व्यापार मंडल इकाई के अध्यक्ष कन्हैया कसौंधन के खिलाफ मंगलवार को मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस अपनी जांच और पूछताछ में लगी थी तभी बुधवार को मुस्लिम समुदाय से जुड़े कुछ लोग थाने पहुंचकर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमे में जो धाराएं लगायी गयी हैं

मुंगेर में आरजेडी प्रदेश महासचिव पर जानलेवा हमला

मुंगेर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुंगेर जिले में आरजेडी नेता पंकज यादव पर जानलेवा हमला हुआ है। राजद के प्रदेश महासचिव पंकज यादव को गोली उस समय मारी गई जब वह रोज की तरह हवाई अड्डा मैदान में मॉर्निंग वॉक कर रहे थे। तभी घात लगाए अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। अपराधियों ने पंकज यादव को तीन गोली मारी। इनमें से एक गोली उनके सीने में लगी है। इलाज के लिए उन्हें निजी नर्सिंग होम में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने आरजेडी नेता पर तीन गोली चलाई जिसमें से एक उनको छू कर निकली तो दूसरी उनके सीने में जा लगी। गोली मारने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। वहीं मैदान में उनके साथ टहल रहे अन्य लोगों ने उन्हें तुरंत एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया। डॉक्टरों ने उनके सीने से गोली निकाल दी है। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। सूचने मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचे सदर डीएसपी राजेश कुमार ने बताया कि घटना को ले कुछ लोगों का नाम सामने आया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। आरोपियों में एक मिट्ठू यादव का भी नाम सामने आया है जो अपराधी सावन यादव का बहनोई है। वहीं राजद नेताओं ने इस घटना को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सरकार तत्पर, मंत्री श्रवण कुमार ने कहा- एनडीआरएफ की टीम दिन-रात बचाव कार्यों में लगी है

पटना, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों को लेकर राज्य सरकार की तत्परता का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को सुना जा रहा है और सरकार लगातार उनके समाधान के लिए काम कर रही है। मंत्री ने यह भी बताया कि एनडीआरएफ की टीम दिन-रात बचाव कार्यों में लगी हुई है और सरकार 24 घंटे मदद के लिए तत्पर है। 'सरकार हर समय स्थिति पर नजर बनाए

हुए' मंत्री ने कहा कि सरकार हर समय स्थिति पर नजर बनाए हुए है और राहत कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, क्योंकि राज्य सरकार और एनडीए गठबंधन मिलकर बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए पूरी तरह से सजग हैं। एनडीआरएफ की टीमों ने बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्यों को तेज कर दिया है, और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य जारी है। 'जनसुनवाई के माध्यम से हर समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा' श्रवण कुमार ने यह भी कहा कि सरकार राहत सामग्री और सुरक्षित आश्रयों की व्यवस्था कर रही है, ताकि पीड़ितों को जल्द से जल्द मदद मिल सके। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार, सभी अधिकारी और राहत कर्मी बाढ़ प्रभावित इलाकों में मुस्तैदी से तैनात हैं

मानसून की विदाई, सर्द हवाएं पकड़ेगी रफ्तार

भोपाल, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मानसून विदाई की ओर आगे बढ़ रहा है, जहां धीरे-धीरे मध्यप्रदेश से मानसून विदा हो रहा है। वहीं इसी के साथ अब गुलाबी ठंड प्रदेश में दस्तक देने लगी है, जहां अब जल्द ही कड़ाके की ठंड भी मध्य प्रदेश में पड़ती नजर आएगी। इसी के साथ सर्द हवाओं की तेज रफ्तार भी प्रदेश की ओर आगे बढ़ेगी। मध्य प्रदेश की बात करें तो मध्य प्रदेश में गुलाबी ठंड अपना असर दिखने लगी है, जहां सुबह-शाम कोहरा और गुलाबी ठंड का असर दिखने लगा है। इसी के साथ तब धीरे-धीरे सर्द हवाएं रफ्तार पकड़ने लगी है, जहां गुलाबी ठंड के साथ-साथ अब कड़ाके की ठंड भी मध्य प्रदेश में लोगों को सताएगी। मध्य प्रदेश में मानसून फिलहाल एक्टिव दिखाई नहीं दे रहा। यही कारण है कि, अब आने वाले वक्त में मानसून की एक्टिविटी को लेकर अलग-अलग अनुमान लगाए जाने लगे हैं। अक्टूबर का महीना शुरू हो चुका है। ऐसे में अक्टूबर में मौसम का मिजाज कैसा रहेगा, यह सभी जानना चाहते हैं। अक्टूबर में नवरात्रि और विजयादशमी के साथ-साथ धनतेरस और दीपावली जैसे बड़े त्यौहार भी हैं। इसी के चलते यह महीना और खास हो जाता है। अक्टूबर के महीने में मौसम की बात करें तो मध्य प्रदेश का मौसम अक्टूबर के माह में लगभग खुला रहने की संभावना है, जहां अक्टूबर के शुरुआती 10 दिनों में हल्की बारिश का अनुमान जाता है जा रहा है, तो वहीं उसके बाद गुलाबी ठंड का असर मध्य प्रदेश में देखने मिल सकता है। मध्य प्रदेश में फिलहाल मानसून की एक्टिविटी थम चुकी है, जहां अब प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का सिलसिला दिखाई नहीं पड़ रहा, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों की माने तो कुछ दिनों बाद यानी 5 अक्टूबर के बाद से एक बार फिर मानसून की गतिविधियों में तेजी आ सकती है, जिसके चलते एक बार फिर से हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो 5 अक्टूबर तक किसी भी तरह का कोई सिस्टम मध्य प्रदेश में बनता दिखाई नहीं दे रहा। यही कारण है कि, कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रह सकता है, लेकिन तेज बारिश का अनुमान फिलहाल कहीं भी नहीं लगाया जा रहा। 5 अक्टूबर के बाद एक बार फिर से हल्की बारिश या मावठा गिरने की संभावना है, जिसके बाद से प्रदेश में ठंड की शुरुआत मानी जा सकती है।

पहले अक्षय शिंदे का एनकाउंटर, अब स्कूल के अध्यक्ष-सचिव गिरफ्तार

मुंबई, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। बदलापुर के जिस स्कूल में बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न का मामले सामने आया था, पुलिस ने उसके दोनों आरोपी ट्रस्टी स्कूल अध्यक्ष उदय कोटवाल और सचिव तुषार आप्टे को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को रायगड जिले के कर्जत से गिरफ्तार किया है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक दिन पहले ही स्कूल के अध्यक्ष और सचिव को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और उन्हें गिरफ्तार नहीं किए जाने के लिए पुलिस को कड़ी फटकार भी लगाई थी। इसी साल 12 अगस्त को बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न का मामले सामने आया था। जब इस मामले की जानकारी बच्चियों के परिजनों और स्थानीय लोगों को हुई तो वह सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन करने लगे तभी से तुषार आप्टे और स्कूल का ट्रस्टी उदय कोटवाल फरार था। अब दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ठाणे क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने कर्जत के फार्म हाउस से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को विशेष जांच टीम (एसआईटी को सौंप दिया जाएगा जो बदलापुर स्थित स्कूल में किंडरगार्टन में पढ़ रहीं दो बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटना की जांच कर रही है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को अपने आदेश में कहा कि ''प्रथम दृष्टया यह साबित करने के लिए सामग्री है कि दोनों आरोपियों को 16 अगस्त से पहले घटना की जानकारी थी लेकिन उन्होंने इस बारे में पुलिस या स्थानीय अधिकारियों को जानकारी देने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।''हाईकोर्ट ने कहा था कि यदि किसी व्यक्ति को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के तहत किसी अपराध के बारे में पता है या उसे इसके बारे में अवगत कराया गया है तो इसकी सूचना देना उसका कानूनी दायित्व है। इस घटना का मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे 23 सितंबर को पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था।

पुलिस स्टेशन में रात भर धरने के बाद रूपा गांगुली गिरफ्तार

कोलकाता, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बंसद्रोणी पुलिस स्टेशन परिसर में रात भर धरना-प्रदर्शन के बाद भाजपा नेता रूपा गांगुली को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें लेकर लाल बाजार ले जाया गया। पार्टी ने उनकी हिरासत की पुष्टि करते हुए कहा कि रूपा गांगुली अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रही थीं। 2 अक्टूबर को सड़क दुर्घटना में एक स्कूली छात्र की मौत के बाद लोगों का गुस्सा पुलिस पर फूट पड़ा था। इस मामले में रूपा गांगुली ने पुलिस थाने में रातभर धरना-प्रदर्शन किया था।

सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत से भड़के लोग

2 अक्टूबर को सड़क दुर्घटना में एक स्कूली छात्र की मौत के बाद दक्षिण कोलकाता के बंसद्रोणी इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। यह सिलसिला पूरी रात जारी रहा और दिनेश नगर इलाके में स्थानीय लोगों की पुलिस के साथ झड़प भी हुई। कक्षा-9 के छात्र को उसके ट्यूशन सेंटर के पास गाड़ी ने कुचल दिया। घटना सुबह करीब 7 बजे की थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन 15 वर्षीय लड़के ने दम तोड़ दिया। कथित तौर पर सड़क की खराब हालत के कारण हुई इस दुर्घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने खुदाई करने वाली मशीन में तोड़फोड़ कर दी। स्थानीय तृणमूल कांग्रेस पार्षद को प्रदर्शनकारियों के गुस्से का सामना करना पड़ा और उन पर लोगों ने लापरवाही का आरोप लगाया। इसे लेकर पूरे दिन तनाव बना रहा, प्रदर्शनकारियों ने सड़क अवरुद्ध कर दी और पाटुली पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) को कई घंटों तक बंधक बनाए रखा। यहां तक कि गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने ओसी को सड़क पर गंदे पानी में धकेल दिया।

बंसद्रोणी पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन

शाम को भारतीय जनता पार्टी नेता रूपा गांगुली ने बंसद्रोणी पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और छात्र की मौत के लिए जिम्मेदार ड्राइवर की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि खुदाई करने वाले ड्राइवर को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। गांगुली ने टीएमसी पर पुलिस को बचाने के लिए गुंडों का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बीती पूरी रात पुलिस थाने के सामने धरना दिया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और लाल बाजार थाने लेकर गई।

कुकी इलाके में अगवा किए गए 2 युवकों को मुक्त कराया गया, सीएम ने सुनाई खुशखबरी

इंफाल, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हथियारबंद लोगों द्वारा बंधक बनाए गए 2 युवकों को अपहरण के सात दिन बाद गुरुवार की सुबह मुक्त कराया गया और पुलिस को सौंप दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओइनम थोइथोई सिंह और थोइथोइबा सिंह को मुक्त कराने के बाद पुलिस के सुपुर्द किया गया और अब उनको वापस इंफाल ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''युवकों को गमगीफाई नाका पर कांगपोकपी के पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया गया और उन्हें इंफाल के लिए रवाना कर दिया गया।''

कुकी उग्रवादियों ने किया था अगवा

बता दें कि 27 सितंबर को ये दोनों एक अन्य युवक एन। जॉनसन सिंह के साथ इंफाल वेस्ट जिले के न्यू कीथेलमानबी में केंद्रीय बलों में भर्ती के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की जीडी भर्ती परीक्षा देने गए थे, लेकिन रास्ता भटक गए और कुकी बहुल कांगपोकपी जिले में पहुंच गए, जहां उग्रवादियों ने तीनों का अपहरण कर लिया। थौबल के रहने वाले तीन दोस्तों में से हालांकि, जॉनसन सिंह को बाद में सेना ने छुड़ा लिया और पुलिस को सौंप दिया गया, जबकि दोनों युवक हथियारबंद लोगों की कैद में रहे। राज्य सरकार ने केंद्र की सहायता से दोनों युवकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए बातचीत की।

सीएम ने जताई खुशी

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''27 सितंबर को कांगपोकपी में अपहृत दो युवकों को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया है।'' सिंह ने कहा, ''मैं राज्य और केंद्र सरकार के उन सभी लोगों की दिल से सराहना करता हूं जिन्होंने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। आपके प्रयास बहुत सराहनीय हैं।'' पिछले साल मई से इम्फाल घाटी में रहने वाले मेइती और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी लोगों के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

पंजाब को लेकर कंगाना ने की विवादित टिप्पणी

नाम लिए बगैर कहा- हमारे यूथ को बर्बाद कर दिया, बाइक पर आकर मचाते हैं उत्पात

मंडी, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री और मंडी क्षेत्र से सांसद कंगना रनोट एक बार फिर अपने बयान के कारण चर्चा में आई हैं। कंगना ने गांधी जयंती पर बीती शाम को मंडी संसदीय क्षेत्र में एक कार्यक्रम में पंजाब का नाम लिए बगैर निशाना साधा। कंगना ने कहा, हमारे पड़ोसी राज्य से नई-नई चीजें यहां आने लगी है। कोई चिट्टा, कोई कुछ, कोई कुछ, इन्होंने हमारे यूथ को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। हमें इनसे कुछ नहीं सीखना। वो चाहे चिट्टा हो, वो चाहे उग्रता हो, चाहे कुछ भी हो। फिर कंगना जनता से पूछती है कि आपको पता है कि मैं किस राज्य की बात कर रही हूं। आखिर में कंगना कहती हैं कि बाइक पर आते हैं, ड्रग्स लेते हैं और बहुत हो हल्ला करते हैं, बहुत उत्पात मचाते हैं। पता नहीं कौन कौन कौन सी शराब पीते हैं। आप कल्पना नहीं कर सकते हैं। हिमाचलवासियों की जो अपनी संस्कृति हैं,हमारा जो अपना ग्रामीण कल्चर है, हमारे अपने बच्चे किसी तरीके से इनके प्रभाव न आएं। हमें ये संकल्प करना है हमें आप गांव की और अपने पशुओं की स्वच्छता बनाए रखनी है। स्वच्छता केवल बाहर की नहीं होती। स्वच्छता स्वभाव और संस्कार की भी होती है।

कंगना कहती है पश्चिम बंगाल हो या कोई और।। लोग बेटी को अकेले देखते हैं और रेप कर देते हैं। मगर, हिमाचल ऐसा इकलौता राज्य है, जहां यदि कोई बेटी रात में गाड़ी रोकती है तो गाड़ी चालक उस बेटी-बहन को सुरक्षित घर छोड़कर आता है। इससे पहले भी कंगना रनोट पंजाब और पंजाब के किसानों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देती रही है।

नारायण कार शोरूम फायरिंग मामले में शूटर गिरफ्तार, बदमाश की पुलिस के साथ मुठभेड़

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। के माजरा डबास इलाके में गैंगस्टर अरमान की दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की टीम से मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में दिल्ली पुलिस ने अरमान को गिरफ्तार कर लिया है। नारायण कार शोरूम में हुई फायरिंग मामले में अरमान का नाम सामने आया था, इसकी पुलिस अभी भी जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आज सुबह माजरा डबास इलाके में एक मुठभेड़ के बाद अरमान नाम के बदमाश को गिरफ्तार किया है। नारायण कार शोरूम में हुई फायरिंग में भी पुलिस अरमान की भूमिका की जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, अरमान का इनपुट दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को मिला था जिसके बाद एक ट्रैप माजरा डबास के पास लगाया गया था जैसे ही वह आया, उसे रोकने की कोशिश की गई लेकिन वह भागने लगा था इस दौरान पुलिस ने उसके पैर में गोली मारी। अरमान से पुलिस पूछताछ कर रही है।

देवेंद्र फडणवीस पर भड़के संजय राउत पूछा- क्या होता है वोट जिहाद?

मुंबई, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस के वोट जिहाद वाले बयान पर राज्य में सियासी हंगामा खड़ा हो गया है। गुरुवार को शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने फडणवीस पर निशाना साधते हुए कहा कि वो देश को तोड़ना चाहते हैं। संजय राउत ने कहा, "क्या होता है वोट जिहाद? इस देश का नागरिक मुसलमान, जैन, हिंदू, पारसी सब हैं, सभी वोट करते हैं, अगर वे आपको (बीजेपी) वोट करते हैं तो चलता है? वोट जिहाद की बात है तो आप (बीजेपी) मुसलमान महिलाओं के लिए तीन तलाक का कानून क्यों लाए? आपको और समाज के लोग वोट देते हैं तो आप क्या कहेंगे।" उन्होंने आगे कहा, "महाराष्ट्र में गुजरात के लोग आपको वोट देते हैं तो आप क्या कहेंगे? तो आप क्या कहेंगे। गुजरातियों का वोट जिहाद कहेंगे? फडणवीस जैसे लोग देश को तोड़ना चाहते हैं। ये गांधी जी का देश है। इस तरह का बयान दे रहे हैं। ये सब उनके दिमाग का कचरा है।"

देवेंद्र फडणवीस ने क्या कहा था?

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में 'वोट जिहाद' का जिक्र किया है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में लगे झटके का जिक्र कहा, "कुछ (मुस्लिम समाज) लोगों को लगता है कि हमारी संख्या भले ही कम हो, लेकिन हम संगठित मतदान करके हिंदुत्व वादियों को पराजित कर सकते हैं।" फडणवीस इन दिनों महायुति में सीट बंटवारे को लेकर लगातार बैठकें कर रहे हैं। यहां महायुति का मुकाबला महाविकास अघाड़ी से है।

बीजेपी के सदस्यता अभियान में लगेगा फिल्टर:क्रिमिनल केस और दो दलों की सदस्यता लेने वाले बाहर होंगे

इंदौर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीजेपी के सदस्यता अभियान में फिल्टर लगाने का काम भी किया जाएगा। पार्टी संगठन अभियान पूरा होने के बाद सभी सदस्यों का वेरिफिकेशन करेगा। इस प्रोसेस में जो सदस्य संदिग्ध पाए जाएंगे, उनको बाहर कर दिया जाएगा। दरअसल, पार्टी संगठन को जानकारी लगी है कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोग भी मिस्ड कॉल देकर बीजेपी की सदस्यता ले रहे हैं। ऐसे में हर वार्ड के शक्ति केंद्र की टोली अब सदस्यता अभियान के तहत बने सदस्यों की कुंडली निकालकर संगठन के पास पहुंचाएगी। इंदौर में सदस्यता अभियान से जुड़े सूत्रों ने बताया कि प्रदेश के सभी नगर अध्यक्षों, जिलाध्यक्षों और सदस्यता अभियान प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि पार्टी का सदस्य बनाते वक्त पूरी सावधानी बरती जाए।

इंदौर में भिखारियों के गजब ठाठ! दिनभर मांगते भीख, रात को होटल में करते आराम

इंदौर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में पुलिस ने भिखारियों के ऐसे गुट को पकड़ा है जो कि राजस्थान से यहां आया है। 22 लोगों का यह समूह दिनभर शहर में भीख मांगता है और रात को होटल में आराम फरामाता है। पुलिस ने 22 लोगों के इस समूह जसमें 11 बच्चे भी शामिल हैं, उन्हें वापस राजस्थान भेज दिया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक अधिकारी ने इस समूह को लेकर बुधवार को जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को मिली एक शिकायत के आधार पर जांच की गई, तो पता चला कि राजस्थान से 22 लोगों का एक ग्रुप भीख मांगने इंदौर आया है। सभी लोग एक होटल में ठहरे थे। उन्होंने कहा, 'इस समूह में 11 नाबालिग बच्चे और 11 महिलाएं शामिल थीं। ये लोग दिन भर शहर के अलग-अलग स्थानों पर भीख मांगते और रात में होटल में आकर सो जाते।' अधिकारी ने बताया कि इस समूह के लोगों को समझा-बुझाकर राजस्थान में उनके मूल निवास स्थान भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि शहर के सभी होटलों, लॉज और अन्य रुकने वाली जगहों के संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे भीख मांगने वाले लोगों को कतई न ठहरने दें। वरना उनके खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने इंदौर समेत देश के 10 शहरों को भिक्षावृत्ति से मुक्त बनाने के लिए प्रायोगिक (पायलट) परियोजना शुरू की है/ इंदौर में प्रशासन ने भीख मांगने वालों पर प्रतिबंध लगा रखा है।

हरियाणा में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कुमारी सैलजा ने सोनिया गांधी से की मुलाकात, क्या है वजह?

नूंह, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कुमारी सैलजा ने दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की। ये मुलाकात इसलिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि कुमारी सैलजा के प्रचार में जुटने के बाद भी उनकी पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से नाराजगी कम नहीं दिख रही है। दोनों नेताओं में क्या बात हुई, ये सामने नहीं आई है।

हालांकि माना जा रहा है कि सोनिया गांधी ने सैलजा को एकजुट रहने और आगे अहम भूमिका मिलने का भरोसा दिया होगा। राज्य में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे।

हुड्डा को लेकर क्या बोलीं सैलजा?

सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने हाल ही में भूपेंद्र सिंह हुड्डा से बातचीत नहीं होने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि मैं याद करने की कोशिश करती हूं कि कब बात हुई। जब मैं पीसीसी चीफ थी तब भूपेंद्र हुड्डा से बातचीत हो जाती थी, लेकिन उसके बाद ऐसा होना बंद हो गया।

राहुल गांधी ने दिया एकजुटता का संदेश

बता दें कि विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खेमे को प्रमुखता मिली है। इसी वजह से सैलजा नाराज हैं। वो करीब दो सप्ताह तक प्रचार से भी दूर रहीं। हालांकि मल्लिकार्जुन खरगे के हस्तक्षेप के बाद सैलजा ने प्रचार किया। पिछले दिनों राहुल गांधी ने कुमारी सैलजा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा दोनों का हाथ मिलवाया और एकजुटता के संदेश दिए। हुड्डा और सैलजा में खटपट को बीजेपी बड़ा मुद्दा बना रही है। पार्टी ने कुमारी सैलजा का इंटरव्यू एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "हुड्डा की अपनी बहन से आखिरी बार बात कब हुई थी। बहन को तो याद भी नहीं! राखी पर भी नहीं!'

स्वरा भास्कर के पति लड़ेंगे महाराष्ट्र चुनाव? एमवीए की यात्रा में शामिल होने के बाद दिया बड़ा बयान

मुंबई, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव नवंबर में होने की संभावना है, लेकिन इसको लेकर सत्ताधारी गठबंधन एनडीए और एमवीए नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप अभी से चरम पर है। एमवीए में शामिल दलों के नेता इस बार सत्ताधारी गठबंधन को हर हाल में चुनाव हराने की कोशिश में जुटे हैं। इस बीच महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष फहाद अहमद ने एक्स पर एक पोस्ट कर अपनी सियासी रुख के संकेत दिए हैं। उन्होंने मुंबई में आयोजित एमवीए की यात्रा में शामिल होने के गांधी जयंती के अवसर एक्स पोस्ट में फहाद अहमद ने लिखा, राष्ट्रपिता गांधी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं थे। वे एक विचार हैं, एक विश्वास हैं कि सत्य से बड़ी कोई ताकत नहीं होती। सत्य के लिए खड़े होने का साहस और सत्य के लिए लड़ने की निडरता और सत्य की सबसे बड़ी नैतिक शक्ति अहिंसा है। उनके एक्स पोस्ट के बाद इस बात की चर्चा है कि फहाद अहमद कहीं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने की तो योजना नहीं बना रहे? अगर चुनाव लड़ना चाहते हैं तो फिर किस सीट से चुनाव लड़ेंगे। सपा नेता फहाद अहमद बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर के पति हैं। वह देश भर में सीएए विरोधी प्रदर्शनों में एक प्रमुख चेहरा थे। फहाद को कथित तौर पर टीआईएसएस द्वारा पीएचडी पंजीकरण से वंचित कर दिया गया था, क्योंकि उन्होंने एससी-एसटी छात्रों को वित्तीय सहायता वापस लेने के संस्थान के फैसले के खिलाफ 100 दिनों की हड़ताल में भाग लिया था। इससे पहले सपा नेता अबू आजमी ने कहा था कि महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में भी सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर अभी अंतिम तौर से कोई फैसला नहीं हो पाया है।

गर्लफ्रेंड के साथ लॉन्ग ड्राइव पर निकला पति, पत्नी भी पहुंची विरोध किया तो बाल पकड़ घसीटा फिर जमकर की पिटाई

जबलपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में पति ने प्रेमिका के साथ मिलकर अपनी पत्नी की जमकर पिटाई लगा दी। उसके बाल पकड़कर जमीन पर घसीटा गया। दोनों ने मिलकर उसे बुरी तरह पीटा। महिला के साथ आए बच्चे अपनी मां को बचाने की कोशिश करते रहे। पति व उसकी प्रेमिका के पिटाई से पत्नी को चोटे आई हैं। पीड़ित महिला ने पुलिस से शिकायत की है। आरोप है कि पति की प्रेमिका ने उसका मंगलसूत्र और सोने की चैन छीन ली। घटना तिलवारा थाना क्षेत्र की है। महिला के साथ मारपीट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पीड़ित महिला अनीता पटेल ने पुलिस को बताया कि शास्त्री नगर निवासी कृष्ण कुमार पटेल से उसकी शादी हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। महिला का आरोप है कि उसके पति कृष्ण कुमार का नीलम राजपूत नाम की महिला से प्रेम संबंध चल रहा है। उनके बीच अवैध रिश्ते बने, जिसकी उसको जानकारी हुई। इसको लेकर पहले भी कृष्ण कुमार और उसके बीच कई बार विवाद हो चुका था। वह अपने पति को उसकी प्रेमिका के साथ रंगे हाथ पकड़ना चाहती थी।

पीड़ित महिला ने बुधवार की सुबह अपने दो बच्चों के साथ पति का पीछा किया। उसे पता चला कि उसका पति अपनी प्रेमिका के साथ लॉन्ग ड्राइव पर गया हुआ है। अनीता ने उन दोनों को तिलवारा के पास एक साथ देख लिया और पीछा करते-करते अपने पति के प्रेमिका के घर पहुंच गई। महिला ने पति को आवाज देकर बाहर बुलाया। आरोप है कि जब उसका पति बाहर आया तो दोनों के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि कृष्ण कुमार और उसकी प्रेमिका नीलम ने अनिता की जमकर पिटाई कर दी।

हरियाणा में किस कैंडिडेट के लिए प्रचार करने पहुंची कैराना सांसद इकरा हसन, क्या है सपा का प्लान?

पानीपत, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कई बड़े नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए हैं। कई राज्यों से नेता उभरती हुई पार्टियों को समर्थन देने के लिए हरियाणा पहुंच रहे हैं। इनमें कैराना से सपा सांसद इकरा हसन भी शामिल हैं। इकरा कांग्रेस उम्मीदवार को दरकिनार कर एक निर्दलीय उम्मीदवार के लिए प्रचार करने पानीपत पहुंचीं, जिससे हड़कंप मच गया। हरियाणा चुनाव में इकरा हसन की अप्रत्याशित भागीदारी ने कई लोगों को चौंका दिया, खासकर कांग्रेस उम्मीदवार को। वह पानीपत की समालखा सीट से रविंद्र मछरौली का समर्थन करने के लिए वहां पहुंची थीं। उनकी मौजूदगी ने हलचल मचा दी। समालखा विधानसभा में पहुंचने पर इकरा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। अपने संबोधन के दौरान इकरा हसन ने कहा कि वह अपने भाई के लिए प्रचार कर रही हैं। उन्होंने कहा, मेरे बुरे वक्त में उन्होंने मेरा बहुत साथ दिया और आज जब उन्हें मेरी जरूरत है तो मैं भी सबकुछ छोड़कर अपने भाई के लिए आई हूं। इस बयान ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। इकरा हसन पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कैराना लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की सांसद हैं। उन्होंने भाजपा के प्रदीप चौधरी को 69,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया था। लंदन स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज से मास्टर्स करने वाली इकरा हसन ने मां तबस्सुम हसन और भाई नाहिद हसन, जो तीन बार के विधायक हैं, को उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा बुक किए जाने के बाद राजनीति में कदम रखा। जब नाहिद ने 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव जेल से लड़ा, तो इकरा ही थीं जो शहरों और गांवों में उनके अभियान का प्रबंधन कर रही थीं। इन लोकसभा चुनावों में, उन्हें समाज के सभी वर्गों से वोट मिले क्योंकि लोग उनकी सादगी की प्रशंसा करते थे। इकरा हसन पिछले नौ वर्षों से कैराना क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 4 अक्टूबर- 2024

भारत पर युद्ध का असर

ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ने से दुनियाभर के बाजारों में हाहाकारी गिरावट आई है और इससे भारतीय बाजार भी अछूता नहीं है। शेयर बाजार के लगभग सभी सेक्टर्स में गिरावट दिख रही है। इससे बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 5.63 लाख करोड़ रुपये घटकर 469.23 लाख करोड़ रह गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 गिरावट के साथ खुले। हिज्बुल्ला प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के बाद जिस बात की आशंका जताई जा रही थी, वह सही होती लग रही है। छोटी-सी गाजा पट्टी पर शुरू हुई लड़ाई बेकाबू जंग का रूप ले चुकी है। ईरान ने इजरायल पर ताजा हमला कर साफ संकेत दिया है कि हमले का जवाब हमले से ही दिया जाएगा। यह युद्ध खतरनाक मोड पर पहुंच जाए इसके पहले ही यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कम से कम जंग और तेज न हो, न ही इसका दायरा और फैलने पाए। गनीमत है कि सऊदी अरब और यूएई जैसे देश अभी तक इस संघर्ष से दूरी बनाए हुए हैं, लेकिन युद्ध जिस तरह से फैल रहा है, उसमें अरब देशों का बहुत देर तक तटस्थ रह पाना शायद संभव न रह पाए। भारत के सामने सबसे बड़ी कूटनीतिक चुनौती यही होगी कि वह इजरायल और अरब वर्ल्ड के बीच संतुलन बनाए रखे। बता दें कि हमास के साथ संघर्ष में शामिल होने के पहले इजरायल और यूएई पास आते दिख रहे थे। आर्थिक और दूसरे क्षेत्रीय मुद्दों पर सहयोग के लिए 2021 में भारत,इजरायल, यूएई और अमेरिका ने मिलकर I2U2 फोरम गठित किया। इसी तरह, पिछले साल इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इकनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) की घोषणा हुई थी। वर्तमान युद्ध का फैलाव इस तरह के प्रयासों के लिए तगड़ा झटका साबित होगा। इजराइल-ईरान के संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने से रेड सी ट्रेडिंग रूट पर विपरीत असर पड़ने की आशंका है। यह इकलौती वजह काफी है भारत की चिंता बढ़ाने के लिए। यह समुद्री रास्ता भारत को यूरोप, उत्तरी अमेरिका, उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व से जोड़ता है। पिछले वित्तीय वर्ष में देश का करीब 50% निर्यात और 30% आयात इसी रूट से हुआ था। लाल सागर तक संकट खिंचने का मतलब होगा कारोबार के लिए लंबा समुद्री रास्ता तय करना। इससे ट्रांजिट कॉस्ट बढ़ जाएगी। किराये पर असर पड़ेगा, डिलिवरी में देरी होगी, जिससे कंपनियों का मुनाफा घटेगा। पिछले साल जब हूती विद्रोहियों ने रेड सी रूट पर जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया था, तब भी ब्यापार पर काफी अड़चन आई थी। उसकी वजह से कंपनियों की सामान लाने ले जाने की लागत अभी तक बढ़ी ही है। इस बार ये खतरा पहले से कहीं ज्यादा गंभीर दिखाई दे रहा है। ईरान के इजरायल पर मिसाइल अटैक के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है, जबकि इससे पहले इसमें कमी आई थी। भारत अपनी तीन चौथाई से अधिक तेल जरूरतों के लिए विदेशी बाजारों पर निर्भर है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर असर पड़ना तय है। कुल मिलाकर, अगर यह युद्ध फैलता है तो आर्थिक संकट का दुष्चक्र शुरू होगा, जिसकी कीमत दूसरे देशों सहित भारत को भी चुकाने के लिए तैयार रहना होगा।

फास्ट फूड के बीच बदलती भारतीय खाद्य जीवनशैली !

सुनील महला

भारत 55 करोड़ से अधिक युवा आबादी के साथ आज दुनिया का सबसे युवा देश है। पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव से आज अधिकतर भारतीय युवा आबादी लगातार परंपरागत खाद्यान्न से अब विदेशों में अपनायें जाने वाले फास्ट फूड की ओर लगातार अग्रसर हो रही है। सच तो यह है कि रहन-सहन के साथ ही आज भारतीय युवाओं की खाद्य शैली में भी आमूलचूल परिवर्तन आए हैं। भागम-भाग और दौड़-धूप भरी इस जिंदगी में कामकाजी महिलाओं के साथ ही गृहणियों के पास भी आज इतना समय नहीं बचा है कि वे परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों को अपनी रसोई का हिस्सा बनाएं। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि भारतीय रसोईयों में परंपरागत खाद्य पदार्थ आज नहीं बनाए जाते हैं, लेकिन समय के साथ आज हम हमारे परंपरागत खाद्य पदार्थों से दूर होते चले जा रहे हैं और पाश्चात्य सभ्यता में अपनाएं जा रहे खाद्य पदार्थों पर हमारा ध्यान कहीं अधिक हो गया है। आज दादी-नानी और हमारे बुजुर्गों द्वारा अपनाए जाने वाले व्यंजनों खीर, चूरमा, हलवा, पुरी, जलेबी व विभिन्न पेय पदार्थों छाछ, लस्सी,दूध, दही पर हमारा ध्यान कम ही है। आज से बीस पच्चीस साल पहले घरों में ज्वार,बाजरा, मकई , रागी का खूब व भरपूर इस्तेमाल होता था,आज बहुत कम है। हम गन्ना नहीं खाते, गन्ने का जूस पीने को वरीयता देते हैं। ठीक इसी प्रकार से हम गुड़ या शक्कर या इसके व्यंजनों को भारतीय रसोईयों में पहले की तुलना में कम इस्तेमाल में ला रहे हैं और चीनी की खपत घरों में बढ़ने लगी है। सच तो यह है कि घरों में आज फास्ट फूड की खपत बढ़ने लगी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज भारत में सभी आय वर्गों में फास्ट फूड की खपत बढ़ रही है और यह इस देश में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की बढ़ती प्रवृत्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वैश्वीकरण, बढ़ते शहरीकरण, बढ़ती आय से सामाजिक, सांस्कृतिक परिवर्तन तो आए ही हैं, इससे हमारे घरों की रसोई विशेष तौर पर प्रभावित हुई है। कभी हमारे यहां खाद्य पदार्थों और व्यंजनों की एक समृद्ध विरासत थी, आज इस विरासत को पाश्चात्य संस्कृति लगातार छीन रही है। हम फास्ट फूड संस्कृति में रम और बस गए हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में फास्ट फूड समाज के सभी वर्गों के आहार का एक अभिन्न और अति महत्वपूर्ण अंग बन गया है। स्कूल जाने वाले बच्चों में फास्ट फूड की अधिक खपत आज हो रही है। फास्ट फूड खाने वाली गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के बच्चे मोटापे से ग्रस्त होने की अधिक संभावना रखते हैं, जैसा कि ये उच्च वसा और उच्च चीनी आहार होते हैं। इनमें कालेस्ट्राल, कैलोरी और नमक की मात्रा भी काफी उच्च होती है। बर्गर, पिज्जा, चिकन, नूडल्स, स्प्रिंग रोल, पाव भाजी, सैंडविच, टिकिया, हैमबर्गर, होटल डोग, डोनट्स, फ्रेंच फ्राइज़, मोमोज, पाश्ता मोटापे, हमारी स्मृति, भूख न लगना, पाचन संबंधी समस्याओं, अवसाद, अपर्याप्त विकास और वृद्धि समेत अनेक बीमारियों को जन्म दे रहे हैं। दरअसल, फास्ट फूड वह होता है, जिसे हम किसी रेस्टोरेंट, ठेले या किसी दुकान विशेष से ऑर्डर करते हैं और हमारा यह ऑर्डर कुछ ही मिनट में हमें आसानी से कहीं भी उपलब्ध हो जाता है। वास्तव में इन खाद्य पदार्थों को इस तरह से डिजाइन किया जाता है, जो हमारे अवलोकन में हमें जल्द से जल्द तेजी से उपलब्ध हो जाए। आज के समय में दाल, चावल, रोटी, सब्ज़ी, खिचड़ी, सलाद, फल और दही या छाछ का पेय प्राचीन काल की तुलना में कम ही रसोई घरों का हिस्सा रहा है। आज ढ़ोकला, पोंगल, लिट्टी चोखा, धाम, बिरयानी,रूगरा, छेना पोडा, दाल बाटी और चूरमा, अप्पम, भुट्टे का कीस, बाजरा खिचड़ी को हम लगातार भूलते चले जा रहे हैं और शायद यही कारण है कि हम अनेक बीमारियों के शिकार आज हो रहे हैं। प्राचीन भारतीय शास्त्रों में ' अन्नं ब्रह्मम् ' का उल्लेख किया गया है जिसका अर्थ है भोजन ईश्वर है। परंपरागत रूप से भारत में भोजन को भगवान की प्रार्थना की तरह सम्मान दिया जाता है लेकिन आज हमारी जीवनशैली पूरी तरह से बदल गई प्रतीत होती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारतीय पारंपरिक खाद्य पदार्थ न केवल शरीर की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने पर जोर देते हैं, बल्कि वे हमारे समग्र स्वास्थ्य को और अधिक बेहतर बनाने के साथ ही बीमारियों को रोकने का लक्ष्य भी रखते हैं। भारतीय पारंपरिक आहार जो मुख्य रूप से शाकाहारी होते हैं, उनमें मुख्य रूप से साबुत अनाज, दालें, मेवे, सब्जियाँ, फल, मसाले, जड़ी-बूटियाँ, डेयरी उत्पाद और किण्वित खाद्य पदार्थ शामिल हैं जिन्हें स्वयं 'कार्यात्मक' माना जा सकता है, क्यों कि इनमें विभिन्न पोषक तत्वों की क्षमता वाले कई फाइटोकेमिकल्स शामिल होते हैं। आज कई कारकों के कारण भारतीय आबादी की आहार संबंधी आदतों में बदलाव आया है, खासकर महानगरों में। हालांकि गांव भी इससे अछूते नहीं रहे हैं और आज गांवों में हमें फास्ट फूड स्टॉल आसानी से मिल जाएंगी। जानकारी देना चाहूंगा कि फास्ट फूड का इस्तेमाल करने से अल्पकालिक, दीर्घकालिक और शारीरिक तथा मानसिक प्रभाव पड़ते हैं और शायद यही वजह है कि आज पहले की तरह मनुष्य की औसत आयु में भी कमी आई है। पहले इंसान अस्सी से सौ बरस तक जिंदा रहता था लेकिन आज औसत आयु 60-65 वर्ष के आसपास ही रह गई है। भारतीयों में आज फास्ट फूड की तलब बढ़ी है और यह हमारे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। प्रतिष्ठित पत्रिका डाऊन टू अर्थ में प्रकाशित एक रिपोर्ट यह बताती है कि फास्ट फूड बहुत ही घातक है और सालाना 1.61 करोड़ लोगों की मौत का कारण फास्ट फूड में इस्तेमाल होने वाले नमक की ओवरडोज है।आजकल पैकेटबंद फास्ट फूड खाने का चलन तेजी से बढा है। यह भी देखा गया है कि ज्यादातर लोग फास्ट फूड के पैकेट पर सोडियम की भ्रामक मात्रा देखे बिना ब्रांडेड कंपनियों के चिप्स-नमकीन, बर्गर-पिज्जा का उपभोग कर रहे हैं। इनमें मौजूद नमक की असंतुलित मात्रा, हमारी सेहत का संतुलन बिगाड़ रही है। जनरल आफ क्लीनिकल हाइपरटेंशन में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक भारतीय प्रतिदिन औसतन 10 ग्राम नमक का सेवन कर रहे हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिशों के मुताबिक प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति को एक दिन में पांच ग्राम से ज्यादा नमक नहीं खाना चाहिए। जनरल आफ क्लीनिकल हाइपरटेंशन के मुताबिक पांच ग्राम से ज्यादा नमक खाने के कारण 1 करोड़ 65 लाख लोगों को हर वर्ष ह्रदय रोग हो जाता है। सच तो यह है कि जाने-अनजाने हम आज के समय में नमक की तय मात्रा से दोगुना सेवन कर रहे हैं। नमक ही नहीं, फास्ट फूड में तेज मसाले, हाई कालेस्ट्राल, हाई कार्बोहाइड्रेट हमारे स्वास्थ्य का गणित लगातार बिगाड़ रहे हैं। यह बहुत ही हैरानीजनक है कि आज फास्ट फूड की आपूर्ति करने वाले तमाम बड़े ब्रांड भारत के छोटे शहरों से लेकर गांवों तक में अपनी पहुंच बना रहे हैं। हालांकि, यहां यह भी एक तथ्य है कि फास्ट फूड चेन भारत के फूड सर्विस मार्केट की अब भी पांच प्रतिशत से कम हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह करीब 20 प्रतिशत हैं, लेकिन बावजूद इसके भारत को सचेतने की जरूरत इसलिए है क्योंकि भारतीय खाद्य शैली लगातार बदल रही है।

नसरल्ला की मौत-हिज्बुल्ला के अंत की शुरुआत?

विजय सहगल

जब शुक्रवार दिनांक 27 सितम्बर 2024 को इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को संबोधित करते हुए, ईरान को सख्त और साफ लहजे मे चेतावनी देते हुए कहा, ₹अगर तुम हम पर हमला करोगे तो हम भी तुम पर हमला करेंगे. ईरान मे ऐसी कोई भी जगह नहीं हैं जो इज़राइली सेना की पहुँच से दूर हो और ये बात समस्त मध्य पूर्व का भी सच है। मै एक और संदेश दे रहा हूँ कि हम (इज़राइल) निश्चित ही जीत रहे हैं!! यूएनओ के संबोधन के चंद घंटों के बाद ही इज़राइल ने एक सटीक हवाई हमले मे अपने सबसे बड़े दुश्मनों मे से एक आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह को मार गिराया। न्ययार्क से ही अपनी सेना को हिज्बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह को मारने के, दिये आदेश की भनक अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन को भी नहीं लगी। इस हमले मे नसरल्लाह के साथ उसके लगभग 100 अन्य साथी कम्मांडर भी इस अप्रत्याशित हमले मे बेमौत मारे गये। 64 वर्षीय लेबनानी नागरिक नसरल्लाह ने फरवरी 1992 से सितम्बर 2024 अर्थात अपनी हत्या तक शिया मुस्लिम राजनैतिक दल और आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह के महासचिव के रूप मे कार्य किया। 1982 मे जब इज़राइल ने लेबनान पर आक्रमण किया था तब ही हिज्बुल्लाह संगठन अस्तित्व मे आया। एक शिया मुस्लिम आतंकी गठन होने के कारण इसके प्रमुख हसन नसरल्लाह पर अनेकों सुन्नी मुस्लिमों की हत्या के आरोप लगे हैं, यही कारण है कि सुन्नी बाहुल्य प्रमुख देश सऊदी अरब सहित अन्य सुन्नी शासक देशों ने नसरल्ला की मौत पर कोई प्रितिक्रिया नहीं दी। इस घटना के दो माह पूर्व इज़राइल ने हमास आतंकी संगठन के प्रमुख इस्माइल हानिया को भी ठीक इसी तरह, ईरान स्थित उसके सुरक्षित ठिकाने पर एक मिसाइल हमले मे मार गिराया था। ईरान ने हर बार की तरह अपने पोषित आतंकी संगठन के मुखिया की हत्या पर इज़राइल से बदला लेने की कसमें तो खाई पर कभी सीधे कार्यवाही नहीं की लेकिन इस बार उसने इज़राइल पर सीधा हमला करके मध्य पूर्व के क्षेत्र मे अशांति की शुरुआत तो कर ही दी है। भले ही इस विषय पर लोगों के वैचारिक मत भिन्नता हो सकती है लेकिन एक बात बिल्कुल स्पष्ट हैं कि दुनियाँ मे मात्र इज़राइल ही एक ऐसा देश हैं जिसने अपने दुश्मनों को दुनियाँ के किसी भी कोने से ढूंढ निकाल कर मौत के घाट उतार दिया। इज़राइली सेना का ईरान मे डर और दहशत का माहौल इस तरह हैं कि ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई भी हिज्बुल्लाह प्रमुख नसरल्ला के हवाई हमले मे मारे जाने के बाद किसी अज्ञात और सुरक्षित ठिकाने पर चले गये, यूं भी ईरान के आंतरिक हालात इस समय अच्छे नहीं हैं और कभी भी ईरानी जनता मे अशांति और अंसन्तोष की चिनगारी भड़क सकती है। यूं भी इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू पिछले दिनों ईरानी जनता को सीधे संभोधित करते हुए भड़काने की कोशिश की। ईरानी सरकार की आलोचना करते हुए उन्होने कहा कि, ईरान को अपनी जनता की बिल्कुल भी चिंता नहीं, हम आपके साथ खड़े हैं, ईरान ने बेवजह युद्ध मे पैसा खर्च कर अपने देश को आर्थिक संकट मे डाल दुनियाँ मे अराजकता फैला रहा है।

मजबूत राजनैतिक इच्छा शक्ति के अभाव मे यमन, फिलिस्तीनी और लेबनान जैसे देश, दो पाटों के बीच घुन की तरह पिस रहे हैं। इज़राइल मे अशांति फैलाने वाले देश, यमन मे हूति विद्रोहियों, लेबनान मे हिज्बुल्ला नामक दहशत गर्दों और फिलिस्तीन मे हमास जैसे आतंक वादियों को ईरान द्वारा पोषित और पराश्रय देने के कारण इन संगठनों ने अपने ही देश मे एक समानान्तर फौज खड़ी कर ली हैं।

इन आतंकवादियों का एक मात्र मकसद इज़राइल के विरुद्ध सशस्त्र, हिंसक संघर्ष कर उसके अस्तित्व को समाप्त करना हैं। इस हेतु शिया मुस्लिम बहुल ईरान सरकार, आर्थिक रूप से भरपूर सहायता दे रही हैं। हिज्बुल्लाह, हूति और हमास जैसे आतंकी संगठनों के कारण, कमजोर राजनैतिक इच्छा शक्ति के चलते यमन, लेबनान और फिलिस्तीन देशों मे अशांति और अराजकता के चलते वहाँ के नागरिकों को आए दिन कठिनाइयों और परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं और इज़राइली हमलों के कारण इन देशों के आम जनों को अपनी जान गवानी पड़ती हैं और अनेकों लोगो को अकारण घायल होने का संताप भुगतना पड़ता हैं। एक बात तो तय है, शिया मुस्लिम बहुल ईरान, इज़राइल से दुश्मनी की आड़ मे अपने हितों को साध रहा हैं और वह इज़राइल से स्वयं युद्ध न कर हिज्बुल्लाह, हमास और हूति जैसे आतंकियों को बलि का बकरा बना रहा है। इज़राइल के विरुद्ध संघर्ष मे न तो ईरान अपनी जमीन और न ही अपनी जनता को सीधे युद्ध मे धकेले बिना लेबनान, फिलिस्तीन और यमन के नौजवानों को शामिल करवा कर सिर्फ अपने धन और संसाधनों का दुर्पयोग कर, दुनियाँ मे अशांति, अराजकता और उपद्रव करवाना चाहता हैं, इसका ही नतीजा हैं कि आतंकी संगठन हिज्बुल्ला के मुखिया नसरल्ला, हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया जैसे आतंकी और उनके सैकड़ों लड़ाके मारे जा चुके है।

इसी क्रम मे इज़राइल का अब अगला लक्ष्य यमन के हूति विद्रोहियों को नेस्तनाबूद करना है और शीघ्र ही वह इस प्रयोजन को प्राप्त करने मे कामयाब भी हो सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को ईरान और इज़राइल के बीच इस विकराल होती, युद्ध रूपी समस्या मे तुरंत हस्तक्षेप कर शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने का प्रयास चाहिये और अगले संभावित विश्वयुद्ध को रोकने के सार्थक प्रयास करने चाहिये अन्यथा दो भागों मे विभाजित हो रहे विश्व के लिये ये युद्ध, मानवता के विनाश का काला अध्याय साबित न हो।

अपने क्या सच में अपने होते हैं?

रजनीश कपूर

आधी दुनिया पर विजय पाने वाला सिकंदर-ए-आज़म जब अपने देश वापिस लौट रहा था तो उसका स्वास्थ्य इतना बिगड़ा की वह मरणासन्न स्थिति में पहुँच गया। अपनी मृत्यु से पहले सिकंदर ने अपने सेनापतियों और सलाहकारों को बुलाया और कहा की मेरी मृत्यु के पश्चात मेरी तीन इच्छाएँ पूरी की जाएँ। उन तीन इच्छाओं में से एक इच्छा थी। "मेरी अर्थी में मेरे दोनों हाथ बाहर की ओर रखे जाएं - इससे लोग समझ सकें की जब मैं दुनिया से गया तो मेरे दोनों हाथ खाली थे। इंसान आता भी खाली हाथ है और जाता भी खाली हाथ है।" परंतु इस बात को बिना समझे, हम हर पल अधिक से अधिक संपत्ति और धन अर्जित करने की दौड़ में लग जाते हैं। आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि किसी बुज़ुर्ग को, पैसे और संपत्ति के लालच में उसी की संतान ने घर से बेघर कर दिया। ऐसा अक्सर उन परिस्थितियों में होता है जब बच्चों को सही संस्कार नहीं दिये जाते। ऐसा अक्सर तब भी होता है जब घर के बड़े-बुजुर्ग अपने मोह और स्नेह के चलते, अपने जीते-जी ही अपनी चल-अचल संपत्ति के सभी उत्तराधिकार अपने बच्चों को दे देते हैं। जो संतान संस्कारी होती है वे बिना किसी लोभ या स्वार्थ के, अंतिम समय तक अपने माता-पिता की सेवा करते हैं। परंतु ऐसी भी संतान होतीं हैं जिन्हें जैसे ही इस बात का पता चलता है कि माता-पिता ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी बना दिया है, वैसे ही उनका अपने माता-पिता के प्रति व्यवहार बदलने लगता है। परंतु सभी वरिष्ठ नागरिकों शायद इस बात की जानकारी नहीं है कि 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007' के तहत वे अपने साथ हो रहे दुर्व्यवहार और अपमान के ख़िलाफ़ न्याय लेने के लिए कोर्ट भी जा सकते हैं। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007, भारत सरकार का एक अधिनियम है जो वरिष्ठ नागरिकों और माता-पिता के भरण-पोषण और देखभाल के लिए कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है। इस अधिनियम के तहत, बच्चों और उत्तराधिकारियों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को भरण-पोषण देना कानूनी दायित्व है। इस अधिनियम के तहत, राज्य सरकारों को हर ज़िले में वृद्धाश्रम स्थापित करने के प्रावधान भी हैं। अगर कोई वरिष्ठ नागरिक अपनी आय या संपत्ति से अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है, तो वह अपने बच्चों या रिश्तेदारों से भरण-पोषण के लिए आवेदन कर सकता है। अगर कोई व्यक्ति, किसी वरिष्ठ नागरिक की देखभाल या संरक्षण प्राप्त करने के बाद उसे उपेक्षित किसी जगह छोड़ देता है, तो उसे तीन महीने तक की जेल हो सकती है या पांच हज़ार रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। अगर किसी वरिष्ठ नागरिक के बच्चे नहीं हैं, तो वह भी मेंटेनेंस के लिए दावा कर सकता है। अगर किसी वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति का इस्तेमाल रिश्तेदार कर रहे हैं, तो सम्पत्ति का इस्तेमाल करने वाले या उसके वारिस पर बुज़ुर्ग की देखभाल के लिए दावा किया जा सकता है। इतना सब कुछ होते हुए भी हमें अक्सर यही सुनने को मिलता है कि बुजुर्गों को उन्हीं के खून द्वारा अपमानित व उपेक्षित किया जाता है। ऐसे में कई बुजुर्ग जिन्हें इस अधिनियम की जानकारी नहीं है वे तो अपने अपमान के विरुद्ध ख़ामोश रहते ही हैं। साथ ही ऐसे भी बुजुर्ग हैं जो समाज में अपनी व अपने बच्चों की मर्यादा और इज़्ज़त की ख़ातिर क़ानूनी सलाह या कार्यवाही नहीं करते। बीते दिनों दिल्ली से सटे नोएडा की एक खबर आई जहां 85 वर्ष के एक वरिष्ठ पत्रकार को अपने ही घर से बेघर होने की स्थित का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक-एक पाई जोड़ कर सन् 2000 में एक फ्लैट ख़रीदा। 2015 में जब उनकी इकलौती बेटी शादी विफल हुई तो वो अपने पुत्र के साथ अपने पिता के घर में रहने लगी। कई वर्षों तक सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा। 2022 में अपनी पुत्री के प्रति स्नेह के चलते उन्होंने अपने फ्लैट को एक 'गिफ्ट डीड' के ज़रिये अपनी बेटी के नाम कर दिया। इस 'गिफ्ट डीड' होने के कुछ ही महीनों के बाद उनकी बेटी का अपने पिता के प्रति रवैया बदलने लगा।

पहले बुरा बर्ताव, फिर मार-पीट और उसके बाद उन्हें कई बार घर से भी निकाला गया। बाद में किसी न किसी तरह उन्हें घर में वापिस लिया गया। परंतु हद तो तब हुई जब बीते अगस्त में उनकी बेटी ने इस फ्लैट को बेच दिया और अब उन्हें इस उम्र में बेघर होने पर मजबूर कर दिया। नोएडा हो या देश का कोई अन्य शहर, ऐसी खबरें आपको लगातार मिलती रहती हैं और आपको सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमारा समाज किस दिशा में जा रहा हैं? सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अजय गर्ग के अनुसार "ज़्यादातर लोगों को 'गिफ्ट डीड' और 'वसीयत' के बीच के मूल अंतर की जानकारी ही नहीं होती। कोई भी व्यक्ति अपने जीवन काल में, 'गिफ्ट डीड' के माध्यम से अपनी संपत्ति किसी के भी नाम कर सकता है।

नागराज की खारिज अर्जी

रेखा शाह आरबी

नागराज बहुत क्रोधित और खीझें हुए मन के साथ बैठे थे।जब दुनिया में अपने मन की बात ना हो तो खीझनें के अलावा कोई कर ही क्या सकता है । अपना रोष प्रकट करने का भला और क्या उपाय है। यह खींझ दुनिया से ज्यादा अपनी असमर्थता के ऊपर आती है । वैसे किसी वस्तु से खींझना भी बहुत काम की चीज है। आसान बिल्कुल नहीं है किसी से अचानक से खींझ जाना ।बहुत ज्यादा अपने आप को या लोगो द्वारा प्रताड़ित होना पड़ता है ।तब कही जाकर यह खींझ आती है। अक्सर खींझने पर ही कोई नया मार्ग सुझाई पड़ता है। वरना हर कोई इतना आराम तलब हो चुका है। जो जैसा है वैसे ही ढर्रे पर चलता रहता है। जीवन में कोई नई राह खोजना ही नही चाहता है।कुछ नया सूझने के लिए खींझना जरूरी हो जाता है। खींझने बिना तो इस धरती पर कोई परिवर्तन नही होने वाला है ।इसीलिए सबको थोड़ा बहुत खींझना चाहिए ।और स्वयं की भलाई इसी में है कि मौका महल देखकर ही यह खींझने का कार्यक्रम करे।ऐसा ना हो कि व्यक्ति को लेना का देना पड़ जाय। यह बात भी हास्यास्पद है कि नागराज के पास दांत होने के बावजूद उन बेचारे की यह दुर्गति हो रही थी।अतः खींझना स्वभाविक ही था। नागराज की खोपड़ी हिली हुई थी । वह मनुष्य के लैब में थे। और रोज उनसे बिना उनकी इच्छा के जहर ले लिया जाता था । और उसके बाद उठाकर उन्हें फिर से डब्बे में फेंक दिया जाता था। आगे दो-चार चूहे भींख के जैसे फेंक कर मिल जाता था। इज्जत के साथ भी तो दिया जा सकता था। पर इंसान तो वही है जिसको जलील करता है जी भर कर जलील करता है । चाहे वह कहीं का महाराजा ही क्यों ना रहे। उनकी हालत जैसे किसी पालतू कुत्ते जानवर की तरह थी । ऐसा लगता चार तमाचे गाल पर किसी ने लगा दिए हो । और वह व्यक्ति कुछ नहीं कर पाया हो । आखिर नाराज होकर फुंफकाराने के अलावा कुछ कर नहीं पा रहे थे । अपने हलाहल विष का कोई सटीक प्रयोग नही कर पा रहे थे । बल्कि उनके विष का प्रयोग कोई और ही कर रहा था । नागराज का विचार था कि कम से कम इंसानों को एक बार पूछना तो चाहिए। उनके जहर का आखिर वह लोग क्या कर रहे हैं। लेकिन सबका सोचा एक तरफ और इंसान का मन एक तरफ था। और वह चाह कर भी स्थिति बदल नहीं पा रहे थे। और कहा जाता है कि जिसका कोई नहीं होता है उसका ऊपर वाला होता है। अतः वह भी अपनी अर्जी लेकर ऊपर वाले के दरबार में पहुंच गए। तो प्रभु ने पूछा कहिए- नागराज आपका आना क्यों हुआ? । भगवान हम सांपों को जहर के अलावा कुछ और भी शक्ति दीजिए। मात्र जहर की शक्ति से काम नहीं चल रहा है धरती पर। अरे गजब बात करते हो किसी की जान लेने की शक्ति दे दिए हैं अब तुम्हें क्या चाहिए? । यह तो आपको लगता है कि हम लोगों को बहुत दे दिए हैं ।लेकिन हमारी खूबी ही हमारी खामी बन चुकी है और हमारा जीना दुश्वार हो चुका है। क्यों क्या हुआ? । प्रभु अनजान मत बनिए आपको सब पता है हम सांपों की धरती पर क्या दुर्गति हो रही है.. हमारे जहर में वह बात नहीं रही जो इंसान के जहर में है। तो आखिर चाहते क्या हो?

प्रभु हम लोग तो बस इतना चाहते हैं की धरती पर हम लोग चैन से जिए लेकिन चैन से जीने के लिए या तो आपको इंसानों को रखना पड़ेगा या जानवरों को रखना पड़ेगा। अरे ऐसा क्यों कह रहे हो?

प्रभु एकदम सही बात कह रहे हैं धरती पर इंसानों के साथ रहना आसान बात नहीं है। अब ऐसा क्या हो गया। प्रभु जैसा कि आप जानते हैं मैं सांपों का राजा कोबरा हूं लेकिन मुझे मनुष्य ऐसे व्यवहार करते हैं जैसे मैं गुबराला हूं ..उन्हें मुझसे कोई डर कोई भय नहीं है ..मेरे काटने का भी उन सभी के पास एंटी डोज पहले ही तैयार रहता है। भगवान सिर खुजाते हुए -तो बताओ तुम्हारे लिए क्या किया जाए।

व्यवस्था के महारथी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सुबह की हल्की धूप में, गली के कोने में एक चाय की दुकान पर भीड़ जमा हो रही थी। वहाँ खड़े लोग अपने-अपने किस्सों में डूबे थे। यह वह जगह थी, जहाँ हर रोज़ की तरह बड़े-बड़े महारथी अपने विचारों से समाज को दिशा देने का काम कर रहे थे। चाय की चुस्कियों के बीच बहसें होती थीं, और बातें ऐसे घूमती थीं मानो सारी दुनिया इन्हीं के इशारों पर चल रही हो। सबसे पहले वहाँ पहुँचे *अफ़सर रामजी*। उनके आते ही चायवाले ने पूछा, "साहब! आज ऑफिस जल्दी नहीं जाना?" रामजी ने गहरी साँस लेते हुए कहा, "जाना तो है, पर क्यों जाएं? ऑफिस में सिवाय फाइलों के और कुछ नहीं मिलता। हर रोज़ नया काम आता है, जैसे मैं कोई काम करने के लिए पैदा हुआ हूँ!" चायवाला हँसते हुए बोला, "अरे साहब! काम तो आप ही करोगे, जनता का भला कौन करेगा?" अफ़सर रामजी ने नाराज़गी से कहा, "अरे! जनता का भला! मैं तो सिर्फ़ काम करने का नाटक करता हूँ, असल में तो फाइलों को इधर-उधर घुमा देता हूँ। हर दिन सोचता हूँ कि किस काम को कल पर टाल दूँ।" चायवाले ने सिर हिलाया और चाय का प्याला आगे बढ़ा दिया। तभी दुकान पर आए *नेता बलवान सिंह*। बलवान सिंह ने आते ही कहा, "भई, क्या हाल-चाल हैं? लगता है, आज भी देश बदलने की चर्चा हो रही है।" अफ़सर रामजी ने हँसते हुए कहा, "अरे! आप जैसे नेता लोग ही तो इस देश को बदल सकते हैं। सुना है, पिछले चुनाव में बड़े वादे किए थे आपने।"नेता बलवान सिंह मुस्कराते हुए बोले, "वादे करना हमारी आदत है। पर अब जनता को समझाना भी मुश्किल हो गया है। ये सोशल मीडिया वाले हर बात को तूल दे देते हैं। आखिर, पाँच साल में अगर एक-दो बार वोट माँगा तो क्या गुनाह कर दिया!" उन्होंने अपनी चाय की चुस्की लेते हुए कहा, "हमारा घोषणापत्र बस एक सपना होता है, जिसे पूरा करने का काम जनता पर छोड़ दिया जाता है। विकास का मतलब है—जितना मुँह, उतना झूठ।"चायवाले ने कहा, "आपका काम तो आसान है, बस बोलना है।" नेता ने हँसते हुए जवाब दिया, "बोलना ही तो सबसे मुश्किल काम है। हम जो बोलते हैं, लोग समझते हैं कि सब सच है। और सच ये है कि जनता की उम्मीदें कभी पूरी नहीं होतीं।" चाय की दुकान पर अब भीड़ जमा हो चुकी थी। तभी वहाँ आए *प्रोफ़ेसर ज्ञानचंद*, जिन्हें देखकर सभी ने सम्मान से सिर झुकाया।

प्रोफ़ेसर साहब ने अपनी चाय का प्याला लेते हुए कहा, "आजकल के बच्चों में पढ़ाई की कोई लगन ही नहीं रही। सीधे पास होने का सवाल पूछते हैं। और मैं सोचता हूँ, आज का लंच क्या हो?"अफ़सर रामजी ने हँसते हुए कहा, "सर, आजकल विद्यार्थी पढ़ाई से ज्यादा परीक्षा के मार्क्स पर ध्यान देते हैं।"

ज्ञानचंद ने गहरी साँस लेते हुए कहा, "सही कहा, आज की शिक्षा का बाज़ार सिर्फ़ डिग्री का है, ज्ञान का नहीं। जो पढ़ते हैं, वे फेल हो जाते हैं, और जो पढ़ते ही नहीं, वे हमेशा फर्स्ट आते हैं।"इस बात पर सभी हँसने लगे। तभी एक एम्बुलेंस की आवाज़ आई और उसमें से उतरे **डॉक्टर धनपसंद**। वह अपने मरीज को देखने जा रहे थे, मगर कुछ पल के लिए चाय पीने का मन बना लिया।चायवाले ने पूछा, "डॉक्टर साहब! आज कौन सा इलाज कर रहे हो?" डॉक्टर साहब हँसते हुए बोले, "इलाज से पहले हम मरीज की जेब देख लेते हैं। जितना भरा होगा, उतना लंबा इलाज चलेगा।"सभी लोग हँस पड़े। डॉक्टर धनपसंद बोले, "अब तो बीमारी से ज़्यादा हमारा व्यापार फल-फूल रहा है।

वज्रेश्वरी मंदिर में भक्तों की सभी मुरादें होती हैं पूरी

इस माता मंदिर में भक्त की सभी मुरादें होती हैं पूरी, इस नवरात्रि आप भी जरूर करें दर्शन

यह महाराष्ट्र का एक पवित्र धाम है जहां हर साल लाखों भक्त अपनी मुरादें लेकर आते हैं। कहा जाता है कि यहां मां दुर्गा अपने भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी करती हैं। यह त्यौहार देवी दुर्गा की पूजा अर्चना के लिए समर्पित है और इसे पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि के दौरान लोग विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, गरबा और डांडिया में भाग लेते हैं जिसे समाज में एकता और उत्साह का माहौल बना रहता है। नवरात्रि के नौ दिनों में भक्तजनों में अलग ही उत्साह और उल्लास देखने को मिलता है। देशभर के हर गली मोहल्ले में रंग बिरंगी लाइटों से सजावट देखी जा सकती है। वहीं हर देवी मंदिरों को जगमग दियों और रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है।

वज्रेश्वरी देवी मंदिर

वज्रेश्वरी देवी की खासियत यह है कि यह एक पवित्र और प्रसिद्ध मंदिर है जो ना से महाराष्ट्र में जाना जाता है बल्कि इस मंदिर की बातें देशभर में होती है। यह मंदिर महाराष्ट्र के वज्रेश्वरी में स्थित है। यह मंदिर मुंबई से लगभग 75 किलोमीटर दूर है। इसके अलावा यह ठाणे से 43 किलोमीटर, वसई से 26 किलोमीटर और कल्याण से 43 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वज्रेश्वरी योगिनी देवी मंदिर अपने आध्यात्मिक महत्व और बेहतरीन वास्तुकला के लिए आसपास के इलाकों में बहुत प्रसिद्ध है। यहां भक्तों की भारी भीड़ रहती है। विशेषकर नवरात्रि के दौरान जब लोग देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से आते हैं।

वज्रेश्वरी देवी मंदिर का इतिहास

वज्रेश्वरी देवी मंदिर का इतिहास इतना पुराना और दिलचस्प है कि हर कोई इस मंदिर के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहता है। यह मंदिर माता दुर्गा को समर्पित है और उसके बारे में कई मिथक प्रचलित है मंदिर का इतिहास महाराष्ट्र साम्राज्य से लेकर पुर्तगालियों तक जुड़ा हुआ है। इस मंदिर को लेकर ऐसा कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण चिमाजी अप्पा पेशवा ने करवाया था। कुछ लोगों का मानना है कि पुर्तगालियों ने इस मंदिर को नष्ट किया था। लेकिन जब चिमाजी अप्पा पेशवा ने वसई के किले को जिता तब उन्होंने फिर से इस मंदिर का निर्माण करवाया। यह मंदिर मराठा साम्राज्य के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है और इसके आसपास की कई घटनाओं ने इस स्थान को ऐतिहासिक महत्व दिया है।

9 दिन पहनें अलग-अलग रंगों के कपड़े सुख-समृद्धि के साथ आएंगी खुशियां

दूसरा दिन

नवरात्रि के दूसरे दिन आप हरे रंग के कपड़े पहनें। यह रंग विकास, उर्वरता और शांति की भावना को दर्शाता है। इस रंग के कपड़े पहनने से आपके जीवन में शांति आती है और माता का आशीर्वाद भी मिलता है।

तीसरा दिन

शारदीय नवरात्रि के तीसरे दिन आप स्लेटी रंग के कपड़े पहनें। साथ ही इस दिन शनिवार रहने से आप नीले रंग के कपड़े भी पहन सकते हैं। दोनों ही कलर इस दिन के लिए शुभ फल प्रदान करने वाले हैं।

चौथा दिन

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन नारंगी या पीले रंग के कपड़े रंग के कपड़े पहनें। चूंकि, इस दिन रविवार है और ये दोनों ही रंग आपको उत्साह प्रदान करते हैं साथ ही सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहती है।

पांचवां दिन

शारदीय नवरात्रि के पांचवें दिन सोमवार पड़ रहा है। इसलिए आप सफेद रंग के कपड़े पहन सकती हैं। यह रंग पवित्रता और मासूमियत का पर्याय माना जाता है और आपको आंतरिक शांति प्रदान करता है।

छठवां दिन

शारदीय नवरात्रि के छठवें दिन मंगलवार पड़ रहा है और यह दिन लाल रंग के लिए शुभ माना गया है। यह रंग प्रेम का प्रतीक भी है और जब आप लाल रंग पहनते हैं तो आपको माता का आशीर्वाद भी मिलता है।

सातवां दिन

शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन रॉयल ब्लू कलर के कपड़े पहनें। यह रंग भी शांति का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए इस रंग का चुनाव करने से आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

आठवां दिन

शारदीय नवरात्रि का आठवें दिन आप गुलाबी रंग के कपड़े पहनें। यह रंग प्रेम, स्नेह और सद्भाव का प्रतीक माना जाता है। वहीं आप जब इस रंग के कपड़े पहनते हैं तो आपकी जिंदगी में खुशहाली बनी रहेगी।

नौवां दिन

नवरात्रि के नौवें दिन बैंगनी रंग के कपड़ों का चयन कर सकते हैं। यह रंग ऐश्वर्य और समृद्धि प्राप्ति के लिए खास माना गया है। इसलिए आप बैंगनी रंग के कपड़े नवरात्रि के समापन पर पहन सकते हैं।

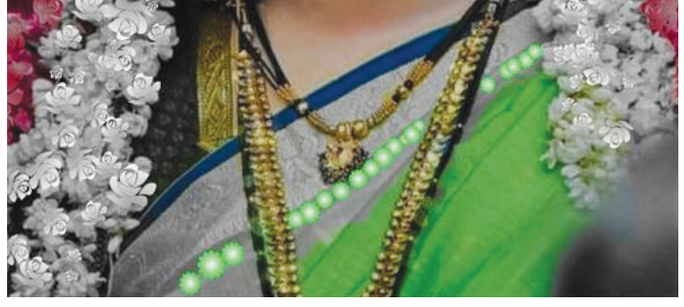

ये हैं मां दुर्गा के प्रसिद्ध मंदिर

नवरात्र शुरू हो चुके हैं और इन नौ दिनों में मां दुर्गा की पूजा करने का विधान है। इस दौरान भारत के अलग-अलग कोनों में फैले हुए मां के प्रसिद्ध मंदिरों में भारी संख्या में भक्तों का जमावाड़ा लगता है।

नैना देवी मंदिर, नैनीताल

नैनीताल में, नैनी झील के उत्तरी किनारे पर नैना देवी मंदिर स्थित है। 1880 में भूस्खलन से यह मंदिर नष्ट हो गया था। बाद में इसे दोबारा बनाया गया। यहां सती के शक्ति रूप की पूजा की जाती है। मंदिर में दो नेत्र हैं जो नैना देवी को दर्शाते हैं।

ज्वाला देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में कालीधार पहाड़ी के बीच बसा है ज्वाला देवी का मंदिर। मां ज्वाला देवी तीर्थ स्थल को देवी के 51 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ माना जाता है। शक्तिपीठ वह स्थान कहलाते हैं जहां-जहां भगवान विष्णु के चक्र से कटकर माता सती के अंग गिरे थे। शास्त्रों के अनुसार ज्वाला देवी में सती की जिह्वा गिरी थी।

कामाख्या शक्तिपीठ गुवाहाटी (असम)

पश्चिम में 8 कि.मी। दूर नीलांचल पर्वत पर है। माता के सभी शक्तिपीठों में से कामाख्या शक्तिपीठ को सर्वोत्तम कहा जाता है। कहा जाता है कि यहां पर माता सती का गुह्य मतलब योनि भाग गिरा था, उसी से कामाख्या महापीठ की उत्पत्ति हुई। कहा जाता है यहां देवी का योनि भाग होने की वजह से यहां माता रजस्वला होती हैं।

करणी माता मंदिर राजस्थान

हमारे देश में अनेक प्रसिद्ध मंदिर हैं, जहां बार-बार जाने का मन करता है। एक ऐसा ही मंदिर राजस्थान के बीकानेर से लगभग 30 किलोमीटर दूर जोधपुर रोड पर गांव देशनोक की सीमा में स्थित है। यह है मां करणी देवी का विख्यात मंदिर। यह भी एक तीरथ धाम है, लेकिन इसे चूहे वाले मंदिर के नाम से भी देश और दुनिया के लोग जानते हैं।

दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कोलकाता

कोलकाता का मां दक्षिणेश्वर काली मंदिर यहां के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इसका निर्माण सन 1847 में शुरू हुआ था। कहते हैं जान बाजार की महारानी रासमणि ने स्वप्न देखा था, जिसके अनुसार मां काली ने उन्हें निर्देश दिया कि मंदिर का निर्माण किया जाए। उसके बाद इस भव्य मंदिर में मां की मूर्ति श्रद्धापूर्वक स्थापित की गई। सन 1855 में मंदिर का निर्माण पूरा हुआ। यह मंदिर 25 एकड़ क्षेत्र में स्थित है।

अम्बाजी मंदिर, गुजरात

यह मंदिर गुजरात-राजस्थान सीमा पर स्थित है। माना जाता है कि यह मंदिर लगभग बारह सौ साल पुराना है। इस मंदिर के जीर्णोद्धार का काम 1975 से शुरू हुआ था और तब से अब तक जारी है। श्वेत संगमरमर से निर्मित यह मंदिर बेहद भव्य है। मंदिर का शिखर एक सौ तीन फुट ऊंचा है। शिखर पर 358 स्वर्ण कलश सुसज्जित हैं। मां अम्बा-भवानी के शक्तिपीठों में से एक इस मंदिर के प्रति मां के भक्तों में अपार श्रद्धा है। मंदिर के गर्भगृह में मांकी कोई प्रतिमा स्थापित नहीं है। यहां मां का एक श्री-यंत्र स्थापित है। इस श्री-यंत्र को कुछ इस प्रकार सजाया जाता है कि देखने वाले को लगे कि मां अम्बे यहां साक्षात विराजी हैं। नवरात्र में यहां का पूरा वातावरण शक्तिमय रहता है।

नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। यह ब्रह्म शक्ति यानि तप की शक्ति का प्रतीक हैं। इनकी आराधना से भक्तों की तप करने की शक्ति बढ़ती है। शास्त्रों में बताया गया है कि मां दुर्गा ने पार्वती के रूप में पर्वतराज के यहां पुत्री बनकर जन्म लिया और महर्षि नारद के कहने पर अपने जीवन में भगवान महादेव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। हजारों वर्षों तक अपनी कठिन तपस्या के कारण ही इनका नाम तपश्चारिणी या ब्रह्मचारिणी पड़ा।

स्वरूप

माता अपने इस स्वरूप में बिना किसी वाहन के नजर आती हैं। मां ब्रह्मचारिणी के दाएं हाथ में माला और बाएं हाथ में कमंडल है।

महत्त्व

माता ब्रह्मचारिणी हमें यह संदेश देती हैं कि जीवन में बिना तपस्या अर्थात कठोर परिश्रम के सफलता प्राप्त करना असंभव है। बिना श्रम के सफलता प्राप्त करना ईश्वर के प्रबंधन के विपरीत है। अतः ब्रह्मशक्ति अर्थात समझने व तप करने की शक्ति हेतु इस दिन शक्ति का स्मरण करें। योग-शास्त्र में यह शक्ति स्वाधिष्ठान में स्थित होती है। अतः समस्त ध्यान स्वाधिष्ठान में करने से यह शक्ति बलवान होती है एवं सर्वत्र सिद्धि व विजय प्राप्त होती है।

॥स्तुति मंत्र॥

दधाना करपद्माभ्याम्, अक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि, ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

(जिनके एक हाथ में अक्षमाला है और दूसरे हाथ में कमण्डल है, ऐसी उत्तम ब्रह्मचारिणीरूपा मां दुर्गा मुझ पर कृपा करें।)

भोग: उपवास के बाद माता को शक्कर का भोग लगाया जाता है। इससे घर के सभी सदस्यों की आयु बढ़ती है।

दंतेश्वरी मंदिर, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में स्थित है दन्तेवाड़ा का प्रसिद्ध दंतेश्वरी मंदिर। हसीन वादियों के लिए मशहूर यह मंदिर काफी पुराना है। ऐसी मान्यता है कि यहां सती का दांत गिरा था, जिसके कारण जगह का नाम दंतेश्वरी पड़ा।

तृप्ति डिमरी के पोस्टर पर कालिख पोतने पर विवाद

एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी, पैसे लेकर इवेंट में नहीं आने के आरोपों को किया खारिज

तृप्ति डिमरी के पोस्टर पर 1 अक्टूबर को फिक्की फ्लो की महिलाओं ने ब्लैक मार्कर से कालिख पोती थी। उनका आरोप था कि एक्ट्रेस ने पैसे लेने के बावजूद जानबूझकर एन मौके पर उनके इवेंट को केंसिल कर दिया था। इसी बीच अब तृप्ति डिमरी ने इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उनकी टीम ने एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी करते हुए सभी आरोपों को खारिज किया है।

तृप्ति डिमरी की टीम का स्टेटमेंट

तृप्ति डिमरी की टीम ने लिखा, तृप्ति डिमरी इस समय विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। वह इस वक्त हर इवेंट का हिस्सा बन रही हैं। उन्होंने कोई भी कमिटमेंट से किनारा नहीं किया है। उन्होंने अब तक कोई भी पर्सनल इवेंट में जाने का भी कोई कमिटमेंट नहीं किया है। हम क्लियर करना चाहते हैं कि तृप्ति डिमरी ने किसी भी इवेंट के लिए कोई भी एडीशनल फीस या फिर पेमेंट नहीं लिया है।

एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी अपनी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का प्रमोशन करने जयपुर आई हुई थीं। यहां उन्हें बिजनेसवुमन के संगठन फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर के कार्यक्रम में शामिल होना था। आरोप है कि मंगलवार दोपहर 12 बजे तक सभी मेंबर्स कार्यक्रम में पहुंच गए थे। वह 1.30 बजे तक एक्ट्रेस का इंतजार करते रहे, लेकिन वह नहीं पहुंचीं। इसके चलते महिलाओं ने कार्यक्रम में हंगामा कर दिया। आयोजकों ने तृप्ति को मैनेज कर रही टीम पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वे पैसे लेकर भाग गए। इवेंट में एक्ट्रेस की आने की बात कही गई थी, लेकिन फिर उनकी जगह राजकुमार राव को लाने की बातें करने लगे थे। इस दौरान फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर की पूर्व चेयरपर्सन अलका बत्रा ने स्टेज पर चढ़कर तृप्ति के पोस्टर पर मार्कर से कालिख पोत दी थी। इसके बाद अन्य महिलाओं ने तृप्ति की फिल्म का बायकॉट करने की सलाह दी। फिक्की फ्लो जयपुर की चेयरपर्सन रघुश्री पोद्दार ने कहा- तृप्ति की टीम ने हमें इवेंट के लिए संपर्क किया था। हमने भी नवरात्रि को देखते हुए शक्ति इवेंट प्लान किया था। हमने इसके लिए पूरा पेमेंट भी कर दिया था।

बिना पूछे करण जौहर ने आलिया भट्ट को भेजी जिगरा की कहानी

जिगरा का फैंस के बीच खूब बज है. वहीं ट्रेलर में आलिया भट्ट और वेदांग रैना की भाई-बहन की जोड़ी भी दर्शकों को इमोशनल कर रही है. आलिया बेहद प्रॉमिसिंग लग रही हैं, हालांकि फिल्म 11 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है. माना जा रहा है कि ये बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करेगी. लेकिन डायरेक्टर वसन बाला की मानें तो वो थोड़े डाउटफुल थे. उन्होंने खुद बताया कि जब करण जौहर ने उनकी ये कहानी आलिया को भेजी तो वो खुश नहीं थे. खबरें थीं कि वसन नहीं चाहते थे कि आलिया भट्ट इस फिल्म को करें. क्योंकि जब उन्होंने जिगरा की कहानी लिखी थी तो उनके दिमाग में पहले से किसी एक्ट्रेस का नाम था. पर जब करण जौहर ने आलिया को ये कहानी भेजी तो वो सोचने पर मजबूर हो गए.

आलिया को कहानी भेजने पर नाराज हुए वसन

एक इंटरव्यू में वसन बाला ने इस अफवाह का सच बताया. उन्होंने कहा कि ये आधा सच है, पूरी बात दरअसल कुछ और है. उन्होंने कहा कि मैं करण से थोड़ा डिस्पॉइंटेड था कि उन्होंने मेरी कहानी का मेल आलिया को फॉर्वर्ड कर दिया था. वसन बोले- कच्चा पक्का ईमेल, जो विचार मेरे मन में आए, मैंने करण को ई-मेल के जरिए भेज दिए, और 6-7 घंटे बाद, करण ने मुझे फोन करके बताया कि उन्होंने इसे पहले ही आलिया को भेज दिया है. मैं सही में इस बात से खुश नहीं था. क्योंकि अगर मुझे पता होता कि ये ईमेल गंगूबाई काठियावाड़ी एक्ट्रेस को भेजा जा रहा है, तो मैं कुछ ग्रामर चेक, स्पेलिंग चेक, मेल सही से लिखा है कि नहीं चेक कर लेता या फिर हीरो की दमदार एंट्री टाइप कोई सीन लिख लेता.

लेकिन वो ई-मेल भेजा जा चुका था. तो मैंने करण से पूछा कि आपने ऐसा क्यों किया. उन्होंने कहा नहीं नहीं ऐसा ही होता है. फिर वो बोले कि हम एक दो दिन में मिलेंगे. इसके लगभग एक महीने बाद जब आलिया ने राहा को जन्म दिया हम मिले और स्टोरी डिस्कस की. अब क्योंकि करण जौहर ने कहा था कि मैं आलिया को स्टोरी नैरेट करूंगा तो मैंने जाते जाते गाड़ी में ही इसका सेकेंड हाफ लिखा.

दो महीने तक आलिया ने किया इंतजार

एक इंटरव्यू में आलिया ने भी बताया कि करण जौहर वसन बाला कि मोनिका, ओ माय डार्लिंग देखने के बाद उनके साथ कहानी के पहले हाफ से ही इतनी इम्प्रेस थीं कि फिल्म करने को तैयार थीं. फिर भी वो इसका सेकेंड हाफ सुनना चाहती थीं, इसके उन्होंने वसन बाला को 2 महीने तक चेज किया था.

खुश नहीं थे डायरेक्टर वसन बाला

काम करने के लिए कितने बेकरार थे.

आलिया बोलीं कि वो डिसाइड कर चुके थे कि उन्हें कैसी फिल्म बनानी है, और शायद वसन इस फिल्म में किसी और को कास्ट करना चाहते थे. हा लां कि इस बात से वसन ने इनकार कि या . आलिया ने ये भी बताया कि वो

करियर रहा फ्लॉप...फिर भी लैविश लाइफ में भाई सैफ को टक्कर देती हैं सोहा अली खान, 166 करोड की नेटवर्थ

एक्ट्रेस सोहा अली खान आज अपना 46वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. ऐसे में हम आपको उनकी लग्जरी लाइफ से रूबरू करवाने जा रहे हैं. सोहा अली खान ना सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं बल्कि बॉलीवुड के अमीर खानदान यानि पटौदी फैमिली की छोटी बेटी भी हैं. सोहा फेमस क्रिकेटर रहे मंसूर अली खान पटौदी और दिग्गज एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर की बेटी हैं. उनके भाई सैफ अली खान हैं जो बी-टाउन के पॉपुलर एक्टर हैं. वहीं सोहा के बर्थडे पर हम आपको उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ी कुछ चटपटी बातें बताने जा रहे हैं. जिसे जान आप भी हैरान रह जाएंगे.

सोहा ने अपने पेरेंट्स और भाई की तरह ही फिल्मों में अपना करियर बनाया था. लेकिन यहां उनको ज्यादा सफलता हासिल नहीं हो पाई. बावजूद इसके एक्ट्रेस एक लैविश लाइफ जीती हैं और उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है. सोहा अली खान मुंबई में अपने पति कुणाल खेमू और बेटी इनाया के साथ एक आलीशान घर में रहती हैं. जिसकी कीमत करोड़ों रुपए की है. एक्ट्रेस का ये घर मुंबई के खार के लिंकिंग रोड की एक सोसाइटी में है. जिसकी तस्वीरें वो अक्सर सोशल मीडिया पर भी शेयर करती रहती हैं. सोहा अली खान भले ही कम फिल्मों में नजर आती हो, लेकिन एक्ट्रेस करोड़ों की मालकिन हैं. अपने करियर में उन्होंने अभी तक 30 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है.

वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार एक्ट्रेस आज एक फिल्म के 5 करोड़ रुपए की भारी भरकम फीस वसूलती हैं. वहीं फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस मॉडलिंग और ब्रांड्स एंडोर्समेंट के जरिए भी मोटी कमाई करती हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक सोहा की कुल नेटवर्थ की करीब 166 करोड़ रुपए है. बता दें कि सोहा अली खान ने एक्टर कुणाल खेमू से शादी की है. आज ये कपल एक बेटी इनाया खेमू के पेरेंट्स हैं.

रजनीकांत को आज मिल सकती है अस्पताल से छुट्टी

सुपरस्टार रजनीकांत अपने स्वास्थ्य को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब उनके स्वास्थ्य पर नई जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता को शुक्रवार, 4 अक्टूबर को अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि वह 3 अक्तूबर को घर लौट सकते हैं। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें एक और दिन और अपनी देख-रेख में रखने का फैसला किया है।

रजनीकांत अब ठीक हैं और चिंता करने वाली अब कोई बात नहीं है। उन्हें 30 सितंबर को चेन्नई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगले दिन उनका एक गैर-सर्जिकल ऑपरेशन किया गया। इसके बाद अस्पताल ने एक मेडिकल बुलेटिन जारी कर पूरी प्रक्रिया का विवरण भी साझा किया था।

इसमें डॉक्टरों ने बताया था कि अभिनेता के दिल से जुड़ी रक्त वाहिका में सूजन आ गई थी। बयान में आगे बताया गया था कि सूजन को ठीक करने के लिए गैर-सर्जिकल प्रक्रिया के बाद एक स्टेंट लगाया गया है।

रजनीकांत जल्द ही तमिल फिल्म वेट्टैयन में नजर आने वाले हैं। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन भी स्क्रीन साझा करते हुए दिखेंगे। फिल्म में रजनीकांत जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आने वाले हैं। लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म को इस साल विजयादशमी (दशहरा) पर 10 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज करने की तैयारी है।

बिग बॉस 18 की हाईएस्ट पेड कंटेस्टेंट बनीं निया शर्मा! हर दिन के चार्ज करेंगी 5.4 लाख रुपए

टेलीविजन के पॉपुलर रियलिटी बिग बॉस 18 की शुरुआत 6 अक्टूबर से होने वाली है। शो में आने के लिए लगातार कई कंटेस्टेंट्स के नाम सामने आ रहे हैं। इस सीजन की पहली कन्फर्म कंटेस्टेंट निया शर्मा होने वाली हैं, जो सुहागन चुड़ैल, एक हजारों में मेरी बहना है और नागिन के लिए मशहूर हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो निया शर्मा इस सीजन की सबसे मंहगी कंटेस्टेंट होने वाली हैं।रिपोर्ट्स हैं कि निया शर्मा को घर में बिताए जाने वाले हर एक दिन के लिए बिग बॉस के मेकर्स 5 लाख 40 हजार रुपए देंगे। ऐसे में वो हर हफ्ते 37 लाख 80 हजार रुपए चार्ज करने वाली हैं। बिग बॉस के मेकर्स ने निया शर्मा के साथ महज 15 दिनों का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है।

ये कंटेस्टेंट भी ले सकते हैं बिग बॉस 18 में एंट्री

पॉपुलर टीवी शो कुंडली भाग्य एक्टर धीरज धूपर का शो में एंटर होना तय माना जा रहा है। वहीं एक्ट्रेस सुरभि ज्योति, ये जादू है जिन का एक्टर शहजाद धामी, शोएब इब्राहिम और नायरा बनर्जी भी शो में एंट्री ले सकते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो बॉलीवुड एक्ट्रेस समीरा रेड्डी, उर्मिला मातोंडकर और शिल्पा शिरोडकर को भी शो का हिस्सा बनने के लिए अप्रोच किया गया है।

रोड एक्सीडेंट में खराब हुआ था महिमा का चेहरा

बोलीं, मैंने अजय देवगन से कहा था कि इसे सीक्रेट रखें; डर था कि इंडस्ट्री बायकॉट कर देगी

महिमा चौधरी इन दिनों अपनी कमबैक फिल्म द सिग्नेचर की तैयारी में बिजी हैं। इस फिल्म से वे आठ साल बाद फिल्मों में वापसी करेंगी। इसी बीच महिमा ने एक इंटरव्यू में 1999 में फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के दौरान हुए रोड एक्सीडेंट के बारे में बात की है।

महिमा फिल्म 'दिल क्या करे' की शूटिंग के आखिरी दिन जब लोकेशन पर जा रही थीं तभी उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में महिमा के चेहरे पर काफी चोट आई थी।

महिमा ने कहा कि एक्सीडेंट के बाद उन्होंने अपने को-स्टार अजय देवगन और डायरेक्टर प्रकाश झा से गुजारिश की थी कि वो इस बात को सीक्रेट रखें, नहीं तो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री बायकॉट कर देगी। महिमा ने कहा, जब मेरा एक्सीडेंट हुआ, मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि मेरे फेस पर कितने कट्स लगे हैं। एक दिन

मैंने खुद को बाथरुम के मिरर में देखा। उससे पहले मैं प्रकाश झा से कह रही थी कि चलिए शूटिंग करते हैं क्योंकि डॉक्टर्स मुझे देख चुके थे। उन्होंने कहा कि नहीं अभी रुको। फिर मैंने जब अपना फेस देखा तो मुझे समझ आया कि मेरा चेहरा काफी खराब हो गया है। फिर मैंने अजय देवगन और प्रकाश जी से कहा कि प्लीज इसके बारे में किसी को नहीं बताना कि मेरे साथ ये सब हो गया है। मैं देखती हूं कि इस सबके साथ मैं कैसे अपना करियर बचा पाऊंगी। फिल्म के प्रोडक्शन में लगे किसी भी व्यक्ति ने ये बात किसी से शेयर नहीं की।20 साल बाद जब मैंने ये कहानी शेयर की तो लोगों को पता चला।

महिमा ने आगे कहा, वो बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैं तब काफी यंग थी। अजय मुझे बार-बार समझाते थे कि सर्जरी के बाद सब ठीक हो जाएगा लेकिन मैं उनकी बात नहीं सुनती थी। मैं अन्य करियर ऑप्शन के बारे में सोचने लगी थी। आज भी मेरी एक आंख दूसरी आंख से छोटी है। मैं तब से कैमरा सामने से फेस नहीं करती, हमेशा कोई एंगल से अपना चेहरा छुपाने की कोशिश करती हूं।

1997 से 2002 तक महिमा का करियर बेहतरीन रहा। इस पीरियड में उन्होंने परदेस, दाग: द फायर, धड़कन और कुरुक्षेत्र जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। लेकिन इसके बाद उनकी ज्यादातर फिल्में फ्लॉप रहीं और 2006 के बाद वे स्क्रीन से लगभग गायब हो गईं। 2006 में बॉबी मुखर्जी से शादी करने के बाद 2007 में महिमा ने बेटी को जन्म दिया था। इसके करीब 4 साल बाद यानी 2011 में महिमा और बॉबी सेपरेट हो गए। 2013 में दोनों का तलाक भी हो गया।

पत्नी सुनीता ने बताया आज मिल सकती है गोविंदा को अस्पताल से छुट्टी?

अभिनेता गोविंदा के प्रशंसक और शुभचिंतक उनकी सेहत को लेकर फिक्रमंद हैं। मंगलवार की सुबह दुर्घटनावश अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर की गोली लगने के चलते अभिनेता घायल हो गए, जिसके बाद अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। फैंस जानना चाहते हैं कि उनकी सेहत अब कैसी है और अस्पताल से कब छुट्टी मिलेगी? आज गुरुवार को अभिनेता की पत्नी सुनीता ने गोविंदा की सेहत का हाल बताया है। सुनीता आहूजा ने कहा, 'गोविंदा की तबीयत अभी बहुत ठीक है। आज या कल में छुट्टी मिल जाएगी'। सुनीता आहूजा ने कहा, 'बहुत संभव है कि कल तक छुट्टी मिल जाएगी।' उन्होंने मीडिया और प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। सुनीता आहूजा से जब पूछा गया कि गोविंदा नवरात्रि बहुत मानते हैं और आज पहला दिन है। इस पर सुनीता आहूज ने कहा, 'देखिए नवरात्रि के पहले मैं अभी दिन पूजा-पाठ करके आई हूं। उनके लिए भी करके आई हूं'। गोविंदा का हेल्थ अपडेट देते हुए सुनीता आहूजा काफी हंसती-मुस्कुराती नजर आईं। उनका अंदाज देखकर भी यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि गोविंदा अब ठीक हो रहे हैं।

एनटीआर के एक्शन अवतार 'देवरा' की कमाई पहुंची 200 करोड़ पार

जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' पहले वीकेंड में दमदार शुरुआत के बाद, वर्किंग डेज में बॉक्स ऑफिस पर ठंडी पड़ती नजर आने लगी थी। सोमवार, मंगलवार को फिल्म का कलेक्शन बहुत तेजी से कम हुआ, मगर अब बुधवार को एक बार फिर 'देवरा' की कमाई में सॉलिड जंप आया है।

बुधवार को गांधी जयंती का नेशनल हॉलिडे होने से 'देवरा' को बड़ा फायदा मिला और फिल्म को सोमवार-मंगलवार से ज्यादा ऑडियंस मिली। इसका फायदा फिल्म के कलेक्शन पर नजर आया और 'देवरा' को 20 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन वाला एक और दिन मिल गया। देवरा ने मंगलवार को इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 14 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। बुधवार की ट्रेड रिपोर्ट्स बताती हैं कि फिल्म को छठे दिन बॉक्स ऑफिस पर ऑलमोस्ट 50% का जंप मिला है। अनुमान कहते हैं कि बुधवार को फिल्म ने 21 करोड़ रुपये के करीब नेट कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लिया है। जूनियर एनटीआर की फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 220 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है।

हिंदी वर्जन से 'देवरा' को मिल रही फायर

एनटीआर तेलुगू इंडस्ट्री के बड़े स्टार्स में से एक हैं और इस इंडस्ट्री में स्टार्स का फैनडम एक अलग ही लेवल पर चलता है। इसलिए पहले वीकेंड फिल्म ने जो 160 करोड़ रुपये से ज्यादा नेट कलेक्शन किया, उसमें बड़ा हिस्सा फिल्म के तेलुगू वर्जन से आया था।

मगर सोमवार से 'देवरा' का हिंदी कलेक्शन दमदार होने लगा। उत्तर भारत के हिंदी मार्किट में एनटीआर की पॉपुलैरिटी कमाल कर रही है और लोग 'देवरा' के लिए थिएटर्स जा रहे हैं। अनुमान कहते हैं कि बुधवार को फिल्म ने जो 21 करोड़ कमाए हैं उसमें लगभग 8-9 करोड़ रुपये का शेयर 'देवरा' के हिंदी वर्जन से आया है। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 'देवरा' ने 350 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है और इस साल की सबसे बड़ी इंडियन फिल्मों में से एक बन गई है। ।

जूनियर एनटीआर की फिल्म गुरुवार को थिएटर्स में पहला हफ्ता पूरा कर लेगी और इस हफ्ते भी इसके सामने कोई बड़ी फिल्म नहीं रिलीज हो रही। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि वर्किंग डेज में धीमी पड़ रही 'देवरा' बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन जुटा पाती है।

अमिताभ बच्चन ने खुद को बताया 'आधा सिख', माता-पिता की इंटरकास्ट मैरिज पर की खुलकर बात

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने अपनी अभिनय से हिंदी सिनेमा में एक विशाल लकीर खींची है। उनकी अभिनय प्रतिभा के सभी कायल है। इस समय अभिनेता 'केबीसी 16' को होस्ट करते दिखाई दे रहे हैं। अमिताभ बच्चन ने माता-पिता की इंटरकास्ट शादी पर खुलकर बात की है। यही नहीं, अभिनेता ने खुद को आधा सिख भी बताया है। आइए जानते हैं कि बिग बी ने क्या कहा है।

पेरेंट्स की इंटरकास्ट मैरिज पर बोले बिग बी

केबीसी 16 के हालिया एपिसोड में अमिताभ ने कहा, मुझे इसे इंटरकास्ट कहना थोड़ा अजीब लगता है। मेरे पिता उत्तर प्रदेश से थे और मेरी मां एक सिख परिवार से थीं। मेरा मानना है कि मैं आधा सरदार हूं। जब मैं पैदा हुआ, तो मेरी मामी कहती थीं, ' किन्ना सोना पुत्तर है, साड्डा अमिताभ सिंह।

गोपनीय तरीके से हुई थी शादी

वही, जया बच्चन के पिता तरुण कुमार भादुड़ी ने 1989 में इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया में अमिताभ और जया की शादी की कहानी सुनाई थी। उन्होंने बताया कि अमिताभ ने उन्हें मुंबई बुलाया था, लेकिन उन्हें तुरंत

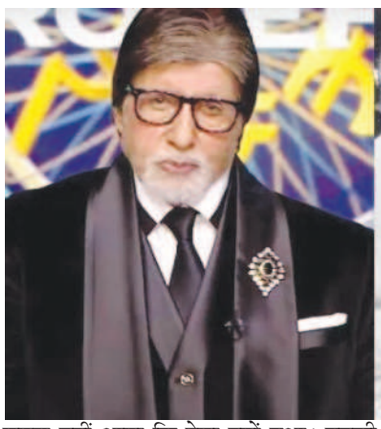

समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों हुआ। उनकी पत्नी ने उन्हें बताया कि अमिताभ और जया ने शादी करने का फैसला किया है। शादी का आयोजन पूरी गोपनीयता के साथ जल्दी से किया गया था।

जया बच्चन के पिता ने साझा की थी शादी की जानकारी

जया के पिता ने लिखा था, अब इस बात की पूरी जानकारी देने का कोई मतलब नहीं है कि कैसे पूरे मामले को गुप्त रखा गया और शादी हमारे परिवार के दोस्तों, पंडितों के मालाबार हिल स्थित फ्लैट में तय की गई। लेकिन इसमें कुछ और भी है। हालांकि, उनकी पत्नी चाहती थी कि यह शादी बंगाली परंपराओं के अनुसार हो। उन्होंने लिखा, बंगाली विवाह आमतौर पर लंबा चलने वाला लेकिन बेहद दिलचस्प मामला होता है। अमित ने सभी रस्में पूरी कीं, किसी को नाराज नहीं किया और समारोह अगली सुबह तक चलता रहा।

फिल्म /टीवी

खत्म हुई 'तारक मेहता' से 'सोनू' की जर्नी, टूटे सपने-दुखा दिल

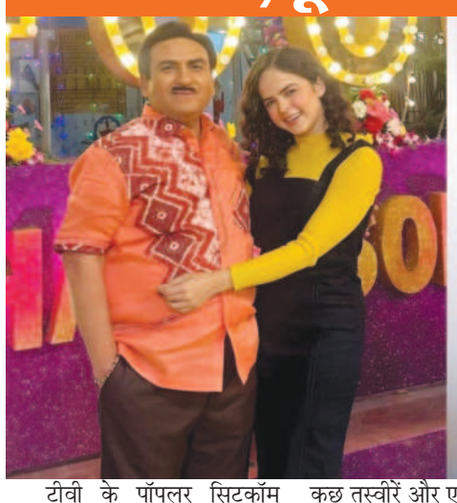

टीवी के पॉपुलर सिटकॉम 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से सोनू भिड़े उर्फ पलक सिंधवानी ने क्विट कर दिया है. दरअसल, पिछले दिनों खबर आई थी कि पलक ने बिना प्रोड्यूसर्स को बताए, कुछ ऐसा शूट किया, जिसके लिए वो एलीजिबल नहीं थीं. प्रोड्यूसर्स ने पलक शो छोड़ने के लिए कहा. हालांकि, इस पूरे वाकया के बारे में उस समय पलक को कोई आइडिया नहीं था. बाद में जब पलक ने शो के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी से बात की तो खबरें आने लगीं कि एक्ट्रेस शो छोड़ेंगी.

खुश नहीं थीं पलक

फिर पलक ने मीडिया संग बातचीत में प्रोड्यूसर्स पर काफी गंभीर आरोप लगाए. उनका कहना था कि वो लोग पलक का मानसिक शोषण कर रहे हैं. उन्हें टॉर्चर किया जा रहा है. पर अब फाइनली पलक ने शो छोड़ दिया है. उन्होंने शो में अपने आखिरी एपिसोड का शूट कर लिया है. इसी के साथ पलक ने कुछ तस्वीरें और एक स्पेशल पोस्ट शेयर किया है, जिसे उन्होंने को-एक्टर्स को डेडीकेट किया है.

पलक ने शेयर की पोस्ट

पलक ने दिलीप जोशी, आत्माराम भिड़े और टप्पू सेना के साथ भी फोटोज शेयर की हैं. पलक ने पोस्ट में लिखा है- सेट पर मेरा लास्ट डे था और मैंने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की. बीते 5 सालों की मेरी मेहनत, हार्डवर्क और डेडीकेशन मैं अपने साथ लेकर यहां से निकल रही हूं. मेरी इस जर्नी में मुझे जो ऑडियन्स का प्यार और सपोर्ट मिला है, उसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं.

इस जर्नी के लिए मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं. बहुत शानदार लोगों के साथ मैंने काम किया, जिसमें मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और करने को भी. मैंने सिर्फ अपने को-स्टार्स से ही नहीं सीखा, बल्कि बिहाइंड द सीन मौजूद लोगों से भी बहुत कुछ सीखा है. स्पॉट टीम के लोगों से, हेयरस्टाइलिस्ट से, मेकअप टीम और सबसे कुछ न कुछ मैंने सीखा ही है.

करोड़पति एक्टर से निकाह, क्या मिले तोहफे ?

हमारा गुडबाय काफी इमोशनल था. कुछ लोगों की आंखें नम हो गई थीं. एक टीम के रूप में जो हम लोगों ने मेमोरीज बनाई, मैं उन्हें संजोकर रखूंगी. मैं अब थोड़े समय का ब्रेक लूंगी, जिससे मैं अपनी नॉर्मल लाइफ में लौट सकूं. रिलैक्स करूंगी और खुद को रीचार्ज भी, जिससे मैं और भी स्ट्रॉन्ग बनकर दोबारा वापसी करूं. मैं अपने दूसरे चैप्टर के लिए तैयार हूं.

बतौर एक्टर, सेट पर आने का मतलब होता है, हर चीज को साइड रखकर अपनी परफॉर्मेंस को देना और अपना बेस्ट देना और मैंने अपने फाइनल शूट तक यहीं डेडीकेशन रखा है. आखिरी बार आप शो में मेरी डांस परफॉर्मेंस देखेंगे, जिसके लिए मैं भी बहुत एक्साइटेड हूं.

फिल्म इंडस्ट्री से रिटायरमेंट लेंगे किंग खान? सवाल पर शाहरुख ने की धोनी से खुद की तुलना

शाहरुख खान बॉलीवुड के वो अभिनेता हैं, जिनके प्रशंसक ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व भर में हैं। अपने अभिनय और अनोखे अंदाज के चलते उन्होंने अपनी कभी ना मिटने वाली पहचान बना ली है। अब हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में फिल्म निर्माता करण जौहर ने अभिनेता से उनके रिटायरमेंट प्लान के बारे में पूछा। इस पर अभिनेता का जवाब फैंस का दिल जीत रहा है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।

रिटायरमेंट प्लान को लेकर क्या बोले किंग खान

बातचीत के दौरान शाहरुख खान ने बताया कि कैसे सचिन तेंदुलकर , सुनील छेत्री और रोजर फेडरर जैसे दिग्गज खिलाड़ी खेल से हटने का सही समय जानते हैं। निर्देशक करण जौहर ने फिर मजाकिया अंदाज में शाहरुख से पूछा कि जब वह भी एक दिग्गज हैं तो वह रिटायरमेंट के बारे में क्यों नहीं सोचते। शाहरुख ने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए कहा, इस मामले में मैं धोनी जैसा हूं, हम ना ना करके भी 10 आईपीएल खेल जाते हैं ।

शाहरुख ने बताया था खुद को एक्टर्स की सीलिंग

वही, इससे पहले एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? इस पर शाहरुख ने जवाब दिया, हो ही नहीं सकता ना, क्योंकि मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता। मैं एक्टर्स की सीलिंग हूं, दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं।

इस फिल्म में नजर आएंगे

शाहरुख

वर्कफ्रंट की बात करें को शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' शुरू करने के लिए तैयार हैं। सुजॉय घोष निर्देशित यह फिल्म जनवरी में फ्लोर पर आएगी और इसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी होंगी। खबर है कि टीम शाहरुख के जन्मदिन 2 नवंबर को एक वीडियो टीजर के साथ फिल्म की घोषणा कर सकती है।

कपिल शर्मा पर भड़के मुकेश खन्ना, शो को बताया 'वल्गर'

मुकेश खन्ना, मनोरंजन की दुनिया के काफी टैलेंटेड एक्टर्स में शुमार हैं. अपनी एक्टिंग स्किल्स के दम पर इन्होंने दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाई है. 'शक्तिमान' जैसे सुपरहीरो की छवि इनकी 90 के दशक के लोगों के बीच बनी हुई है. मुकेश कभी भी अपनी बात को घुमा-फिराकर रखने पसंद नहीं करते. वो जो भी कहते हैं, एकदम सीधा तौर पर बोलते हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश खन्ना ने कपिल शर्मा को 'असभ्य' बताया. साथ ही उनके शो को 'वल्गर' का टैग दिया.

मुकेश खन्ना से इंटरव्यू में पूछा गया कि वो क्यों 'द कपिल शर्मा शो' और 'बिग बॉस' जैसे शो का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं. इसपर अपनी बात रखते हुए मुकेश खन्ना ने कहा- कपिल एक शानदार कॉमेडियन, इसमें कोई दोराय नहीं. बस मेरी वाइब्रेशन्स उनके साथ मैच नहीं करती हैं. मैंने कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक से ये बात कही भी कि मैं कपिल शर्मा के साथ कम्फर्टेबल महसूस नहीं करता हूं. मुझे दोनों ही शो काफी 'वल्गर' लगते हैं.

'कॉमेडी सर्कस' में ये लोग एक स्किट परफॉर्म करते थे. कपिल ने उसमें 'शक्तिमान' का कॉस्ट्यूम पहना. कपिल के सामने एक लड़की थी. साइड में एक बेड रखा था. मैंने कहा कि ये क्या तरीका है. हमने इस किरदार को इतने अच्छे से बनाया और तुम बेड के पास 'शक्तिमान' का कॉस्ट्यूम पहनकर क्या दिखाना चाह रहे हो.

आप ये सब सिर्फ कॉमेडी के लिए कर रहे हो. मैं कृष्णा को कॉल की और पूछा. उसने कहा कि ये एक्ट वो करने वाला था, पर फिर कपिल ने इसे किया. इसी इंटरव्यू में मुकेश ने एक और वाकया याद किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कपिल के साथ वो कम्फर्टेबल महसूस नहीं कर रहे थे. मुकेश ने कहा, ₹मैं और कपिल एक साथ एक ही इवेंट में आए. कपिल ने उस समय अपने करियर की शुरुआत की ही थी. कपिल, मेरे बराबर में 15-20 मिनट तक बैठा रहा और उसने मुझे ग्रीट तक नहीं किया.

उसने अपना अवॉर्ड लिया और चला गया. कपिल मुझे बहुत असभ्य लगता है. जब कोई इस तरह बर्ताव करता है तो वो अपनी इज्जत गंवा चुका होता है. आप खुद को इतना बड़ा क्या ही समझते हो?

बता दें कि कपिल शर्मा अपना कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स पर लेकर आए हैं. हर एपिसोड में जाने-माने सेलेब्स आते हैं और हंसी के ठहाके लगाते हैं. कपिल हर नए एपिसोड में कुछ अलग और नया करते दिखते हैं. पर मुकेश खन्ना को ये सब पसंद नहीं.

दिलजीत-वरुण धवन के 'बॉर्डर 2' में शामिल होने पर जेपी दत्ता ने तोड़ी चुप्पी

दिग्गज फिल्म निर्माता जेपी दत्ता ने 1997 में बॉर्डर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी थी। जेपी दत्ता द्वारा निर्देशित इस वॉर ड्रामा में सनी देओल, सुनील शेट्टी और कई अन्य कलाकार मुख्य किरदारों में थे। बॉर्डर की रिलीज के दो दशक से अधिक समय बाद वरिष्ठ फिल्म निर्माता इसके सीक्वल के साथ वापस आ गए हैं। इस बार वह बॉर्डर 2 के निर्माता के रूप में काम करेंगे, जिसका निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। हाल ही में अनुभवी फिल्म निर्माता ने वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के बॉर्डर 2 की स्टार कास्ट में शामिल होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

फिल्म का निर्देशन क्यों नहीं कर रहे जेपी दत्ता

जेपी दत्ता ने बॉर्डर की सफलता पर बात की और इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा मील का पत्थर बताया। फिल्म

निर्माता ने कहा कि इस फिल्म ने उन्हें अमरता सुनिश्चित की है। बॉर्डर 2 के बारे में बात करते हुए जेपी दत्ता ने खुलासा किया कि वह फिल्म का निर्देशन क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी भी ऐसी कोई फिल्म निर्देशित नहीं की है, जो मैंने लिखी न हो। मैं हमेशा से ही लेखक-निर्देशक रहा हूं। यह कहानी निधि ने लिखी है।' निर्देशक अनुराग सिंह बॉर्डर के सीक्वल का निर्देशन करने के लिए तैयार हैं।

वरुण ने लिखा था भावुक नोट

सनी के साथ फिल्म में नई पीढ़ी के अभिनेताओं के शामिल होने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सनी के साथ यह हमेशा से ही एक स्वप्निल सफर रहा है और अब नए खून वाले वरुण और दिलजीत सशस्त्र बलों के प्रसिद्ध नायकों की भूमिका निभा रहे हैं तो यह शानदार होगा।' 23 अगस्त को वरुण ने जेपी दत्ता की बॉर्डर 2 में शामिल होने पर एक भावुक नोट लिखा था। बॉलीवुड अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में फिल्म निर्माता के लिए विशेष नोट साझा किया था। उन्होंने लिखा था, 'जेपी दत्ता सर की युद्ध महाकाव्य आज भी मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है। जेपी सर और भूषण कुमार द्वारा निर्मित बॉर्डर 2 में भूमिका निभाना मेरे करियर का एक बहुत ही खास पल है। और मुझे अपने हीरो सनी पाजी के साथ काम करने का मौका मिला, जिससे यह और भी खास हो गया है।' भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता द्वारा निर्मित 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

निर्देशक सुजॉय घोष ने की आलिया भट्ट के अभिनय की तारीफ

अभिनेत्री आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म 'जिगरा' 11 अक्टूबर 2024 सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आलिया भट्ट की इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस ट्रेलर को प्रशंसको का बहुत सारा प्यारा मिला है। प्रशंसकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री की ओर से फिल्म को बहुत सारा प्यार मिला है। इस फिल्म को लेकर अब सुजॉय घोष ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद उन्होंने आलिया भट्ट की तारीफ की है।

अपने ट्विटर अकाउंट पर सुजॉय घोष ने लिखा आपने जिगरा का ट्रेलर देखा न? आलिया भट्ट को इस अवतार में देखकर काफी अच्छा महसूस हुआ। निर्देशक सुजॉय घोष की ओर से आलिया की तारीफ को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया है। सुजॉय घोष को 'कहानी', 'कहानी 2', 'लस्ट स्टोरीज', 'कहानी', 'बदला' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

प्रशंसकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

आलिया की तारीफ के बाद इस पोस्ट पर आलिया भट्ट के प्रशंसकों ने भी कमेंट किए हैं। एक व्यक्ति ने कहा, 'जिस तरह से हर कोई उनसे प्रभावित है'। जबकि दूसरे ने लिखा, 'आलिया भट्ट अभिनीत सुजॉय घोष की फिल्म कब? यह चाहत नहीं बल्कि जरूरत है'। एक उपयोगकर्ता ने कहा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद सर और हां हम आलिया भट्ट के साथ एक ही समय में मौजूद होने के लिए आभारी हैं'। अन्य यूजर ने कहा, वह हर चीज में अद्भुत हैं. मैं उनसे प्यार करता हूं। एक अन्य यूजर ने लिखा हम आलिया को इस फिल्म में देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन दिन भर में फूंक डालते थे 200 सिगरेट पी लेते थे हाथ आई हर शराब, इस वजह से छोड़ दिया सब

अमिताभ बच्चन आज किसी भी तरह का नशा नहीं करते. शराब को हाथ भी नहीं लगाते. सिगरेट की तरफ देखते भी नहीं. मगर ऐसा हमेशा नहीं था. एक वक्त था जब वो इतनी सिगरेट पीते थे कि आंकड़ा सुनने वालों को यकीन न हो. वो नॉन वेज भी खूब खाते थे. मगर एक दिन उन्होंने सारी आदतें बदल लीं.

हिंदी सिनेमा के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन आज किसी भी तरह का नशा नहीं करते. शराब को हाथ भी नहीं लगाते. सिगरेट की तरफ देखते भी नहीं. मगर ऐसा हमेशा नहीं था. एक वक्त था जब वो इतनी सिगरेट पीते थे कि आंकड़ा सुनने वालों को यकीन न हो.

शराब के लिए उनका प्रेम जब पीक पर था, तो वो हाथ लगने वाली हर शराब पी लेते थे. और उन्हें नॉन-वेज खाने से भी कोई परहेज नहीं था. मगर फिर सब बदल गया. 1980 में एक इंटरव्यू में अमिताभ ने बताया था कि उन्होंने कैसे ये सारी आदतें बदल दीं. उन्होंने कहा था किये सब छोड़ने की वजह उनका धार्मिक होना नहीं था.

अपने पुराने इंटरव्यू में अमिताभ इस बारे में बात कर रहे थे कि उन्हें विदेशों में शूट के दौरान वेजिटेरियन खाना खोजने में बहुत मुश्किल होती थी. उन्होंने बताया था कि उनकी मां तेजी बच्चन और पत्नी जया बच्चन भी मीट खाती थीं इसलिए उन्हें कभी इस बात को लेकर कोई हिचक नहीं रही.

अमिताभ ने बताया, 'मैं स्मोक नहीं करता, शराब नहीं पीता या मीट नहीं खाता. हमारे परिवार में मेरे पिता वेजिटेरियन थे और मां नहीं थीं. इसी तरह, जया मीट खाती हैं और मैं नहीं.' इसके बाद अमिताभ ने बताया कि वो हमेशा से ऐसे नहीं थे. उन्होंने बताया, 'मैं मीट खाया करता था- बल्कि मैं शराब भी पीता था और स्मोकिंग भी करता था मगर मैंने अब सब छोड़ दिया है. कलकत्ता में मैं एक दिन में 200 सिगरेट पीता था- जी हां, ये सच बात है, 200 ! लेकन फिर बॉम्बे आने के बाद मैंने सब छोड़ दिया. मैं शराब भी पीता था- कुछ भी, हम वो सब पी लेते थे जो

हमारे हाथ लग जाता था. लेकिन कुछ साल पहले मैंने तय किया कि मुझे ये सब नहीं करना है. मेरी आदतों की वजह से मुझे कोई समस्या नहीं होती थी सिवाय तब, जब मैं विदेश में शूटिंग कर रहा होता था. तब वेजिटेरियन खाना खोजना मुश्किल हो जाता है.'

'एंग्री यंग मैन' इमेज को स्क्रीन पर आइकॉनिक बना देने वाले अमिताभ ने इसी इंटरव्यू में बताया था कि वो अहिंसक हैं. हालांकि, उन्होंने माना कि जवानी के दिनों में वो कई बार भड़क जाया करते थे. अमिताभ ने बताया, 'मुझे नहीं लगता कि मैं खुद हिंसक हूं. ना ही मैं जल्दी भड़कता हूं. कॉलेज के दिनों में ऑफकोर्स मैंने कुछ लड़ाईयां की हैं लेकिन बस उतनी ही हैं. स्क्रीन की हिंसा बहुत अनरियल होती है. ये फैंटास्टिक लगने के लिए होती है और लोग इसे स्वीकार भी इसी तरह करते हैं.'

जया बच्चन के पिता, अपने दौर के जानेमाने जर्नलिस्ट तरुण कुमार भादुड़ी ने इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया के एक आर्टिकल में, 1989 में लिखा था कि उन्हें अमिताभ कैसे लगते हैं. उन्होंने डिटेल में इस बात पर चर्चा की कि क्या अमिताभ स्पेनिश लिटरेचर के आइकॉनिक अय्याश किरदार, डॉन युआन की तरह हैं? तरुण ने लिखा, 'फैक्ट ये है कि बिल्कुल इससे उल्टे हैं. अमित (अमिताभ) रियल लाइफ में एक इंट्रोवर्ट हैं. वो तभी बोलते हैं जब जरूरत होती है. उनमें गैर जरूरी उत्साह भी नहीं है.'

अमिताभ के ससुर ने आगे लिखा, 'अमनी इमेज के बावजूद, अमिताभ वेजिटेरियन हैं, शराब और सिगरेट नहीं पीते. और ये उन्होंने अपनी चॉइस से छोड़ा है, इन सब बातों में किसी विश्वास की वजह से नहीं. लेकिन वो बहुत सेंसिटिव आदमी भी हैं जो बहुत जल्दी हर्ट हो जाते हैं. वो अपनी पसंद और नापसंद को लेकर बहुत पक्के हैं और उनके दोस्तों का सर्कल बहुत छोटा है. वो पार्टियों में बहुत कम जाते हैं.'

तरुण कुमार भादुड़ी ने ये भी बताया था कि उन्हें अमिताभ 'धार्मिक' लगते हैं लेकिन 'सनकी नहीं.' उन्होंने लिखा था, 'वो हर सुबह गीता पढ़ते हैं और अपना सितार बजाते हैं. अपने आराम के समय में वो अपना वक्त किताबों में लगाते थे, जो उनके पास बहुत थीं.

जब धूम 4 में काम करने को लेकर रणबीर से किया गया सवाल, अभिनेता ने दिया था ये जवाब

रणबीर कपूर की सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। उनकी पिछली फिल्म एनिमल बॉक्स ऑफिस पर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म के बाद वह रामायण में नजर आने वाले हैं। चर्चा है कि वह धूम फ्रेंचाइजी की अगली किस्त में भी नजर आने वाले हैं। इस फ्रेंचाइजी का एक अपना अलग दर्शक वर्ग है। धूम के तीनों भाग बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त हिट रहे हैं। वहीं, चौथे भाग से भी लोगों को काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस फिल्म की हो रही लगातार चर्चाओं के बीच आज के थ्रोबैक थर्सडे में हम आपको रणबीर और धूम 4 से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा बताने जा रहे हैं।

धूम 3 को पर्दे पर आए 11 साल हो गए हैं। इस फिल्म के बाद समय-समय पर धूम 4 को लेकर सोशल मीडिया में खूब चर्चाएं हुईं। इस फिल्म में कभी शाहरुख खान के काम करने तो कभी अक्षय कुमार को कास्ट किए जाने के कयास लगे। साल 2023 आते-आते सोशल मीडिया पर

चर्चा यह होने लगी कि फिल्म में रणबीर कपूर ग्रे शेड भूमिका में दिखेंगे। उस समय जब एक साक्षात्कार के दौरान रणबीर कपूर से धूम 4 में काम करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा था कि वह इस तरह की फिल्मों में काम करना पसंद करेंगे। सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था, काश मैं आदित्य चोपड़ा होता तो आपके सवालों का जवाब दे पाता। धूम 4 या इस तरह की किसी फिल्म में काम करने में मुझे अच्छा लगेगा।

उस बातचीत में उन्होंने आगे यह भी कहा था कि अभी उन्हें इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। इस बात को अब एक साल हो गए हैं। ताजा अपडेट के अनुसार रणबीर कपूर इस फिल्म का हिस्सा होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी करेंगे। अयान और रणबीर एक साथ वेक अप सिड, ये जवानी है दीवानी और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

मुश्किल में गौतम अडानी की 'दुधारू गाय' समेत 14 कंपनियां, इजरायल से है कनेक्शन

नई दिल्ली,3 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान के इजरायल पर 180 से अधिक मिसाइल दागे जाने के कारण पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। भारतीय शेयर बाजार पर आज इसका व्यापक असर देखने को मिला। सेंसेक्स में 1,800 से अधिक अंकों की गिरावट आई और एक झटके में निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये फुर्र हो गए। कम से कम 14 लिस्टेड भारतीय कंपनियों का इजरायल के साथ कनेक्शन है। इनमें गौतम अडानी की कंपनी अडानी पोर्ट्स भी शामिल है। इस कंपनी का अडानी ग्रुप का कैश काऊ माना जाता है। हालांकि ईरान और इजरायल के बीच तनाव से इन कंपनियों पर ज्यादा असर होने की आशंका नहीं है। इजरायल में हाइफा पोर्ट का मालिकाना हक अडानी पोर्ट्स के पास है। गुरुवार को इसका शेयर

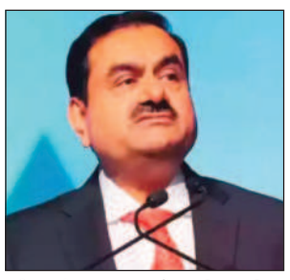

बीएसई पर 3% से अधिक गिर गया। कारोबार के दौरान यह 1414.25 रुपये तक आ गया था। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,607.95 रुपये है। अडानी ग्रुप ने जॉइंट वेंचर में इजरायल के हाइफा पोर्ट को खरीदा था। साल 2054 तक अडानी ग्रुप के जॉइंट वेंचर को इस पोर्ट को ऑपरेट करने की जिम्मेदारी मिली है। इस जॉइंट वेंचर में 70 फीसदी की हिस्सेदारी अदानी पोर्ट के पास है और 30 फीसदी की मालिक इसराइली की केमिकल और लॉजिस्टिक कंपनी गडौत है।

इजरायल से संबंध

इसी तरह इजरायल की तारो फार्मास्युटिकल में बहुलांश हिस्सेदारी रखने वाली सन फार्मास्युटिकल का शेयर भी सपाट कारोबार कर रहा है। जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनी डॉ. रेड्डीज और ल्यूपिन पर भी निवेशकों की नजर है। इसकी वजह यह है कि इन कंपनियों का इजरायल की अग्रणी दवा कंपनी टेवा फार्मास्युटिकल के साथ नाता है। खनन कंपनी एनएमडीसी और आभूषण निर्माता कल्याण ज्वैलर्स और टाइटन का भी इजरायल से संबंध है।टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, टेक महिंद्रा और इन्फोसिस जैसी प्रमुख आईटी कंपनियों के अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और लार्सन एंड टुब्रो की भी इजरायल में मौजूदगी है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के डॉ. वी के विजयकुमार ने कहा कि निवेशकों को उभरती स्थिति पर बहुत बारीकी से नजर रखनी चाहिए। फार्मा और एफएमसीजी जैसे रक्षात्मक पोर्टफोलियो में आंशिक बदलाव के बारे में भी सोचा जा सकता है। जानकारों का कहना है कि अगर इजरायल ईरान के तेल ठिकानों को निशाना बनाता है, तो इससे कच्चे तेल की कीमत में और उछल आ सकता है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड वायदा 1% से अधिक बढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। युद्ध का असर पेंट और टायर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर भी पड़ सकता है जो कच्चे तेल का इस्तेमाल कच्चे माल के तौर पर करती हैं। गुरुवार को एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स के शेयरों में 3-4% की गिरावट आई। इसी तरह अपोलो टायर्स में 4%, एमआरएफ में 2% और जेके टायर में 3% की गिरावट आई।

वृद्धि दर संभावित उत्पादन से अधिक होने के कारण नीतिगत दरों में कटौती की संभावना नहीं, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)।भारत में मजबूत आर्थिक वृद्धि होने के कारण रिजर्व बैंक की ओर से आगामी मौद्रिक नीति समिति की बैठक में दरों में कटौती के एलान की संभावना नहीं है। भारतीय स्टेट बैंक ने एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट बताती है कि केंद्रीय बैंक के निर्णयों को प्रभावित करने वाले प्राथमिक कारक घरेलू आर्थिक स्थितियां हैं। भारत में मजबूत आर्थिक वृद्धि दिख रही है, यह संभावित रूप से इसके दीर्घकालिक संभावित उत्पादन से अधिक है। ऐसे में दरों को बनाए रखने का पलड़ा भारी है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दरों को कम करने के बजाय वर्तमान दरों पर बनाए रख सकता है। एसबीआई की रिपोर्ट ने यह भी संकेत दिया है कि केंद्रीय बैंक अमेरिका में फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती के निर्णय का अनुसरण नहीं करेगा। इसके बजाय, आरबीआई विकसित घरेलू आर्थिक स्थिति के आधार पर एक स्वतंत्र दृष्टिकोण अपना सकता है। आरबीआई अपनी मौद्रिक नीति के रुख को तय करते समय स्थानीय कारकों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकता है।इसके अलावा, रिपोर्ट ने भारत की बैंकिंग प्रणाली में ऋण और जमा के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध पर प्रकाश डाला। ऋण वृद्धि जमा वृद्धि को प्रभावित करती है, जिसका अर्थ है कि ऋण मांग में गिरावट भविष्य में जमा में कमी ला सकती है।

इसलिए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि जमा वृद्धि में कमी न आए, ऋण वृद्धि का मजबूत बने रहना महत्वपूर्ण है। यह तभी हो सकता है जब भारत का निवेश चक्र सक्रिय रहे, क्योंकि निवेश ऋण की मांग में इजाफा करता है। व्यवसायों और उद्योगों को विस्तार के लिए बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से अधिक धन प्रवाहित होने से जमा राशि में वृद्धि होती है।

देश में नवरात्रि की धूम से अर्थव्यवस्था को लगे पंख, 10 दिन में होगा 50 हजार करोड़ से अधिक का कारोबार

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)।देश में गुरुवार से नवरात्र का त्योहार प्रारंभ हो गया है। 10 दिन चलने वाले नवरात्रि फेस्टिवल का जहां धार्मिक महत्व है, वहीं इसके चलते जो कारोबार होगा, उससे अर्थव्यवस्था को भी पंख लग जाएंगे। यानी अर्थव्यवस्था में अच्छा खासा उछाल देखने को मिलेगा। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और दिल्ली की चांदनी चौक सीट से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि दिल्ली सहित देश भर में अगले एक महीने तक त्योहारों की धूम रहेगी। 10 दिन के नवरात्र एवं रामलीला, डांडिया एवं गरबा उत्सवों से 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होगा। दिल्ली में ही लगभग 5 हजार करोड़ रुपये के व्यापार होने की उम्मीद है। खंडेलवाल के मुताबिक, नवरात्रि, रामलीला, गरबा तथा डांडिया जैसे उत्सव, जो हर वर्ष देश भर में दस दिन तक मनाए जाते हैं, इनके चलते इस बार देशभर में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। एक अनुमान के अनुसार, अगले दस दिनों में देश भर में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होने की संभावना है। अकेले दिल्ली में ही लगभग 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होगा। इन उत्सवों के दौरान बाजारों में रौनक बढ़ने की उम्मीद है। जहां एक तरफ व्यापारियों को

काफी फायदा होगा तो वहीं दूसरी ओर, लाखों लोगों को अस्थायी रोजगार भी मिलेगा। पिछले वर्ष दस दिन का यह व्यापार लगभग 35 हजार करोड़ रुपये का था।कैट के राष्ट्रीय महामंत्री खंडेलवाल ने बताया कि त्योहारों में खरीदी की विशेष बात यह है कि बिक्री किए जाने वाले अधिकांश उत्पाद, भारतीय ही होंगे। अब लोगों का चीन से बने सामानों से मोहभंग हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 'वोकल फॉर लोकल' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने देश भर में भारतीय सामानों की गुणवत्ता को बढ़ाया है। भारत में बना सामान, अब किसी भी विदेशी सामान से बेहतर है। यही कारण है कि उपभोक्ताओं का रुझान अब भारतीय वस्तुओं की खरीदी पर ही है। देश भर में नवरात्र, रामलीला, गरबा एवं डांडिया जैसे 1 लाख से अधिक छोटे-बड़े कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इनमें विभिन्न प्रकार के धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम शामिल हैं।

रेलवे पर लगा हजारों का जुर्माना

ट्रेन के कैंसिल्ड टिकट का रिफंड नहीं देना पड़ गया महंगा

तिरुनेलवेली,3 अक्टूबर (एजेंसियां)। ट्रेन का टिकट कैंसिल कराने के बाद भी ग्राहक को पैसे वापस नहीं करना रेलवे को महंगा पड़ गया। इस मामले पर सुनवाई करते हुए कंज्यूमर कोर्ट ने रेलवे को 25 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया हे। यही नहीं, पीड़ित को रेलवे की तरफ से मुकद्मेबाजी का खर्च के रूप में भी 5000 रुपये मिलेगा।

कहां का है फैसला

यह फैसला तिरुनेलवेली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की तरफ से आया है। आयोग ने भारतीय रेलवे को केटीसी नगर निवासी को सात साल पहले रद्द किए गए टिकटों के लिए रिफंड जारी नहीं करने पर 25,000 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

क्या है मामला

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तिरुनेलवेली में केटीसी शहर के रहने वाले प्रभु (53) ने सात साल पहले चार यात्रियों के लिए ट्रेन का टिकट बुक कराया था। यह

टिकट तिरुनेलवेली जंक्शन से चेंगलपट्टू और फिर वृद्धाचलम से तिरुनेलवेली तक के लिए था। उन्होंने इन टिकटों के लिए 5,815 रुपये किराया चुकाया था। निजी कारणों से प्रभु को यात्रा रद्द करनी पड़ी। टिकट कैंसिल करते समय उन्हें कैंसिलेशन नियमों के मुताबिक 4,860 रुपये रिफंड का आश्वासन दिया गया था। हालांकि, भारतीय रेलवे से कई बार अनुरोध करने के बावजूद प्रभु को रिफंड नहीं मिला।

कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

रेलवे के व्यवहार से तंग आकर प्रभु ने वकील प्रभाकर के माध्यम से तिरुनेलवेली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का दरवाजा खटखटाया। वहां उन्होंने भारतीय रेलवे के खिलाफ याचिका दायर की। याचिका पर सुनवाई उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष प्लासत ठाकुर और सदस्य कनकसबापति की मौजूदगी में हुई। जांच में पुष्टि हुई कि याचिकाकर्ता को रेलवे अधिकारियों ने धोखा दिया है।

कोर्ट ने दिया यह आदेश

मामले पर सुनवाई के बाद, तिरुनेलवेली जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने रेलवे को प्रभु को मुआवजा देने का आदेश दिया। कोर्ट ने रेलवे को मुआवजे के रूप में 25,000 रुपये और मुकदमेबाजी खर्च के रूप में 5,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। आयोग ने यह भी कहा है कि अगर एक माह के अंदर राशि नहीं दी गयी तो नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।

भारत की वजह से आज इजराइल के पास है हाइफा,जिससे चलती है उसकी इकोनॉमी

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान के ताजा हमले से प्रभावित इजराइल आज की तारीख में कई मोर्चों पर लड़ रहा है. लेकिन एक लड़ाई इजराइल के इतिहास में ऐसी भी रही है, जहां भारत की मदद से उसे एक ऐसा शहर मिला जो आज उसकी इकोनॉमी को चलाने में मददगार है. इस एक शहर की वजह से वह वर्ल्ड ट्रेड में अहम भूमिका निभाता है और आने वाले समय में एक बड़े इकोनॉमिक कॉरिडोर का हिस्सा भी बनने जा रहा है. इजराइल का ये शहर है हाइफा, जो आज की तारीख में एक पोर्ट सिटी है. आने वाले समय में ये 'भारत-पश्चिमी एशिया (मिडिल ईस्ट)-यूरोप आर्थिक गलियारे' का अहम पड़ाव होगा. इस गलियारे की प्लानिंग भारत में हुई जी20 की बैठक में की गई थी. वहीं भारत के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी भी हाइफा के मुख्य पोर्ट में 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश कर रहे हैं।

बिग सी में दशहरा मेला

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में मोबाईल फोन की रिटेल बिक्री में नंबर वन रैंक प्राप्त एवं अपने ग्राहकों को डाउन पेमेंट रहित स्मार्ट टीवी, लैपटाप व एयरकंडीशनरों की बिक्री की सुविधा प्रदान करने में अग्रणी बिग 'सी' है।

बिग सी मोबाइल द्वारा दशहरा त्यौहार के पर ग्राहकों के लिए, आकर्षक धमाका आफर्स जैसे हरेक मोबाईल की खरीदी पर, दस हजार रुपये मूल्य का मोबाइल प्रोटेक्शन मुफ्त एवं हरेक मोबाईल की खरीदी पर दस हजार रुपये तक कैश बैक आफर तथा हरेक मोबाइल की खरीदी पर रु.5,999 मूल्य का उपहार और किसी भी ब्याज तथा डाउन पेमेंट रहित मोबाइल खरीदी करने की सुविधाएं तत्संबंधित आकर्षक धमाका आफर्स की घोषणा की है। उक्त जानकारी बिग 'सी' के फाउण्डर एण्ड सीएमडी एम.बालू चौधरी ने दी है।

दैनिक पंचांग

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-10 सूर्यास्त. -17-58
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 05-30 तक उपरान्त तृतीया
मास - आश्विन शुक्ल , शुक्रवार 04 October
नक्षत्र - चित्रा 18 -37 तक उपरान्त स्वाति
योग - वैधृति 05-20 तक उप विष्कुंभ
करण- बालव 16-15 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - नवरात्रि द्वितीय दिवस

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-00 बजे
चंद्र-	तुला	मे	तुला...	07-04 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	09-14 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	11-28 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	13-34 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	15-24 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	17-02 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-39 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	20-23 बजे
			मिथुन	22-24 बजे
			कर्क--	00-36 बजे
			सिंह---	02-48 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:35 से 12:05 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:10 - 07:37 शुभ	रोग.	17:58 - 19:32 अशुभ
लाभ.	07:37 - 09:06 शुभ	काल.	19:32 - 21:03 अशुभ
अमृत.	09:06 - 10:35 शुभ	लाभ.	21:03 - 22:34 शुभ
काल.	10:35 - 12:05 अशुभ	उत्पात	22:34 - 00:05 अशुभ
शुभ.	12:05 - 13:34 शुभ	शुभ.	00:05 - 01:36 शुभ
रोग	13:34 - 15:03 अशुभ	अमृत	01:36 - 03:06 शुभ
उत्पात	15:03 - 16:32 अशुभ	चंचल.	03:06 - 04:37 शुभ
चंचल	16:32 - 17:58 शुभ	रोग.	04:37 - 06:10 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपको अपने कार्य क्षेत्र की जटिलताओं से बचने के लिए अपने भूतकाल का ज्ञानं काफी मदद करेगा । आपका व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल्दी सोच की क्षमता आपके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी जिससे नए और रोमांचक कैरियर के अवसर नजदीक आयेंगे । आप इस अवसर को न खोये और इसका भरपूर उपयोग करे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपके मालिक केवल वे सुनेंगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप स्वभाव से गंभीर हैं और अपने कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता का फल अब मिलने का समय है । दिन के अंत में प्रमुख वित्तीय लाभ की भी संभावना है जो आपने ईमानदारी और कड़ी मेहनत से अर्जित की है। लेकिन आपको केवल जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपकी लंबित कई प्रतिबद्धताएं है जिन्हे आपको आज आसानी से पूरा करने के लिए समय मिलेगा , हालांकि आप अपने आप को बेचैन , असावधान और सुस्त महसूस करेंगे । परिणाम के रूप में, आपका कार्य लंबित होता जाएगा , क्योकि आपका ध्यान केंद्रित नहीं है, इसलिए एक दिन की छुट्टी ले और आराम करे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपको कुछ छुपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है । यह व्यक्ति आपके साथ मित्रतापूर्ण भाव से आपके साथ काम कर रहा है पर जैसे की इतिहास अपने आप को दोहराता है यह व्यक्ति प्रतिकार कर सकता है या इसके विचार आपसे भिन्न हो सकते है ।आज आपके लिए ये अछा होगा की आप अपने सारे कार्यों का निष्पादन सही समय पर कर ले ताकि काम का कोई बोझ न रहे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ईरान-इजरायल तनाव से भारतीय शेयर बाजार में गिरावट की सुनामी, सेंसेक्स 1770 निफ्टी 550 अंक गिरकर हुआ बंद

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों के लिए गुरुवार 3 अक्टूबर, 2024 का कारोबारी सत्र बेहद निराशाजनक रहा है। बाजार में चौतरफा बिकवाली के चलते आज के कारोबारी सत्र में निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।बैंकिंग, आईटी और ऑटो स्टॉक्स में भारी बिकवाली रही है. बाजार में गिरावट की सुनामी का सामना मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स का भी करना पड़ा है। बाजार में कारोबार के खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 1769 अंकों की गिरावट के साथ 82,497 अंकों पर बंद हुआ है तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 546 अंकों की गिरावट के साथ 25,250 अंकों पर क्लोज हुआ है।

आज के कारोबार में सभी सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट रही। बैंकिंग स्टॉक्स में बड़ी बिकवाली देखी गई. निफ्टी बैंक इंडेक्स में शामिल 12 शेयरों में से 11 गिरावट के साथ बंद हुए जबकि केवल एक शेयर में तेजी देखने को मिली है। निफ्टी बैंक 1077 अंक गिकर क्लोज हुआ है। इसके अलावा ऑटो, आईटी, फार्मा, एनर्जी, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, मीडिया, मेटल्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में बिकवाली देखी गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जोरदार बिकवाली देखने को मिली है. निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1333 अंक गिरकर तो स्मॉलकैप इंडेक्स 378 अंकों गिरकर बंद हुआ है। इंडिया वीआईएक्स 9.84 फीसदी के उछाल के साथ 13.17 अंकों पर क्लोज हुआ है।

निवेशकों के 9.60 लाख करोड़ रुपये खाक

भारतीय शेयर बाजार में तेज बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 465.25 लाख करोड़ रुपये गिरकर आ गया है जो पिछले सत्र में 474.86 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के सत्र में निवेशकों को 9.61 लाख करोड़ रुपये का निवेशकों को नुकसान हुआ है। शेयर बाजार में गिरावट में जिन शेयरों पर सबसे ज्यादा मार पड़ी है उसमें हिंदुस्तान पेट्रोलियम शामिल है जो 6.71 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है इसके अलावा डाबर इंडिया 6.27 फीसदी, जीएमआर एयरपोर्ट्स 5.64 फीसदी, गोदरेज प्रॉपर्टीज 5.57 फीसदी, पावर फाइनेंस 5.37 फीसदी, डीएलएफ 5.35 फीसदी, बीपीसीएल 5.27 फीसदी गिरकर बंद हुआ है। तेजी वाले शेयरों में पेट्रोलनेट एलएनजी 5.91 फीसदी, महामगर गैस 2.81 फीसदी, जिंदल स्टील 1.52 फईसदी, मैरिको 0.78 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है।

डीए, पीएलबी-एडहॉक बोनस जारी न होने से कर्मियों में रोष, केंद्र सरकार कमा रही मोटा लाभ

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी, उत्पादकता से जुड़ा बोनस (पीएलबी) और एडहॉक बोनस जारी होने में देरी हो रही है। अमूमन ये सभी बोनस या दूसरे आर्थिक फायदे, सितंबर माह में जारी हो जाते हैं। इस बार अक्तूबर प्रारंभ हो गया है, लेकिन इन भत्तों और बोनस की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।नतीजा, इस देरी के चलते केंद्रीय कर्मचारियों में रोष है। 'कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स' के महासचिव एसबी यादव ने 30 सितंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर उक्त भत्तों और बोनस को अविलंब जारी करने की मांग की है। यादव ने कहा कि इन भत्तों व बोनस का भुगतान, अक्तूबर के पहले सप्ताह में हो जाता था। इस बार केंद्र सरकार ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। अगर अक्तूबर माह में केंद्र सरकार, भत्तों व बोनस देने की घोषणा करती है तो उनका भुगतान नवंबर में हो सकेगा। दूसरी तरफ इन भत्तों को तय समय पर जारी न कर सरकार, मोटा लाभ कमा रही है। 'कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स' के महासचिव यादव ने बताया, 'वित्त मंत्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि महंगाई भत्ता 'डीए' और महंगाई राहत 'डीआर' एक जुलाई से देय है। अभी तक इन भत्तों की घोषणा नहीं की गई है। आमतौर पर सितंबर के आखिरी सप्ताह में इसकी घोषणा कर दी जाती थी। इसके बाद अक्तूबर के पहले सप्ताह में कर्मचारियों को तीन महीने का बकाया भुगतान किया जाता था। इन भत्तों की घोषणा में हो रही देरी को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में गहरा असंतोष है। नवरात्रि, दुर्गा पूजा उत्सव, दशहरा व दीवाली पर पीएलबी और एडहॉक बोनस की भी घोषणा होनी है।

अभी तक यह घोषणा भी नहीं हो सकी है।' यादव ने अपने पत्र में कहा है कि परिसंघ उपरोक्त मामले में आपके तत्काल हस्तक्षेप की मांग करता है। वित्त मंत्री से अनुरोध है कि वे तत्काल प्रभाव से डीए-डीआर और बोनस देने की घोषणा करें। बता दें कि केंद्र सरकार के कर्मियों के लिए महंगाई भत्ते 'डीए' की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा कई माह देरी से की जाती है। इसके द्वारा सरकार, खुद मोटा लाभ कमा लेती है।

त्योहारी मांग बढ़ने से सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

आगे के रुझानों पर जानकार बोले

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। चालू त्योहारी सीजन के लिए स्टॉकिस्टों और खुदरा उपभोक्ताओं की ताजा मांग के कारण गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, सोना 200 रुपये बढ़कर 78,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। चांदी भी गुरुवार को 665 रुपये की तेजी के साथ 93,165 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जो पिछले बंद भाव 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव कीमत 200 रुपये की तेजी के साथ 77,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह धातु 77,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुई थी।महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर बुधवार को कमोडिटी बाजार बंद थे। व्यापारियों ने कहा

कि 'नवरात्रि' की शुरुआत में मांग बढ़ने से बाजार की धारणा बेहतर हुई है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, नई चीजों, खास तौर पर कीमती धातुओं की खरीद के लिए यह सप्ताह शुभ माना जाता है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटीज प्रमुख हरीश वी ने कहा, त्योहारों के चरम सीजन के बीच आभूषणों की मांग में संभावित वृद्धि और कमजोर भारतीय रुपये ने भी घरेलू बाजार में कमोडिटी की कीमतों को बढ़ावा दिया। इस बीच, वायदा कारोबार में, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी के लिए सोने के अनुबंध 440 रुपये या 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गए।

अरब देशों का स्विट्जरलैंड कहा जाता था लेबनान

शिया-सुन्नी और ईसाइयों से मिलकर बना, फिलिस्तीन की दोस्ती और इजराइल की दुश्मनी में कैसे बर्बाद हुआ

बेरूत, 3 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 1969 में राजधानी बेरूत में अपना पसंदीदा सिगार पीते हुए, ये बात लेबनान के पूर्व प्रधानमंत्री साएब सलाम ने कही थी। दरअसल, साएब से एक पत्रकार ने पूछा था- फिलिस्तीन का साथ देने से क्या वहां की सरकारें लेबनान की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं कर रही हैं। उनके इंटरव्यू को 55 साल गुजर चुके हैं।

इजराइल अपने टैंक और हथियार लेकर एक बार फिर लेबनान में घुस चुका है, लेकिन इसे देखने के लिए साएब अब जिंदा नहीं हैं। लेबनान और इजराइल के आमने-सामने होने की वजह वही फिलिस्तीन है, जिसके लिए लेबनान ने दूसरे अरब देशों के साथ मिलकर इजराइल से जंग लड़ी थी। फर्क सिर्फ इतना है कि लेबनान अब अरब देशों (सऊदी अरब, मिस्र और सीरिया) में अकेला है जो फिलिस्तीन के लिए लड़ रहा है। 700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। पर लेबनान ऐसा क्यों करता है, अपने लोगों की सुरक्षा को ताक पर रख कर इजराइल से क्यों लड़ता है? शिया, सुन्नी और ईसाइयों का ये देश कैसे बना और इसे मिडिल ईस्ट का स्विटजरलैंड क्यों कहा जाता था जीसस ने जिस लेबनान में पानी को वाइन में बदला, वहां हिजबुल्लाह का कब्जा लेबनान की गिनती दुनिया के सबसे छोटे देशों में होती है। इस पर रोमन, ग्रीक, तुर्कों और

लेबनान की राजधानी बेरूत में 1961 तक कई अंतरराष्ट्रीय और डेवलपमेंट बैंकों ने अपने दफ्तर खोले

फ्रांसीसियों का राज रह चुका है। 217 किलोमीटर लंबे और 56 किलोमीटर चौड़े इस देश की आबादी करीब 55 लाख है।फर्स्ट वर्ल्ड वॉर में आटोमन एम्पायर यानी तुर्कों के हारने के बाद 1916 में पश्चिमी देशों ने मिडिल ईस्ट की सीमाओं को अपनी मर्जी और हितों के मुताबिक बांटना शुरू किया। सीरिया पर फ्रांस ने कब्जा कर लिया। फ्रांस ने ही 1920 में सीरिया के पश्चिमी हिस्से को काटकर लेबनान बनाया। यही वजह है कि लेबनान पर फ्रांस के कल्चर का असर अब तक है। वहां के लोग अरबी भाषा के अलावा अंग्रेजी और फ्रेंच भी बोलते हैं। लेबनान उत्तर और पूर्व में सीरिया से घिरा है। जबकि इसके दक्षिण में इजराइल और पश्चिम में भूमध्य सागर है। लेबनान में आखिरी बार 1932 में जनगणना हुई थी। तब वहां सबसे ज्यादा 51% आबादी ईसाइयों की थी। इसके बाद 22% सुन्नी और 19.6% शिया मुसलमान थे।

92 साल में वहां ईसाइयों की आबादी घटकर 32% रह गई। जबकि शिया बढ़कर 31% और सुन्नी 32% हो गए हैं। लेबनान को 1943 में आजादी मिली। तय हुआ कि ईसाई देश का राष्ट्रपति होगा। सुन्नी प्रधानमंत्री बनेगा और शिया संसद का स्पीकर होगा।

लेबनान में आजादी के 10 साल बाद ही यानी 1952 में महिलाओं को वोटिंग राइट्स मिल गए थे। जबकि इस पर 1960 का दशक लेबनान में गोल्डन ऐज के तौर पर याद रखा जाता है। मिडिल ईस्ट में जहां कोई देश सिर्फ सुन्नी, कोई शिया बहुल है। वहीं लेबनान में ईसाई, शिया और सुन्नी आबादी लगभग एक जितनी है। लेबनान में बेरूत से 81 किलोमीटर दूर टायर शहर में काना गांव है। यहां एक पत्थर पर पुरातन ईसाइयों ने जीसस और उनके अनुयायियों को पत्थरों पर उकेरा था। इन्हें अब तक संजोकर रखा गया है। बाइबिल के मुताबिक यहीं पर जीसस ने अपना पहला चमत्कार करके दिखाया था। जीसस ने एक शादी में पानी को वाइन में बदल दिया था। जब जीसस को मारने की कोशिश की गई तो उन्होंने अपने अनुयायियों के साथ इसी शहर में बनी एक गुफा में शरण ली थी। लेबनान के इस हिस्से पर अब हिजबुल्लाह का कब्जा है। लेबनान में ईसाई और मुस्लिम दोनों वर्जिन मैरी (जीसस की मां) की पूजा करते हैं। लेबनान को 1943 में फ्रांस से आजादी मिली थी। इसके 4 साल बाद 1947 में इजराइल की स्थापना हुई। तब से ही ये देश फिलिस्तीनी शरणार्थियों का गढ़ बना गया। लेबनान तभी से इजराइल और फिलिस्तीन की जंग में पिस रहा है। लेबनान ने इजराइल के साथ लड़ी गई दोनों जंगों (1948, 1967) में हिस्सा लिया। अरब वर्ल्ड का हिस्सा होने की वजह से ये लेबनान की जिम्मेदारी बन गई थी कि वो फिलिस्तीनियों के हक की लड़ाई लड़े। लेबनान में 1960 के दशक में आर्थिक तरक्की के नए दरवाजे खुले। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक 1950 से लेकर 1956 तक 7 सालों में लेबनान की प्रति व्यक्ति आय में 50% की वृद्धि हुई। 1956 में लेबनान में बैंक गोपनीयता कानून लागू किया गया। इस कानून के तहत खाता धारकों से जुड़ी जानकारियां साझा करने पर रोक लगा दी गई।

इसका नतीजा यह हुआ कि विदेशी नागरिकों ने लेबनान में अपना धन रखना शुरू कर दिया। इसकी वजह से यहां निवेश भी बढ़ा। दूसरी तरफ लेबनान ने खुली अर्थव्यवस्था को अपनाया, जिसकी वजह से व्यापार और उद्योग पर सरकारी नियंत्रण कम था। इससे स्टार्टअप और निवेश को बढ़ावा मिला। इसकी वजह से इसे मिडिल ईस्ट का स्विट्जरलैंड भी कहा जाने लगा।

इस दौरान मिस्र, सीरिया और इराक में चल रही राजनीतिक अस्थिरता की वजह से इन देशों के व्यापारी लेबनान में बस गए। इससे लेबनान की आर्थिक क्षमताएं बढ़ीं। मिस्र के अहराम अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1950 के मुकाबले 1962 में लेबनान की जीडीपी दोगुनी हो गई थी। इस दौरान इसमें हर साल 4.5% की वृद्धि हुई। लेबनान का बैंकिंग सेक्टर भी 200% बढ़ा। साथ में बैंकों की जमाराशि भी पांच गुना बढ़ गई थी। 1950 के बाद से लेबनान में पर्यटन भी खूब बढ़ा। 1952 में राजधानी बेरूत में द स्पोर्टिंग क्लब की शुरुआत हुई, जो अमीर व्यवसायियों के लिए तैराकी और कॉकटेल का आनंद लेने की पसंदीदा जगह बन गया। साल 1943 में जब लेबनान को आजादी मिली तो यहां रहने वाले सभी 18 धर्म के लोगों को सरकार, सेना और सिविल सेवाओं में अलग-अलग पद मिले। जैसे राष्ट्रपति पद ईसाई, प्रधानमंत्री पद सुन्नी मुस्लिम और संसद के स्पीकर का पद शिया मुस्लिम को मिला। कुछ समय के बाद शिया और सुन्नी समुदाय को लगने लगा कि उनको सत्ता में कम जगह मिल रही है और अहम पदों पर ईसाइयों का कब्जा है। इसके बाद उन्होंने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। इससे गृह युद्ध की नींव पड़ी।

1960 के दशक में लेबनान की अर्थव्यवस्था में भारी बदलाव हुए, लेकिन इस आर्थिक विकास से देश में असमानता बढ़ गई। ईसाई और अमीर हुए, जबकि मुस्लिम समाज का एक बड़ा हिस्सा पिछड़ा और बेरोजगार रह गया। इस असमानता ने दोनों धर्मों के बीच तनाव को बढ़ाया। वर्ग संघर्ष की वजह से गृह युद्ध शुरू हो गया। जब लेबनान तरक्की कर रहा था, तब उसके आसपास के देश गहरे संकट में घिरे थे। इजराइल-फिलिस्तीन में संघर्ष छिड़ा हुआ था, सीरिया में गृह युद्ध चल रहा था। दोनों तरफ से सुन्नी आबादी भागकर लेबनान आ रही थी। इससे लेबनान में अचानक सुन्नी आबादी बढ़ने लगी। इसके बाद मुश्किल और ज्यादा तब बढ़ गई जब 1960 के दशक में फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन ने लेबनान में अपना ठिकाना बना लिया। फिलिस्तीनी शरणार्थियों के बड़ी तादाद में लेबनान में पनाह लेने से ईसाई नाराज हो गए। 1960 के दशक में फिलिस्तीनी गुरिल्ला ग्रुप्स लेबनान का इस्तेमाल कर इजराइल पर हमला करते थे।

ओलंपिक विजेता मनु भाकर आएंगी रायपुर

अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का बढ़ाएंगी हौसला

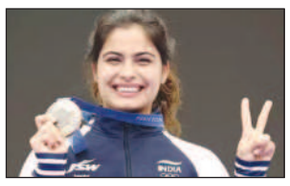

रायपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्य 27वीं अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता 2024 का गौरवपूर्ण मेजबान बनने जा रहा है। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण 20 अक्टूबर को आयोजित समापन समारोह में पेरिस ओलंपिक 2024 की पदक विजेता और विश्वप्रसिद्ध निशानेबाज मनु भाकर की उपस्थिति होगी, जो खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएंगी। इस खेल महोत्सव में देशभर से वन विभाग के खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेंगे।

खेल प्रतियोगिता का आयोजन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से रायपुर में 16 से 20 अक्टूबर 2024 तक आयोजित की जाएगी। छत्तीसगढ़ के लिए यह आयोजन एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो राज्य की खेल प्रतिभाओं और वन विभाग के उत्कृष्ट प्रयासों को प्रदर्शित करेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वन मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में राज्य की तैयारियां जोर-शोर से चल रहीं है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही श्रीनिवास राव और नोडल अधिकारी शालिनी रैना के निर्देशन में राज्य के खिलाड़ी पेशेवर कोचों की देखरेख में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़, सर्चिंग जारी

सुकमा, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुकमा जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र अंतर्गत माओवादियों के कोर जोन चिंतावागु नदी के किनारे सुरक्षाबलों की पीएलजीएल बटालियन और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। बताया जा रहा है कि 2 अक्टूबर को सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी ग्राम बोटेलंका, एरनपल्ली व आसपास क्षेत्र की ओर नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई थी। वहीं, तीन अक्तूबर की सुबह मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ स्थल से अस्थाई कैंप को ध्वस्त कर भारी मात्रा में नक्सलियों के डम्प सामाग्रियों एवं विस्फोटक सामान को बरामद किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में जिला बल, डीआरजी, बस्तर फाईटर, 206 कोबरा वाहिनी, 208 कोबरा वाहिनी, 204 कोबरा वाहिनी एवं 203 कोबरा वाहिनी की संयुक्त कार्यवाही की गई। इलाके में सर्चिंग जारी है और सभी जवान सुरक्षित हैं।

'बुकिंग-सोनी' ने लूटे थे 5 करोड़ के गहने

झारखंड के इनामी भाइयों ने मामा-गर्लफ्रेंड संग मिलकर रची साजिश, दिल्ली से पकड़े गए

बलरामपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में 5 करोड़ के जेवरात और 7 लाख कैश लूट मामले में 6 आरोपियों की गिरफ्तार हुई है। झारखंड के 'बुकिंग सोनी' गिरोह से लूट का माल एक ज्वेलर्स को बेच दिया था। पुलिस ने लूट का माल बरामद कर लिया है। 11 सितंबर को रामानुजगंज नगर पालिका चौक स्थित राजेश ज्वेलर्स में दोपहर 1.50 बजे हथियारबंद 3 बदमाशों ने लूट की थी। बदमाशों ने ज्वेलरी शोरूम के संचालक राजेश सोनी (भाजपा पार्षद), दो ग्राहकों और कर्मचारियों को बंधक बना लिया था।

फिर करीब 15 मिनट में 8 किलो सोना और कैश लेकर बाइक से झारखंड की ओर भाग निकले थे। लुटेरों ने राजेश सोनी पर हमला कर उन्हें घायल भी कर दिया था। दूसरे दिन लूट में इस्तेमाल एक बाइक और मोबाइल

झारखंड के रंकाकला में मिला था। पुलिस ने सीसीटीवी जांच में 2 इनामी बदमाशों की पहचान की। इनमें झारखंड के चैनपुर निवासी मोनू सोनी उर्फ राज सोनी उर्फ बुकिया और औरंगाबाद के अम्बा निवासी राहुल कुमार मेहता शामिल थे। इसके बाद 8 टीम बनाकर झारखंड के गढ़वा, औरंगाबाद, रांची, डालटनगंज में दबिश दी गई। पुलिस गिरफ्त में आए सोनू और मोनू दोनों भाइयों पर झारखंड में 50-50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित है। इनके अलावा दोनों के मामा और सोनू की गर्लफ्रेंड अंजलि को भी पकड़ा गया है। हालांकि ज्वैलरी खरीदने वाला आरोपी अभी पकड़ से बाहर है। पुलिस ने अंजलि के घर में दबिश देकर 3.354 किलो सोना, 7.280 किलो चांदी बरामद की है। वहीं बाकी आरोपियों से एक बोलेरो, दो रेसिंग बाइक, दो पिस्टल जब्त की है। वहीं दो अकाउंट में जमा 5.80 लाख रुपयों को सीज किया गया है।

झूमरी से जयराम महतो लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

धनबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के अध्यक्ष जयराम महतो ने नई राजनीतिक पार्टी बनाई है। उनकी पार्टी का नाम झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) है। आज धनबाद के सर्किट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में जयराम महतो ने आगामी विधान सभा के चुनाव में जेएलकेएम से प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। छह विधानसभा सीट डुमरी,जमुआ, राजमहल,तमाड़, सरायकेला और छत्तरपुर से प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। डुमरी से जयराम महतो खुद प्रत्याशी बने हैं। जयराम महतो ने झारखंड विधानसभा के 6 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इसमें गिरिडीह जिला के डुमरी विधानसभा के स्वयं उम्मीदवार जयराम महतो, जमुआ विधानसभा से रोहित कुमार दास, राजमहल से मोतीलाल सरकार, तमाड़ से दमयंती मुंडा, सरायकेला से प्रेम मार्डी और पलामू छतरपुर से प्रीति राज विधानसभा से लड़ेंगी। जयराम महतो ने बताया अभी तक 69 सीट से उम्मीदवारी के लिए आवेदन मिले हैं। पार्टी का 69 सीट पर चुनाव लड़ना तय है। इसके बाद भी अच्छे कैंडीडेट आते हैं तो उन्हें चुनाव में जरूर लड़ाएंगे। महिलाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो यह पार्टी भी चाहती है। उन्होंने कहा हमारी पार्टी उत्तरी छोटानागपुर की सभी 25 सीटों पर चुनाव लड़ेगी यह तय है। उन्होंने कहा कि टुंडी, गोमिया, बेरमो बाघमारा और मांडू भी उनकी पसंदीदा सीटों में से है।

जयराम महतो ने कहा कि आचार संहिता से पहले पहले पार्टी अपना घोषणा पत्र जारी कर देगी। सिल्ली सीट के मामले में उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक अमित महतो को सिल्ली से पार्टी लड़ाना चाहती है और इसपर बातचीत का दौर भी जारी है।

मौत के 48 घंटे बाद भी संचालक पर एफआईआर नहीं

अवैध माइका खदान में चाल धंसने से दो नाबालिग की मौत, यूडी केस दर्ज कर पुलिस ने झाड़ा पल्ला

गिरिडीह, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। गिरिडीह के गावां थाना क्षेत्र के बेलाखुट्टा माइका खदान में चाल धंसने से 2 नाबालिगों की मौत के 48 घंटे बाद भी खदान संचालक पर केस दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस सिर्फ यूडी केस दर्ज कर पल्ला झाड़ लिया है। वहीं वन विभाग कार्रवाई की बात कह रही है। जिस तरह अवैध माइका खदान में चाल धंसने से 2 नाबालिगों की मौत हुई और घटना के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं होना अपने आप मे एक सवाल खड़ा हो रहा है। दरअसल बीते मंगलवार को बेलाखुट्टा पहाड़ में अवैध रूप से संचालित माइका खदान में उत्खनन के दौरान चाल धंसने से बेलाखुट्टा निवासी मुन्नी उर्फ अनुपमा कुमारी (13) वर्ष, बीरेंद्र यादव (16) वर्ष और नीमाडीह के एक अन्य (15) वर्षीय बालक दब गया। घटना के बाद 2 घायल नाबालिग अनुपमा कुमारी और बीरेंद्र यादव को गावां अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया था जहां, चिकित्सकों के अनुपमा को मृत घोषित कर दिया था। जबकि घायल बीरेंद्र कुमार बेहतर इलाज के लिए गिरिडीह रेफर कर दिया था। जबकि एक अन्य मृत नाबालिग के शव को माइका तस्करों ने छुपा दिया था। बाद में पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर खदान से घर तक छान मारा, लेकिन उसका शव बरामद नहीं हो पाया। बताया जा रहा है कि जब यह हादसा हुआ था वहां एक दर्जन से अधिक लोग माइका चुन रहे थे। जैसे ही अन्य लोगों को चाल धंसने की भनक लगी तो सभी लोग बाहर निकल गए, लेकिन इस बीच तीनों नाबालिग वहीं दब गए।

इस संबंध में वनपाल पवन चौधरी ने कहा कि माइका खदान में हुए हादसे के बाद खदान संचालक को चिह्नित कर लिया गया है। मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। किसी भी सूरत पर दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ में जल्द ही टीम बनाकर छापेमारी अभियान भी चलाया जाएगा।

करोड़ों का ठग गिरफ्तार, महंगे शौक पाले

लग्जरी घर बनवाया, महंगी गाड़ी खरीदी, फ्लाइट से सफर, 600 सिम और 500 बैंक खाते मिले

रायपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर में करोड़ों रुपए की साइबर ठगी करने वाले 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में से कई ने खुद कॉल कर लोगों से साइबर ठगी की तो वहीं कुछ आरोपियों ने ठगों को बैंक अकाउंट और सिम प्रोवाइड करवाया। जिसके लिए इन्होंने मोटी रकम भी ली। ठगी के पैसों से आरोपियों ने खूब ऐश किया है। भिलाई के पचपेड़ी से पकड़ाए ठग प्रेम चंद्राकर ने ठगी के पैसों से लग्जरी घर बनवाया। महंगी कार खरीदी। शौक पूरा करने के लिए वो हर जगह फ्लाइट से यात्रा करता था। पुलिस ने आरोपी के पास से महंगे मोबाइल भी बरामद किए हैं। पूछताछ में साइबर रेंज थाने के अफसरों को पता चला कि वह महंगी शराब पीने का भी शौकीन था। पुलिस प्रेम चंद्राकर के पास मिली संपत्ति को अटैच करने की तैयारी में है। इन आरोपियों के पास से 600 सिम और 500 से ज्यादा बैंक खाते मिले हैं। दरअसल, कारोबारी परिवार से जुड़ी श्वेता मेहरा ने विधानसभा थाने में रिपोर्ट लिखाई थी कि, उसके साथ करीब 30 लाख रुपए की साइबर ठगी हुई है। साइबर ठग ने गूगल रिव्यू टास्क के बहाने पार्ट टाइम जॉब का लालच दिया। फिर कई किस्तों में महिला से पैसे वसूल लिए।

रात के अंधेरे में जुआ-सट्टा का खेल

बिलासपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में खुलेआम जुआ-सट्टा चल रहा है। जुआरियों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वो रात के अंधेरे में 100 से लेकर 500 के नोट फेंककर हजारों का दांव लगा रहे थे। मामला मस्तूरी थाना इलाके का है। इधर, दुर्ग जिले के सीएसपी ने 3 थानों की पुलिस जामुल, छावनी और खुर्सीपार के टीआई और टीम के साथ जुआ की फड़ पर छापेमारी की। भिलाई तीन में पुलिस ने पार्षद और पत्रकार समेत 16 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मस्तूरी टीआई अवनीश पासवान का कहना है कि, जुआरियों के खिलाफ लगातार सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। वायरल वीडियो है, उसकी जांच कर जुआरियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। 15-20 पुलिस आधिकारियों और टीआई की टीम देर रात पुरानी भिलाई थाना इलाके पहुंची। पुलिस की टीम रात 11 बजे टीम शारदा चौक चरोदा पहुंची। वहां उन्होंने एक घर में छापेमारी की तो अंदर 16 लोग ताश पत्ती से जुआ खेल रहे थे। उनके पास से 2 लाख 29 हजार रुपए जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार करने वाले में दो बड़े नाम जिसमें एक नाम भिलाई तीन चरोदा निगम के पार्षद एम एंथोनी और पत्रकार का नाम है। पुलिस ने जुआरियों के पास से तीन कार, 9 बाइक और स्कूटी जब्त किया है।

दरअसल, दिवाली नजदीक आते ही जुआरी सक्रिय हो जाते हैं। बताया जा रहा है कि, बिलासपुर जिले में जुआ खेलने के लिए आसपास के जिलों से भी लोग आते हैं। वहीं, जुआ खिलाने वाले जुआरियों को इकट्ठा कर लगातार लोकेशन बदलते रहते हैं। रलिया के साथ ही जयरामनगर, खैरा, रिसदा सहित आसपास के इलाकों में जुआरी सक्रिय रहते हैं। वीडियो मस्तूरी क्षेत्र के ग्राम रलिया में मरघट के पास का बताया जा रहा है। यहां सुबह से लेकर रात तक जुए का फड़ चलता है। जानकारों का दावा है कि, बिलासपुर के होटलों के साथ ही कई रिहायशी इलाकों में जुए के बड़े-बड़े फड़ चल रहे हैं।

बिजली गिरने से 12 साल के लड़के की मौत

दंतेवाड़ा में 2 बच्चियां घायल, बारिश से बचने पेड़ के नीचे खड़े थे तीनों

रायपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा के कौरगांव में बिजली गिरने से 12 साल के लड़के की मौत हो गई। जबकि 2 बच्चियां घायल है। दोनों का इलाज जारी है। तीनों गाय चराने गए थे, बारिश होने पर तीनों पेड़ के नीचे खड़े गए तभी अचानक बिजली की चपेट में आ गए। छत्तीसगढ़ में अक्टूबर महीने के पहले हफ्ते से मानसून की विदाई का सिलसिला शुरू हो गया है। 20 अक्टूबर तक मानसून पूरी तरह से विदा हो जाएगा। मानसून की विदाई के साथ ही हवा की दिशा बदलेगी और उत्तर पूर्वी हवा की एंट्री के साथ अक्टूबर महीने के अंतिम दिनों में तापमान में गिरावट का दौरा जारी होगा और रात में ठंड बढ़ेगी। फिलहाल पिछले कुछ दिनों से बारिश पर ब्रेक लगने से दिन का पारा चढ़ा हुआ है, इस वजह से गर्मी और उमस बेचैन कर रही है। हालांकि मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3 दिन बस्तर संभाग में बारिश हो सकती है। आज बस्तर संभाग के जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार को बस्तर संभाग को छोड़कर प्रदेश में मानसून की सक्रियता सामान्य से कम रही। बिलासपुर में 30 मिलीमीटर बारिश हुई। सकरी और बस्तर संभाग के जिलों में 20 मिमी पानी बरसा। प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 35.8°C रायपुर के माना में रिकॉर्ड किया गया। वहीं रायपुर में दिन का तापमान 35.4 डिग्री रहा जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। बस्तर संभाग के अलावा बाकी जगह आज मौसम ड्राई रहेगा। रायपुर में आज धूप-छांव वाला मौसम रहेगा अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। बस्तर, बिलासपुर, सरगुजा संभाग के कुछ जिलों को छोड़कर सप्ताह भर प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। लौटते मानसून से एक-दो बार बारिश होती है। मानसून की विदाई के बाद नमी और बारिश की संभावना लगभग खत्म हो जाती है अक्टूबर के पूरे महीने दिन का तापमान औसत से थोड़ा अधिक रहता है।

मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां तोड़ीं

लोगों ने किया हंगामा, पुलिस ने कराया शांत, तोड़ने वालों की तलाश जारी

धनबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्र से ठीक पहले झारखंड के धनबाद में सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश हुई। जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के रंगडीह गांव में स्थित प्राचीन माता काली की मंदिर परिसर में मौजूद कई देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को खंडित कर दिया गया। असामाजिक तत्वों ने बरगद पेड़ के नीचे स्थापित मां काली समेत कई अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को तोड़ दिया। तोड़ी गई मूर्तियों में भगवान गणेश, शिवलिंग, त्रिशूल आदि शामिल हैं। प्रतिमाओं के खंडित होने की सूचना तब सामने आई जब वहां सफाई करने वाला नरेश चंद्र गोस्वामी मौके पर पहुंचा। वहां की स्थिति देख आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। प्रतिमाओं के खंडित होने की जानकारी मिलने के बाद आसपास के इलाके में तनाव का माहौल हो गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। इस घटना की सूचना पाकर गोविंदपुर पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली दलबल के साथ पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों द्वारा जानकारी दी गई। पुलिस तत्काल पहुंची। हर एंगल से इसकी जांच की जा रही है। घटनास्थल पर मौजूद लोग उग्र न हो, इसके लिए आम लोगों और पुलिस की ओर से सक्रियता दिखाई गई।

महिला पुलिसकर्मियों के लिए चलंत शौचालय

धनबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद में पले बढ़े हिमाचल प्रदेश के डीजीपी डॉक्टर अतुल वर्मा ने अपने गृह जिला के आम लोगों के साथ-साथ पुलिस परिवार के लिए भी समय समय पर सामाजिक कार्य करते रहते हैं। इसी कड़ी में आज धनबाद पुलिस लाइन में महिला पुलिस कर्मियों को ड्युटी के दौरान शौच की सुविधा को लेकर चलंत शौचालय और पुरुष पुलिस जवानों के लिए ओपन जीम की व्यवस्था डॉक्टर पीके वर्मा फाउंडेशन के द्वारा दिया गया।

नाजायज संतान भी अनुकंपा नियुक्ति पाने का है हकदार

हाईकोर्ट बोला- सरकारी कर्मचारी का नाजायज बेटा भी आश्रित रोजगार का है पात्र, 45 दिन में नियुक्ति दे एसईसीएल

बिलासपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के मामले में अहम फैसला दिया है। जस्टिस संजय के अग्रवाल ने कहा कि, भले ही याचिकाकर्ता सरकारी कर्मचारी (मृतक) का नाजायज बेटा हो, फिर भी वह अनुकंपा के लिए हकदार होगा। कोर्ट ने एसईसीएल को 45 दिनों के भीतर अनुकंपा नियुक्ति देने की प्रक्रिया पूरी करने कहा है। दरअसल, सुभाष ब्लॉक निवासी मुनीराम कुर्रे एसईसीएल में आर्म गार्ड के पद पर कार्यरत थे। 25 मार्च 2004 को उनकी मौत हो गई थी। मुनीराम कुर्रे की मौत के बाद ग्रेच्युटी नामांकन फॉर्म 'एफ' में पहली पत्नी सुशीला कुर्रे का नाम दर्ज था। पेंशन नामांकन फार्म में दूसरी पत्नी विमला कुर्रे का नाम था। विमला कुर्रे की चार बेटियां मनीषा लाल, मंजूसा लाल, ममिता लाल, मिलिंद लाल और बेटा विक्रांत भी था। इसी आधार पर विक्रांत कुर्रे ने एसईसीएल में अपने पिता की जगह अनुकंपा देने की मांग की। लेकिन एसईसीएल ने उसके आवेदन को खारिज कर दिया। जिसे चुनौती देते हुए विक्रांत कुमार लाल ने अधिवक्ता संदीप दुबे के माध्यम से याचिका दायर की। इसमें बताया कि, याचिकाकर्ता की मां विमला कुर्रे ने भी बेटे के लिए आश्रित रोजगार की मांग की थी। लेकिन, एसईसीएल प्रबंधन ने उनके अभ्यावेदन का निराकरण करते हुए खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ता ने भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 की धारा 372 के तहत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन पेश किया था। मामले में प्रथम सिविल जज ने भविष्य निधि 4, 4 लाख 75 रुपए और ग्रेच्युटी राशि 95 हजार रुपए याचिकाकर्ता, उसकी मां और बहनों के पक्ष में देने का आदेश दिया था।

एशिया में नाटो जैसा सैन्य गुट बनेगा

अमेरिका के बाद भारत ने साफ कर दिया अपना रुख, क्या अकेला पड़ गया जापान

टोक्यो, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने एशिया में नाटो जैसा एक सैन्य गुट बनाने की मांग की थी। इस गुट की चर्चा के बाद माना जा रहा था कि चीन को घेरने की शुरुआत होगी। लेकिन अब इसे लेकर भारत ने अपना रुख साफ कर दिया है। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि जापानी पीएम की ओर से 'एशियाई नाटो' के दृष्टिकोण से भारत सहमत नहीं है। कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जापान के विपरीत भारत कभी भी किसी अन्य देश का संधि सहयोगी नहीं रहा है। जापानी पीएम के बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हमारे दिमाग में उस तरह की रणनीतिक योजना नहीं है।' डॉ. जयशंकर का यह बयान तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब जापान और भारत क्वाड का हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा एक अलग इतिहास

और चीजों को देखने का एक अलग नजरिया है।' डॉ. जयशंकर ने पिछले सप्ताह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण दिया था। मंगलवार को इशिबा ने कहा कि उनका देश दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सबसे गंभीर सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है। इससे निपटने के लिए वह मित्र देशों के साथ गहरे संबंधों की तलाश करेंगे। उन्होंने एशियाई नाटो को बनाने से लेकर, जापानी सैनिकों की अमेरिका में तैनाती और चीन, रूस और उत्तर कोरिया से बचने के लिए अमेरिका के परमाणु हथियारों पर साझा नियंत्रण का आह्वान किया। इसे लेकर उनका तर्क है कि यह चीन को एशिया में सैन्य बल के इस्तेमाल से रोकेगा। अमेरिका पहले ही एशियाई नाटो के विचार को खारिज कर चुका है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेल सुलिवन ने पिछले साल कहा था कि अमेरिका इंडो-पैसिफिक में नाटो बनाने पर विचार नहीं कर रहा है। इस महीने पूर्वी एशिया और प्रशांत के लिए अमेरिकी सहायक सचिव डैनियल क्रिटेनब्रिंक ने कहा कि ऐसी बात करना बहुत जल्दी होगी।

दक्षिणी ताइवान के अस्पताल में लगी आग

कम से कम आठ लोग झुलसे मदद के लिए इलाके में सेना तैनात

ताइपे, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। तूफान से प्रभावित दक्षिणी ताइवान में गुरुवार की सुबह एक अस्पताल में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम आठ लोग झुलस गए। यह आग पिंगटुंग काउंटी में लगी। यह क्षेत्र क्रैथॉन तूफान से बुरी तरह से प्रभावित है। तूफान के कारण यहां भूस्खलन की घटनाएं भी देखने को मिलीभारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कुछ इलाके पूरी तरह से ठप हो गए। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दर्जनों मरीजों को अस्पताल से बाहर निकालकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। मरीजों को अस्पताल से निकालने और आग बुझाने में दमकलकर्मियों की सहायता के लिए पास के बेस से सैनिकों को तैनात किया गया था। ताइवान के अस्पताल में आग लगने से पहले मंगलवार को बैंकॉक में छात्रों और शिक्षकों को ले जा रही एक बस में आग लग गई। इस हादसे में 25 लोगों के मारे जाने की आशंका है। यह लोग मध्य उथाई थानी प्रांत से बैंकॉक स्थित स्कूल जाने के लिए बस में सवार हुए थे, तभी दोपहर के करीब बस में आग लग गई।

क्या रूस ने यूक्रेन पर गिराया दुनिया का सबसे शक्तिशाली गैर परमाणु बम

मॉस्को, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस ने कथित तौर पर यूक्रेन में अपना सबसे ताकतवर बम ओडीएबी-9000 गिराया है, जिसे 'फादर ऑफ ऑल बॉम' कहा जाता है। द सन ने रूस समर्थकों की ओर से शेयर किए जा रहे कुछ वीडियो फुटेज के आधार पर ये दावा किया है कि व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु हथियार का इस्तेमाल किया है। वीडियो में आग का गोला और धुएं का गुबार देखा गया। इसी आधार पर भयावह बम के इस्तेमाल की बात कही जा रही है।

द सन के मुताबिक, रूसी टेलीग्राम साइटों पर पुतिन समर्थक जेड-चैनल्स की ओर से साझा किए गए वीडियो में यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र पर घातक ओडीएबी-9000 गिराने की बात कही गई है। हालांकि यूक्रेन या रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि इस्तेमाल किया गया बम वास्तव में ओडीएबी-9000 था।

यूक्रेन में रूस की ओर से खतरनाक बम के इस्तेमाल पर

एक्सपर्ट बंटे हुए हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि पुतिन अपने शस्त्रागार के शक्तिशाली हथियार को बिना वजह एक खाली क्षेत्र में नहीं गिरा सकते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यह कम शक्तिशाली ओडीएबी-1500 थर्मोबेरिक बम हो सकता है। एक्सपर्ट ने ऐसा भी अनुमान है कि लगाया है कि यह विशाल विस्फोट यूक्रेन के खिलाफ रूसी सेना द्वारा इस्तेमाल किए गए एफएबी-3000 हवाई बमों की वजह से हो सकता है। टेलीग्राम पर फाइटरबॉम्बर चैनल का दावा है कि यह कम शक्तिशाली एफएबी-1500 वर्जन था। इस बम के इस्तेमाल पर एक सवाल ये भी है कि अगर ओडीएबी-9000 को गिराने के लिए यूक्रेन के ऊपर विशेष जेट के उड़ान भरने की जरूरत होगी। इसे टीयू-160, टीयू-95 या टीयू-22एम3 जैसे रूसी रणनीतिक बमवर्षक से गिराया जा सकता है। इनमें से किसी भी जेट को हाल के दिनों में क्षेत्र में नहीं देखा गया।

एक्सपर्ट का कहना है कि इस बम को लेकर आने वाले विमान को जमीन के इतने करीब से उड़ान भरनी होगी कि वह निगाह में आएगा। इतना ही नहीं उसे सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल से टारगेट भी किया जा सकता है। ऐसा कुछ भी अगर क्षेत्र में नहीं हुआ है तो सिर्फ विस्फोट देखकर दावा करना ठीक नहीं है।

रूस के जिस ओडीएबी-9000 बम की बात हो रही है, वह एक पेलोड विस्फोट करता है। ये तीव्र दबाव और भयंकर गर्मी पैदा करता है। ये खुले घरों के अलावा बंकरों के अंदर शरण लिए हुए व्यक्तियों के लिए भी घातक साबित होता है। इसे बड़े क्षेत्र में दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस बम के गिरने से विस्फोट की लहर और वैक्यूम देर तक बना रहता है, जो इमारतों को गिरा देता है और इसके दायरे में आने वाले लोगों को आंतरिक चोट पहुंचाता है।

यूक्रेनी स्रोत कर्नल विटाली सारंटसेव ने इस दावे को यूक्रेन को डराने और क्षेत्र को अस्थिर करने की रूस की चाल कहा है। खार्किव क्षेत्रीय सैन्य कमान के प्रवक्ता ने ओडीएबी-9000 के दावे का खंडन किया है।

हिन्दी पखवाड़ा एवं स्वच्छता सेवा अभियान का समापन

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिंदी पखवाडा समारोह डॉ. आर. एम. सुंदरम की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदीप सिंह, सलाहकार (रा.भा) के स्वागत भाषण से हुआ। तत्पश्चात शीतांशु कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने हिन्दी पखवाडे की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

उन्होंने पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विवरण के साथ-साथ वर्ष के दौरान हिन्दी कक्ष की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आयोजित क्रियाकलापों की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। इसके पश्चात हिन्दी पखवाड़े के दौराना आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं में निदेशक महोदय ने पुरस्कारों का वितरण किया। इसके बाद स्वच्छता मौरॉथन दौड के विजेताओं में भी पुरस्कार वितरित किए। सफाई मित्रों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही सुरक्षा गार्डस को भी सम्मानित किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. आर. एम. सुंदरम ने हिन्दी पखवाड़े को मनाए जाने का औचित्य बताते हुए कहा कि आज आवश्यकता है कि हम हिन्दी के साथ-साथ अपनी मातृ भाषा के गौरव को बनाए रखे, घर हो या कार्यालय आपसी बातचीत में इनका अधिक से अधिक उपयोग करें। मुख्यतः हमारी अगली पीढी इनसे दूर होती जा रही है, उनको हमारी भाषा से जोडे रखना बहुत जरूरी है। प्रदीप सिंह, सलाहकार (रा.भा) के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्वच्छ भारत दिवस का समापन समारोह

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीएआर-सीआरआईडीए में स्वच्छ भारत दिवस मनाया गया। स्वच्छ भारत दिवस के उपलक्ष्य में स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रंगोली भी बनाई गई। 15 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा का आयोजन किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम के तहत सुलझाई गई गतिविधियां संस्थान के विभिन्न परिसरों/इकाइयों और गांवों में किसानों और नागरिक समाज को शामिल करते हुए किये गये। स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में स्वच्छता शपथ और वृक्षारोपण, कार्यालयों में सफाई अभियान और पुराने रिकार्डों को हटाना और उनका निपटान, स्वच्छता अभियान और जैवनिम्नीकरणीय तथा गैर-जैवनिम्नीकरणीय कचरे को अलग करना और उनका उचित निपटान, स्कूली बच्चों और गांव के निवासियों को शामिल करते हुए गांवों में

स्वच्छता अभियान, कम्पोस्ट बनाने के लिए जैविक कचरे का उपयोग, जलनिकासी चैनलों और जलमार्गों की सफाई और जमा हुए पानी को हटाना, स्वच्छता विषय पर वाद-विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, जागरूकता पैदा करना शामिल किये गये। गांवों में स्वच्छता और जल संचयन एवं पुनर्चक्रण पर अभियान चलाना। आईसीएआर-सीआरआईडीए में 15 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक आयोजित स्वच्छता ही सेवा की गतिविधियों पर प्रकाश डालने के लिए समापन समारोह आयोजित किया गया। आईसीएआर-सीआरआईडीए के स्वच्छता ही सेवा के प्रधान वैज्ञानिक और नोडल अधिकारी डॉ. आर. नागार्जुन कुमार ने पिछले 15 दिनों के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत प्रस्तुति दी। डॉ. विनोद कुमार सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-क्रीडा ने अपने संबोधन में हमारे दैनिक जीवन में स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया और प्रतिभागियों से एकल प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और सामग्रियों के पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण के लिए ईमानदारी से प्रयास करने को कहा। स्वच्छता ही सेवा के दौरान आयोजित रंगोली और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

कार्यक्रम का समापन आईसीएआर-सीआरआईडीए के वैज्ञानिक डॉ. गौरव प्रिय पांडुरंग के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कमजोर पड़ा तूफान क्रेथॉन, लेकिन अभी भी खतरनाक

ताइवान में दो की मौत

ताइपे, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। तूफान क्रेथॉन गुरुवार को ताइवान के दक्षिणी पश्चिमी तट से टकराया। हालांकि तूफान क्रेथॉन अब थोड़ा कमजोर हुआ है, लेकिन अभी भी ये खतरनाक श्रेणी में बना हुआ है। तूफान के चलते ताइवान में दो लोगों की मौत की खबर है। तूफान क्रेथॉन के चलते ताइवान में जनजीवन लगभग थम सा गया है और सभी स्कूल-कॉलेज और आर्थिक संस्थान बंद हैं। सैंकड़ों उड़ान सेवाएं भी रद्द कर दी गई हैं।

लोगों को घरों के भीतर रहने की सलाह

ताइवान की सरकार ने लोगों को घरों के भीतर रहने और बाहर न निकलने की सलाह दी है। तूफान कमजोर पड़ चुका है, लेकिन अभी भी तूफान के असर से ताइवान के कई इलाकों में भारी बारिश, तेज हवाएं और समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। तूफान क्रेथॉन ताइवान के काओसिउंग शहर से टकराया है, जहां 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से

हवाएं चल रही हैं। ताइवान के अग्निशमन विभाग ने तूफान के चलते दो लोगों की मौत की पुष्टि की है। एक व्यक्ति तेज हवाओं के चलते पेड़ से गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई और दूसरा व्यक्ति के वाहन पर एक पेड़ गिर गया, जिससे उसकी जान चली गई।

काओसिउंग में साल 1977 में आए तूफान में 37 लोगों की हुई थी मौत

टाइफून अक्सर प्रशांत महासागर की ओर ताइवान के पूर्वी तट पर आते हैं, लेकिन क्रेथॉन इस मामले में असामान्य है क्योंकि यह सीधे पश्चिमी तट से टकराया है। काओसिउंग शहर में पिछली बार 1977 में जब यह इस तरह के तूफान से टकराया था, तब टाइफून थेल्मा ने 37 लोगों की जान ले ली थी और शहर को तबाह कर दिया था। एक अलग आपदा में, पिंगटुंग के सबसे दक्षिणी काउंटी में सरकार ने कहा कि एक अस्पताल में बिजली गिरने से लगी आग से छह लोगों की मौत हो गई। जलवायु परिवर्तन के चलते इन दिनों तूफान की घटनाएं बढ़ रही हैं।

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री को 12 महीने की जेल

भ्रष्टाचार के आरोप में ठहराए गए थे दोषी

सिंगापुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन को गुरुवार को हाईकोर्ट ने 12 महीने की जेल की सजा सुनाई है। उन्हें लोक सेवक के तौर पर अपने दो व्यापारी मित्रों से सात साल में 403,300 सिंगापुर डॉलर मूल्य के उपहार लेने के आरोप में दोषी पाया गया था। 24 सितंबर को उन्हें उपहार लेने और न्याय को अवरुद्ध करने के चार मामलों में 62 वर्षीय ईश्वरन को दोषी दोषी ठहराया गया था। सजा सुनाने के दौरान जज विंसेंट हूंग ने कहा कि उन्होंने अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों की ओर से सजा पर विचार किया, लेकिन वे दोनों स्थितियों पर सहमत होने में असमर्थ रहे।

जज ने बताया कि पूर्व मंत्री ने उपहार लेकर अपने पद का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि ईश्वरन ने सार्वजनिक बयान देकर इन आरोपों को झूठा बताया था। जज ने आगे कहा, प्रधानमंत्री

को भेजी गई चिट्ठी में ईश्वरन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठ बताया। उन्हें विश्वार था वे रिहा हो जाएंगे। जस्टिस ईश्वरन ने कहा, लोक सेवक के तौर पर पद जितना ऊंचा होगा, दोषी होने का स्तर भी उतना ही ऊंचा होगा। ईश्वरन के वकील दविंदर सिंह ने आठ महीने से अधिक की सजा न देने की दलीली दी थी। डिप्टी अटर्नी जनरल ताई वी शियोंग ने छह से सात महीने की सजा की मांग की। ईश्वरन के वकीलों ने सजा को सात अक्तूबर तक के लिए टालने और उन्हें उसी दिन शाम चार बजे अदालत में आत्मसमर्पण करने की मांग की।

ईश्वरन पर थिएटर शो, फुटबॉल मैच और सिंगापुर एफ1 ग्रैंड प्रिक्स, व्हिस्की, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और होटल में ठहरने समेत कीमती सामानों से संबंधित आरोप हैं। इसमें शामिल राशि एसजीडी 400,000 (यूएसडी 300,000 से अधिक) से अधिक है। उसके पास से व्हिस्की और वाइन की बोतलें, गोल्फ क्लब और एक ब्रॉम्पटन साइकिल भी जब्त की गई। ईश्वरन के आरोप प्रॉपर्टी टाइकून ओंग बेंग सेंग और कंस्ट्रक्शन फर्म के मालिक लुम कोक सेंग के साथ उसके संबंधों से संबंधित हैं। हालांकि दोनों व्यवसायियों पर आरोप नहीं लगाए गए हैं। संशोधित किए गए दो आरोपों में ओंग शामिल हैं, जो उस समय सिंगापुर जीपी के बहुसंख्यक शेयरधारक थे।

नासा ने बंद किया वॉयजर-2 का साइंस कंप्यूटर

इस वजह से लेना पड़ा मुश्किल फैसला, 20 अरब किलोमीटर दूर सिस्टम ऐसे किया बंद

वॉशिंगटन, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। नासा के वॉयजर 2 अंतरिक्ष यान को लेकर बड़ी खबर आई है। नासा टीम के मुताबिक इसकी ऊर्जा लगातार कम होती जा रही है। इस प्रयास में इसके एक विज्ञान उपकरण को बंद करने का फैसला लिया गया है। वर्तमान में यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी से 20.9 अरब किलोमीटर की दूरी पर अंतरिक्ष में आगे बढ़ता जा रहा है। मिशन इंजीनियरों ने वॉयजर 2 के प्लाज्मा साइंस, या पीएलएस एक्सपेरिमेंट बंद करने के लिए एक कमांड भेजा। इसका इस्तेमाल सौर हवाओं का निरीक्षण करने के लिए किया जाता था।

26 सितंबर को डीप स्पेस नेटवर्क (डीएसएन) का इस्तेमाल करके इसे बंद करने का सिग्नल भेजा गया। डीएसएन विशाल रेडियो एंटीना की एक सीरीज है जो अंतरिक्ष के माध्यम से अरबों किलोमीटर तक जानकारी भेज सकता है। नासा ने कहा कि वॉयजर 2 तक संदेश पहुंचने में

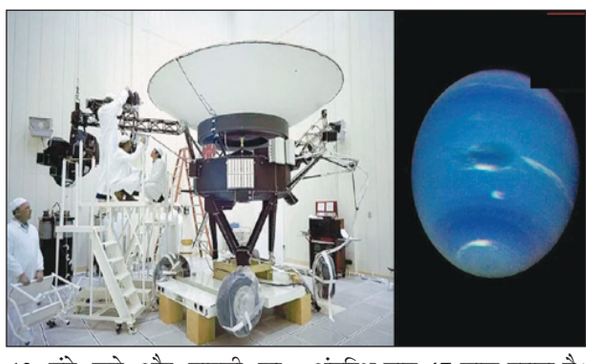

19 घंटे लगे और वापसी का संकेत 19 घंटे बाद मिला। यह अंतरिक्ष यान बेहद पुराना है और इसका ऊर्जा भंडार लगातार कम हो रहा है। नासा को उम्मीद है कि वॉयजर 2 एक विज्ञान उपकरण के साथ 2030 के दशक तक काम करता रहेगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा को पिछले कुछ वर्षों में इसके विभिन्न विज्ञान उपकरणों को बंद करना पड़ा है। क्योंकि यह अंतरिक्ष यान 47 साल पुराना है। प्लूटोनियम से चलने वाली बैट्री की क्षमता लगातार कम हो रही है। वॉयजर-2 में तीन रेडियोआइसोटोप थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर हैं, जो क्षयकारी प्लूटोनियम के उत्सर्जन से होने वाली गर्मी को बिजली बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। यही अंतरिक्ष यान के बाकी कंप्यूटर को चलाने में मदद करता है।

आर्थिक संकटों के बीच इस साल श्रीलंका में होंगे दो बड़े चुनाव

पूरे द्वीप राष्ट्र के भविष्य के लिए काफी अहम

कोलंबो, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। आर्थिक संकटों के बीच श्रीलंका में इस साल के अंत से पहले दो बड़े और अहम चुनाव होने हैं। यह चुनाव पूरे द्वीप राष्ट्र के लिए काफी अहम हैं। हाल ही में संपन्न राष्ट्रपति चुनावों के कुछ महीने बाद ये चुनाव देश की आगे की राह तय करेंगे। दरअसल, नकदी की कमी से जूझ रहे देश में 21 सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव हुए थे। अब 14 नवंबर को यहां संसदीय चुनाव होने हैं। तीसरा चुनाव दिसंबर में स्थानीय परिषद के चुनाव होंगे। इस बीच दक्षिणी प्रांत के एल्पीटिया स्थानीय परिषद के लिए निर्धारित एकमात्र चुनाव 26 अक्तूबर को होगा। श्रीलंका के स्वतंत्र चुनाव आयोग ने बुधवार देर रात एक बयान जारी किया। उन्होंने इस बयान में कहा, 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, संसदीय चुनाव के तुरंत बाद स्थानीय चुनाव कराने की व्यवस्था की जाएगी। 340 स्थानीय परिषदों में चुनाव 14 नवंबर से 30-35 दिनों के बीच होने हैं। आसान शब्दों में कहा जाए तो यह दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगा। अदालत ने बताया कि स्थानीय परिषद का चुनाव नौ मार्च 2023 को होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ जो मौलिक अधिकारों का अल्लंघन है। तत्कालीन राष्ट्रपति और वित्त मंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने 2022 के आर्थिक संकट के बाद देश की खराब वित्तीय स्थिति को जिम्मेदार ठहराया। वित्त मंत्री रानिल विक्रमसिंघे को चुनाव कराने के लिए आवश्यक धन आवंटित नहीं करके अधिकारों के उल्लंघन का दोषी बताया है। विपक्ष के नेताओं ने विक्रमसिंघे पर हार के डर से चुनाव न कराने का आरोप लगाया था। बता दें कि 23 सितंबर को मार्क्सिस्ट जनता विमुक्ति पेरामुना पार्टी की आनुषंगिक इकाई नेशनल पीपुल्स पावर के नेता अनुरा कुमार दिसानायके ने श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। 24 सितंबर को संसद भंग करने का आदेश देने वाली विशेष गैजेट अधिसूचना पर हस्ताक्षर किया।

हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के दामाद की मौत का दावा

सीरिया में इजराइल के हवाई हमले में मौत, लेबनान बोला- सीजफायर के लिए हिजबुल्लाह तैयार था

यरूशलम, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह के दामाद हसन जाफर अल-कासिर के मारे जाने का दावा किया है।

इजराइली सेना ने बुधवार को सीरिया की राजधानी दमिश्क में हवाई हमला किया था, जिसमें उसकी मौत हो गई। इसमें उसके साथ 2 और लोग मारे गए हैं। इजराइल ने 27 सितंबर को राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर 80 टन बम से हमला किया था। इसमें हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत हो गई थी।

नसरल्लाह के अलावा उसकी बेटी जैनब की भी इस हमले में मौत हो गई थी। इजराइल एक साथ कई मोर्चे पर लड़ाई लड़ रहा है। इजराइली सेना लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास, यमन में हूती विद्रोहियों के अलावा सीरिया और ईरान का भी सामना कर रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वांछित जाकिर नाइक का पाकिस्तान प्रेम

पाकिस्तानी पीएम शरीफ से की मुलाकात

इस्लामाबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के आरोपों में वांछित में वांछित और विवादास्पद इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक ने गुरुवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। जाकिर माइक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। पाकिस्तानी सरकार के निमंत्रण पर इस्लामाबाद, कराची और लाहौर में कड़ी सुरक्षा के बीच जाकिर नाइक सोमवार सुबह पाकिस्तान पहुंचे। न्यू इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर पाकिस्तानी सरकार के शीर्ष अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान वहां पाकिस्तानी

प्रधानमंत्री के युवा कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मशहूद और धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सैयद उर-रहमान भी मौजूद थे। जाकिर नाइक ने एक्स पर कहा, इस्लामिक रिपब्लिक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मियां मोहम्मद शहबाज शरीफ के साथ मुलाकात। उन्होंने एयरपोर्ट की वीडियो भी शेयर की। जिसमें देखा गया कि पाकिस्तान के प्रतिनिधि उन्हें गुलदस्ता देकर उनका स्वागत कर रहे है। उनके साथ उनके बेटे फारिक नाइक भी आए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनके एक महीने के दौरे में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ बैठकें और विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी शामिल है। सोशल मीडिया पोस्ट पर जाकिर की टीम ने कहा, पाकिस्तान सरकार के निमंत्रण पर डॉ. जाकिर नाइक और शेख फारिक नाइक ने पाकिस्तान का दौरा किया। वह कराची में पांच और छह अक्तूबर को, लाहौर में 12 और 13 अक्तूबर और इस्लामाबाद में 19 और 20 अक्तूबर को सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इससे पहले 20 अगस्त को भारत दौरे पर आए मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा था कि अगर भगोड़े नफरत फैलाने वाले जाकिर नाइक से जुड़े मामले में पर्याप्त सबूत मिला तो देश आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं कर सकता। बता दें कि जाकिर नाइक अपने विवादित बयानों के लिए जाने जाते हैं। वर्तमान समय में वह 2016 के मनी लॉन्ड्रिंग मामले के तहत भारत सरकार की राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा वांछित हैं।

बापू की प्रतिमा का अनावरण

सिएटल सेंटर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। महात्मा गांधी की जयंती पर सिएटल सेंटर में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। यहां के मेयर ब्रूस हैरेल, सांसद एडम स्मिथ और भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल की मौजूदगी में बुधवार को प्रतिमा का अनावरण हुआ। बता दें, प्रतिमा प्रसिद्ध स्पेस नीडल के नीचे तथा चिहुली गार्डन एवं ग्लास म्यूजियम के पास स्थापित की गई है। अनावरण समारोह का नेतृत्व सिएटल में भारत के महावाणिज्यदूत प्रकाश गुप्ता ने किया। इसमें प्रशांत नॉर्थवेस्ट में यूएस फर्स्ट कॉर्प्स के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जेवियर ब्रूनसन और मार्टिन लूथर किंग-गांधी इनिशिएटिव के अध्यक्ष एडी राई भी शामिल हुए। इस अवसर पर, वाशिंगटन के गवर्नर जे इंसली ने एक आधिकारिक घोषणा जारी की, जिसमें इस प्रतिमा को गांधीजी की शिक्षाओं के प्रति एक स्थायी श्रद्धांजलि तथा परिवर्तन लाने में अहिंसा के प्रभाव की एक शक्तिशाली याद दिलाने वाला बताया गया।

341 तहसीलदार और नायब तहसीलदार की ट्रांसफर लिस्ट जारी

जयपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार लगातार प्रशासनिक फेरबदल कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने 341 तहसीलदार और नायब तहसीलदार के तबादले किए हैं।

इससे पहले पंचायती राज विभाग में बड़ी संख्या में तबादले हुए थे। जिसमें कुल 131 अधिकारियों के तबादले किए थे।

वहीं, 23 सितंबर को राजस्थान सरकार ने भी 22 आईएएस और 58 आईपीएस अफसरों का तबादला किया था और 12 अफसरों को अतिरिक्त कार्यभार दिया था। जिसमें आठ आईएएस और चार आईपीएस शामिल हैं। कार्मिक विभाग की ओर से सितंबर माह में तबादलों की तीन सूचियां जारी की गईं।

जिनमें 6, 23 और 24 सितंबर की सूचियां शामिल हैं। अक्टूबर माह की यह तबादलों की तीसरी सूची है। इससे पहले आरपीएस, पंचायती राज विभाग में विकास अधिकारी बदले गए हैं।

1.50 लाख महिलाओं के लिए दिवाली से पहले आई बड़ी खुशखबरी
अलवर में महिलाओं को काम करने के लिए दफ्तर मिलेगा

अलवर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली से पहले ही महिलाओं के लिए खुशखबरी आ गई है। अलवर जिले की 1.50 लाख महिलाओं को काम करने के लिए दफ्तर मिलेगा। जिला परिषद हर ग्राम पंचायत स्तर पर वर्कप्लेस बनाने की तैयारी कर रही है। इसका उद्देश्य है कि महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं एक जगह बैठकर काम करेंगी तो उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

जिलेभर में 13 हजार महिला स्वयं सहायता समूह हैं। इन महिलाओं की ओर से कपड़े सिलाई से लेकर ब्रेड बनाने व जूट

का सामान तैयार किया जा रहा है। अचार, पापड़, मुरब्बा बनाने के अलावा हैंडीक्राफ्ट, टैराकोटा आइटम बना रही हैं। इन उत्पादों को जिले में ही नहीं कई अन्य शहरों में भी भेजा जा रहा है। इससे होने वाली आय से महिलाएं अपने परिवारों को चला रही हैं। घर में काम का पूरा माहौल न मिल पाने के कारण उनका कार्य भी प्रभावित होता है। इसी को देखते हुए अब उन्हें वर्क पैलेस मुहैया कराने की तैयारी है। पंचायत में नया भवन बनाने की तैयारी चल रही है।

एक समूह में 10 से 15महिलाएं

एक महिला स्वयं सहायता समूह से 10 से 15 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। लगातार समूह दूसरी महिलाओं को जोड़ने का कार्य कर रही हैं। महिलाओं की संख्या बढ़ने के कारण उनके कार्य स्थल की भी तलाश जरूरी है। उसी के तहत जिला परिषद इस पर काम करने की तैयारी कर रही है।

ताकि एक जगह बैठकर काम कर सकें

महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए वर्क पैलेस बनाने की तैयार है ताकि एक जगह बैठक महिलाएं कार्य कर सकें। हर ग्राम पंचायत में पंचायत भवन का विकल्प देखा जा रहा है। लाखों महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा।

डेंगू और स्क्रब टाइफस का स्प्रेड खतरनाक गति तक पहुंच गया

जयपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मच्छर जनित बीमारियां डेंगू और स्क्रब टाइफस का स्प्रेड खतरनाक गति तक पहुंच गया है। बीते सात दिन में डेंगू के मरीजों का आंकड़ा एक हजार की बढ़ोत्तरी के साथ 3900 से करीब 4900 तक पहुंच चुका है। चिंता की बात यह है कि मच्छर जनित ये दोनों बीमारियां लोगों की जिंदगियां भी लील रही है। लेकिन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी किए जाने वाले आंकड़ों में कई मौतों को उजागर ही नहीं किया गया है। राजस्थान पत्रिका ने प्रदेश के जिलों से जानकारी जुटाई तो डेंगू से 6 मौतें बताई गई हैं। जबकि विभाग ने अपने आंकड़ों में सिर्फ एक मौत को उजागर किया है।

इसी तरह स्क्रब टाइफस से विभाग ने पूरे राज्य में 6 मौतें बताई हैं। जबकि अकेले जयपुर के

सवाईमानसिंह अस्पताल में इस वर्ष इस बीमारी से 10 मरीज दम तोड़ चुके हैं। हैरत की बात यह है कि उच्च स्तर से लगातार मौसमी बीमारियों की समीक्षा किए जाने के बावजूद चिकित्सा कर्मी और बच्चों की मौत तक के आंकड़े सरकारी सूची में शामिल नहीं किए गए।

विभाग ने 50 जिलों में माना डेंगू, 33 जिलों में स्क्रब टाइफस

विभाग की ओर से एक अक्टूबर तक के जारी आंकड़ों में प्रदेश में डेंगू के 4816 मरीज और कोटा में एक की मौत बताई गई है। जबकि अन्य जिलों में भी मौतें हो चुकी हैं। इनमें 2-2 जयपुर-जोधपुर-बांसवाड़ा और एक धौलपुर जिले की है।

मौसमी बीमारियों के पीक सीजन में चिकित्सा मंत्री के सख्त निर्देशों के बावजूद बीमारियों के आंकड़ों को जुटाने में भी लापरवाही बरती जा रही है। विभाग की ओर से जारी की जाने वाली मौसमी बीमारियों की सूचना में डेंगू के लिए 50 जिले माने गए हैं, वहीं स्क्रब टाइफस की जानकारी 33 जिलों के आधार पर दी जा रही है। जबकि राज्य में जिलों का पुनर्गठन होने के साथ ही विभाग सभी 50 जिलों के लिए पृथक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की नियुक्ति कर चुका है। जबकि बीमारियों का मॉनिटरिंग तंत्र ही अब 50 जिलों के आधार पर है।

1. बांसवाड़ा में जिले के परतापुर क्षेत्र का 37 वर्षीय युवक और रातीतलाई क्षेत्र की 20 वर्षीय युवती डेंगू से दम तोड़ चुकी है।

2. जयपुर में 5 वर्ष आयु की बच्ची की 26 सितंबर को निजी अस्पताल में मौत हो गई।

3. दौसा जिले के रामगढ़ पचवारा उप जिला अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक ज्योति मीणा की डेंगू से जयपुर में उपचार के दौरान 25 सितम्बर को मौत हुई। चिकित्सक जयपुर निवासी है।

स्क्रब टाइफस के जयपुर में सर्वाधिक मामले

राज्य में स्क्रम टाइफस के सर्वाधिक 338 मरीज जयपुर जिले में सामने आए हैं। यहां 4 की मौत दर्ज की गई है। इसके अलावा 357 उदयपुर, 151 अलवर, 178 कोटा, 124 दौसा, 112 चित्तौड़गढ, 230 राजसमंद में मरीज मिले हैं। भरतपुर में 57 और सीकर में 26 मरीजों पर एक-एक मौत दर्ज की गई है। प्रदेश में कल 2151 मरीजों पर 6 की मौत हुई है।

जेपी नड्डा 5 अक्टूबर को आएंगे 'राजस्थान'
कई मुद्दों पर होगी सियासी चर्चा

जयपुर

हरियाणा विधानसभा के लिए गुरुवार को चुनाव प्रचार अंतिम चरण में है। यहां पांच को वोटिंग होगी, वोटिंग खत्म होने के साथ राजस्थान उपचुनावों की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। पांच अक्टूबर को शाम सात बजे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर पहुंचेंगे। नड्डा करीब चार घंटे तक जयपुर रहेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शाम 7.30 बजे से देर रात तक बैठकें लेंगे। जिसके बाद रात को ही वापस चले जाएंगे। इस दौरान वे सदस्यता अभियान और उपचुनावों को लेकर भाजपा नेताओं से चर्चा करेंगे।

उपचुनाव को लेकर होगा मंथन!

बताते चलें कि आधिकारिक रूप से तो नड्डा के दौरे को सदस्यता अभियान की समीक्षा के लिए बताया गया है, लेकिन सदस्यता अभियान की समीक्षा के बहाने उपचुनावों की तैयारियों का जायजा भी ले सकते है। नड्डा पांच अक्टूबर को सबसे पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की बैठक लेंगे और उन्हें सदस्य बनाएंगे। नड्डा कोर ग्रुप के कुछ सदस्यों के साथ अलग से बैठक भी कर सकते हैं।

किरोड़ीलाल मीणा होंगे राजस्थान के उपमुख्यमंत्री !
सोशल मीडिया पर हो रहा जमकर वायरल

जयपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। किरोड़ी लाल मीणा राजस्थान के उपमुख्यमंत्री होंगे या हो सकते है। सोशल मीडिया एक्स पर इस तरह की बातें जमकर वायरल हो रही है। कई लोग लिख रहे है कि राजस्थान की राजनीति में नवरात्री के पहले दिन ही बड़ा उलट फेर, डॉ किरोड़ी लाल मीणा होंगे उपमुख्यमंत्री। इस तरह के शब्द सोशल मीडिया पर लिखे जा रहे है।

एक यूजर रितिका ने तो ये भी लिखा है कि दिल्ली से बड़ी अपडेट क्या आपने भी सुना, डॉ किरोड़ी लाल मीणा होंगे उपमुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार। बता दें कि किरोड़ी लाल मीणा को लेकर राजस्थान में सियासत गरमा रही है।

हालिया किरोड़ी लाल मीणा उनियारा के खेड़ली गांव में गए। वहां भी उन्होंने कहा कि वह सिर्फ सवाईमाधोपुर से विधायक हैं वो अपना इस्तीफा मंत्री पद से दे चुके हैं। इससे पहले भी कई बार वह ये बात कह चुके है। लेकिन अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है कि किरोड़ी लाल मीणा अगले उपमुख्यमंत्री होंगे। बता दें किरोड़ीलाल मीणा हमेशा चर्चा में रहते है।

युवक की कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या
हत्यारा मृतक के चाचा का ही लड़का

अलवर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर में चाचा के बेटे ने ही भाई की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। घटना के बाद परिजन शव को लेकर सेटेलाइट अस्पताल खैरथल पहुंचे। बता दें कि लोकेश गुड़गांव में काम करता था जो आज छुट्टी में घर आया था। आज जब वह घर लौट रहा था, तो उसके चाचा के लड़के ने पीछे से कुल्हाड़ी से वार किया, जिससे उसकी वहीं पर मौत हो गई। लोकेश के परिजनों को जैसे ही वारदात का पता चला वे दौड़कर घटनास्थल पर पहंचे और लोकेश को लेकर खैरथल के सेटेलाइट हॉस्पिटल पहुंचे, लेकिन लोकेश की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी। हॉस्पिटल लाते ही डॉक्टरों ने लोकेश को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम किया गया और शव परिजनों को सौंप दिया। उधर, पुलिस की ओर से अभी ऐसी कोई जानकारी नहीं दी गई है कि हत्यारे को पकड़ लिया गया है। घटना के बाद से हत्यारा फरार बताया जा रहा है, जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार हत्या का मुख्य कारण भी पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रथमद्रष्टया यही बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों के बीच काफी समय से झगड़ा चला आ रहा है। लोकेश के नौकरी पर लगने से उसका परिवार ज्यादा अच्छी स्थिति में हो गया था और इसी से लोकेश से उनका मनमुटाव चल रहा था। जिसके चलते चाचा के लड़के ने लोकेश की निर्मम हत्या कर डाली।

विदाई से पहले फिर एक्टिव होगा मानसून
5-6-7-8 अक्टूबर के लिए आईएमडी का बड़ा अलर्ट जारी

कोटा, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम शुष्क रहा, राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बीकानेर में 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज कराया गया। आज 1730 आईएसटी पर दर्ज प्रेक्षण के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में हवा में आद्रता की औसत मात्रा 35 से 65 प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई।

मौसम विभाग जयपुर के अनुसार राजस्थान में से कल कोटा और उदयपुर संभागों के कुछ भागों को छोड़कर शेष सभी भागों में मानसून विदा हो चुका है। शेष भागों में अगले 2 दिनों में मानसून विदा होने की संभावना है। इसी बीच मौसम विभाग ने 5-6-7 और 8 अक्टूबर को कुछ संभागों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

04.10.2024-मौसम शुष्क रहने की सांभावना है। 05.10.2024-उदयपुर, बीकानेर और कोटा सांभाग में कहीं-कहीं पर बारिश होने की सांभावना है।

06.10.2024-मौसम शुष्क रहने की सांभावना है, हालांकि बीकानेर सांभाग में कहीं-कहीं पर बारिश होने की सांभावना है।

07.10.2024-बीकानेर सांभाग में कहीं-कहीं पर बारिश होने की सांभावना है।

08.10.2024-बीकानेर सांभाग में कहीं-कहीं पर बारिश होने की सांभावना है।

हाईकोर्ट ने निजी कॉलोनियों के संबंध में कहा
पहले सुविधाएं, फिर बिकें भूखंड-मकान

जोधपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने निजी कॉलोनियों में उचित जल निकासी, बिजली और पानी की सुविधाओं के बिना भूखंड और मकान बेचे जाने पर चिंता जताई। साथ ही राज्य सरकार, विकास प्राधिकरणों तथा शहरी निकायों को निर्देश दिया कि स्वीकृत निजी कॉलोनियों में सभी निर्माण नियमों का पालन किए बिना किसी भी डवलपर/बिल्डर को भूखंड और मकान बेचने की अनुमति नहीं दी जाए।

नगरीय विकास और आवासन विभाग (यूडीएच) के सचिव को राज्य के सभी विकास प्राधिकरणों और निकायों को इस बारे में आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा गया है। मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव और न्यायाधीश मदन गोपाल व्यास की खंडपीठ ने अंसल सुशांत सिटी और सुशांत लोक रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसाइटी के निवासियों की जनहित याचिकाओं पर यह आदेश दिया। अब सुनवाई इसी माह के अंतिम सप्ताह में होगी।

याचिकाओं में जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओरे से स्वीकृत दोनों आवासीय कॉलोनियों में पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया।

प्राधिकरण की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश पंवार नेकहा कि राजस्थान टाउनशिप नीति, 2010 के तहत 10 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में डवलपर को आवश्यक सुविधाओं का विकास करना अनिवार्य है। उस के बाद ही पूर्णता प्रमाणपत्र दिया जाता है। खंडपीठ ने सवाल उठाया कि प्राधिकरण ने बिना सुविधाएं सुनिश्चित किए भूखंड मकान बेचने की अनुमति कैसे दी।

विकास प्राधिकरण यह सुनिश्चित करें

कोर्ट ने कहा, प्राधिकरण जल निकासी, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें, उसके बाद ही कॉलोनी में निवास की अनुमति दी जाए। सरकार, प्राधिकरण व निकाय सुनिश्चित करें कि खरीदारों के साथ धोखा न हो, योजना के अनुसार निर्माण हो।

अनजान हसीनाओं से दोस्ती का जाल
बच्चे ही नहीं बूढ़े भी इस जवानी का हो रहे शिकार

जयपुर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया या मोबाइल फोन के जरिए अनजान हसीनाओं से दोस्ती करना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। यह चालबाज हसीनाएं पीड़ित को अपनी मीठी मीठी बातों में फांस कर उनके जीवन भर की गाढ़ी कमाई को हड़प रही हैं। इसको लेकर प्रदेश में लगातार हनीट्रैप के मामले बढ़ते जा रहे हैं। खास बात है कि इन मामलों में युवाओं के अलावा बुजुर्ग व्यक्ति भी इस जाल से अछूते नहीं है। अनजान हसीनाओं के जाल में व्यापारी से लेकर सरकारी अधिकारी तक हर कोई फंस चुका है, जो इस चक्रव्यूह में फंसकर लाखों रुपए गंवा रहे हैं। इन घटनाओं के पीछे प्रदेश में एक बड़ा गिरोह काम कर रहा है। जिनके कारण लगातार घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

अनजान लोगों से दोस्ती की तो जेब हो जाएगी खाली

वर्तमान में व्यक्ति अधिकांश समय सोशल मीडिया के जरिए

नए-नए लोगों के संपर्क में आता रहता है, लेकिन यह नए सम्पर्क ही उसके खतरें की घंटिया बनते जा रहे हैं। इस दौरान कई लोग अनजान लड़कियों से दोस्ती करने के लालच में फंस जाते हैं। यह लालच उन लोगों को इतना भारी पड़ता है कि समाज में अपनी प्रतिष्ठा को बचाने के लिए ब्लैकमेल होकर पीड़ित अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई को एक ही पल में गंवा देता है। हसीनाओं से दोस्ती का यह लालच युवाओं से लेकर बुजुर्ग लोगों को भी ललचा रहा है। यही नहीं इसमें व्यापारी से लेकर सरकारी बड़े अधिकारी भी फंस रहे हैं, जो कई बार बदनामी के डर से चुपचाप घोषित होते रहते हैं।

वीडियो कॉल के जरिए लोगों को फंसा रही है महिलाएं

हनीट्रैप की यह घटनाएं प्रदेश में लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस दौरान गिरोह के लोग अनजान लोगों को वीडियो कॉल करते हैं, जहां उनके प्रोफाइल पर किसी सुंदर महिला की फोटो होती है। इसको देखकर सामने वाला व्यक्ति उस महिला से दोस्ती करने के लालच में वीडियो कॉल पर बात करता है। इसका फायदा उठाकर स्क्रीन रिकॉर्डिंग के जरिए उसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया जाता है और उसे अश्लील वीडियो के साथ जोड़कर इस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी जाती है। इस दौरान गिरोह पीड़ित को ब्लैकमेल करते हैं। बदनामी के डर से उस व्यक्ति को अपनी लाखों रुपए की कमाई से हाथ धोना पड़ता है।

प्रदेश में हनी ट्रैप के इस तरह के मामले सामने आए

हसीनाओं के जरिए हनीट्रैप के मामलों को सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे। इनमें राजधानी जयपुर में एक 74 वर्षीय बुजुर्ग को महिला ने झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 40 लाख रुपए वसूल किए। इसमें महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी तरह शिप्रापथ थाना क्षेत्र में एक बिजनेसमैन को एक युवती ने नशीला पदार्थ पिलाकर अश्लील वीडियो बनाया और 10 लाख रुपए वसूल किए। इसी तरह पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी को एक बाप और उसकी बेटी समेत लोगों ने झूठे रेप के मामले में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपए वसूल किए।

बीसलपुर बांध से पानी की निकासी

अजमेर, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीसलपुर नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार बांध में पानी के भराव का अधिकतम स्तर 315.50 आरएल मीटर मेंटेन किया जा रहा है। इससे अधिक आ रहा पानी, गेट नंबर नौ को 0.25 मीटर खोलकर निकाला जा रहा है। इस समय बांध से 1503 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। उधर बांध में पानी की आवक का मुख्य स्रोत त्रिवेणी नदी पर आज गुरुवार को सुबह 8 बजे पानी का गेज 2.80 मीटर नापा गया है। गौरतलब है कि इस बार बांध के जलग्रहण क्षेत्रों में अच्छी बारिश से बीसलपुर बांध न केवल लबालब हो गया है, बल्कि शुरुआती दौर में पानी की अत्यधिक आवक के चलते छह सितम्बर को बांध के छह गेट खोलकर अतिरिक्त पानी को बनास नदी में छोड़ना शुरू किया गया था। बांध का अधिकतम जल स्तर 315.50 आरएल मीटर निर्धारित है। इसे मेन्टेन रखते हुए अतिरिक्त पानी को बाहर निकालने का क्रम शुरू हुआ, जो अभी भी जारी है।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स के आकर्षक शोरूम में भव्य अलंकार व आभूषणों की प्रदर्शनी का शुभारंभ

सूदूर क्षेत्रों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक से पधारनेवाले प्रिय ग्राहकों हेतु उत्तम भोजन व आवास की व्यवस्था

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमाजीगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स (एसएलजे) के आकर्षक शोरूम में भव्य अलंकार व आभूषणों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

इस संदर्भ में एसएलजे के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, गुरुवार 3 अक्टूबर को सोमाजीगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स (एसएलजे) के आकर्षक शोरूम में भव्य अलंकार व आभूषणों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ है तथा यह प्रदर्शनी 13 अक्टूबर तक चलेगी। उन्होंने आगे बताया कि, जहां चाह वहां राह नामक कहावत को चरितार्थ करते हुए 3 अक्टूबर से भव्य अलंकार व आभूषणों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ है। जिसमें सुदूर क्षेत्रों से हमारे ग्राहक, विवाह ब्याह अथवा शादी की खरीदी करने हेतु 25 से 30 परिवार -दुल्हन सेट- का अवलोकन करने पधारे। इस दौरान स्थानीय ग्राहकों का निरंतर तांता लगा रहा। जिसमे आकर्षण का केंद्र शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स द्वारा निर्मिति (लाइट वेट ज्वैलरी) जो आधुनिक पीढी का मुख्य आकर्षण रहा है। परिणास्वरुप सभी ग्राहकगण मंत्रमुग्ध हुए बिना न रह सके। साथ ही हमारे प्रेरणास्त्रोत स्व. मीठालालजी सेहलोत जिनका 7वां पुण्य स्मरण करते हुए, उन्ही के मार्गदर्शन पर अनुरागी व अनुभवी होते हुए 21वें आभूषण प्रदर्शनी के 21वें संस्करण में प्रवेश कर रहे हैं।

यही नहीं इस प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण देश-विदेशों के मानद एवं चुनिंदा कुशल कारीगरों एवं डिजाइनरों द्वारा निर्मित रत्नजडित व हीराजडित अलंकार आपके सेवारत है। जिसमें सर्वाधिक आकर्षण हमारे स्वर्ण अलंकार जिसकी शुरूवात केवल डेढ सौ से आपके सेवारथ है। जिसमें बोर, कन्दोरा, हाथपान, विशिष्ट कलाकृतियोंयुक्त अंगुठियों का समावेश है।

इसके चलते स्वर्णाभूषणों के भंडार शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स के मालिक ने सभी सम्माननीय ग्राहकों से अनुरोध किया कि, जीवन में शादी एक बार होती है तथा इस संस्कार को परिणीति में बदलने हेतु फिर क्वालिटी पर समझौता क्यों? आपके लाडली के सपनों को साकार करने हेतू हमारे पास 1500 से 2000 नेकलेसों की विभिन्न प्रकार की आकर्षक डिजाइनें हमारे पास उपलब्ध हैं। यही नहीं डायमण्ड में नेकलेस की शुरुवात केवल रु. दो लाख से उपलब्ध कर रहे हैं। साथ ही चैन व कालीपोत 1500 नग, ब्रेसलेट 400 नग,बोर व खुडीसेट 300 नग, सोहनकंठी 100 नग,बैंगल्स-पाटला चुडी 1200 नग, गोखरु 100नग एवं राजरा 100नग उपलब्ध है तथा हमारे यहां बहुमूल्य हीराजडित एवं रत्नजडित अलंकारों का मनमोहक स्टाक उपलब्ध है एवं विभिन्न प्रकार के चांदी की ज्वैलरी उपलब्ध है ।

इस बारे में एसएलजे मालिक ने निवेदन किया कि, सूदूर क्षेत्रों से जैसे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र व कर्नाटक आदि राज्यों से पधारनेवाले हमारे प्रिय ग्राहकों के लिए हमारे यहां उत्तम भोजन व आवास की व्यवस्था उपलब्ध है।

इस मामले में एसएलजे मालिक ने इस बात की प्रबल संभावना जतायी कि निकट भविष्य में सोने का भाव प्रति 10 ग्राम रु 85,000 हो सकता है।अतएव सभी ग्राहकों से अनुरोध है कि हमारे शोरूम में आकर सभी ज्वैलरी का अवलोकन करें तथा अपनी मनपसंद ज्वैलरी खरीदने में तत्पर रहें क्योंकि सोने के दामों में अधिकाधिक बढोतरी कभी भी होने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। अतः खरीदारी में जल्दी करें व लाभान्वित होवें।

पानी की गुणवत्ता में गिरावट : टीजीपीसीबी रिपोर्ट

हुसैन सागर में हुआ था गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) ने पिछले महीने गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान हुसैन सागर झील की जल गुणवत्ता की निगरानी की थी और मूर्तियों के विसर्जन से पहले, उसके दौरान और बाद में झील के आसपास छह स्थानों पर जल गुणवत्ता जांच की थी। इस वर्ष के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्षों से पता चलता है कि सभी स्थानों पर विसर्जन प्रक्रिया के दौरान कुल निलंबित ठोस (टीएसएस) और गदलेपन में वृद्धि हुई है। हालांकि विसर्जन के बाद इन मूल्यों में कमी आई, लेकिन विसर्जन के बाद का स्तर घटना से पहले देखे गए स्तर पर वापस नहीं आया।

एनटीआर पार्क के सामने और लुम्बिनी पार्क के पास के प्लेटफॉर्म सहित चार निगरानी स्थानों पर कुल घुलित ठोस (टीडीएस) में वृद्धि देखी गई। हालांकि, एनटीआर पार्क के विपरीत प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 पर और एनटीआर पार्क के विपरीत प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर टीडीएस के स्तर में वृद्धि अधिक स्पष्ट थी, जबकि अन्य साइटों पर मामूली बदलाव देखा गया। सभी स्थलों पर रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी) और जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) के स्तर में वृद्धि देखी गई तथा विसर्जन के बाद दोनों मापदंडों में कमी देखी गई। विसर्जन अवधि के दौरान घुली हुई ऑक्सीजन (डीओ) में गिरावट आई थी, लेकिन विसर्जन गतिविधियों के समाप्त होने के बाद यह लगभग सामान्य स्तर पर आ गई। अध्ययन में यह भी पाया गया कि विसर्जन से पहले और विसर्जन के दौरान कुल कोलीफॉर्म की मात्रा में वृद्धि हुई, जबकि अधिकांश स्थानों पर विसर्जन के बाद इसमें थोड़ी कमी आई। लेपाक्षी हस्तशिल्प एक अपवाद था, जहां विसर्जन के बाद कोलीफॉर्म का स्तर बढ़ता रहा। इसके अलावा, 6 में से 5 स्थानों पर भारी धातु क्रोमियम पाया गया, जिसकी सांद्रता 0.017 से 0.041 मिलीग्राम/लीटर तक थी। लेपाक्षी हस्तशिल्प एकमात्र ऐसा स्थान था, जहां क्रोमियम नहीं पाया गया। वर्ष 2023 की तुलना में, आंकड़ों से पता चला है कि 2024 में टीडीएस मूल्यों में सामान्य कमी आएगी, सिवाय एनटीआर पार्क के सामने प्लेटफार्म नंबर 1 को छोड़कर, जहां स्तर पिछले साल के अनुरूप रहे। तीन स्थानों पर सीओडी मान में गिरावट देखी गई, जबकि डीओ और बीओडी स्तर दोनों वर्षों में काफी हद तक एक समान रहे जबकि दोनों वर्षों में कुल कोलीफॉर्म की संख्या स्थिर रही, 2024 में पिछले वर्ष की तुलना में फेकल कोलीफॉर्म का स्तर कम हुआ।

प्रवेश परीक्षा 4 अक्टूबर को

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) के वर्ष 2024 के लिए मास्टर इन फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 4 अक्टूबर को सुबह 10 से 11 बजे तक कॉलेज ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे, एनआईएमएस में निर्धारित है। जिन पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन की स्थिति स्वीकार कर ली गई है, उन्हें पंजीकरण संख्या और पासवर्ड के साथ लॉग इन करके एनआईएमएस की वेबसाइट से हॉल टिकट डाउनलोड करना होगा। एनआईएमएस वेब-आधारित हॉल टिकट प्राप्त न करने के लिए जिम्मेदार नहीं है और किसी भी उम्मीदवार को प्रवेश परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि उनके पास हॉल टिकट न हो।

52वां रामायण मेला का घट स्थापना संपन्न

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। घट स्थापना के साथ 52वां रामायण मेला का राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जिबिशन सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में घट स्थापना के साथ 52वां रामायण मेला का शुभारंभ हुआ। मेले के प्रधान संयोजक गोविंद राठी ने प्रेस विज्ञप्ति द्वारा जानकारी देते हुए बताया की शाम को घट स्थापना एवं माता जी की विधि विधान से जसमत भाई पटेल एवं ब्रिज गोपाल असावा ने पूजन किया। पूजन में एग्जिबिशन सोसायटी के उपाध्यक्ष निरंजन मंत्री सुरेंद्र रेड्डी, हनुमंत राव, अशविन मरगम, विनय कुमार, रमेश कुमार, भगवंत राव, गिरधारी लाल डागा, नंद गोपाल, सुमित राठी, पवन मिशरा श्री राम व्यास, शंकर लाल, महेंद्र व्यास, शकुनतला नावंनदर, सुरेखा सारडा, कमला राठी, श्यामा नावनदर, पेमलता ककानी, पवन, योगेश, प्रभु राजू भाई, छगनलाल, राजू, मनोज जयसवाल, रामदेव नागला, राम भरोसे दास भगत सिंह आदि अपस्थित थे। इस अवसर पर गोविंद राठी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा है की गत 51 वर्षों से निरंतर इस मेले का आयोजन किया जा रहा है और आगे भी धूमधाम से मनाने की योजनाएं है। संस्था के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल ने अवसर पर अपनी शुभकामनाएं प्रदान की और उन्होंने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए सभी से अनुरोध किया की वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाए। प्रधान संयोजक गोविंद राठी 6 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक होने वाले गरबा डांडिया में भाग लेने और 12 अक्टूबर को प्रदर्शनी प्रान्गण में होने वाले विशाल रामायण मेले में भगवान श्री राम के राज्याभिषेक एवं रावण दहन के कार्यक्रम मे परिवार भाग लेने की अपील की।

'वयस्क बीसीजी टीकाकरण' अभियान का नेतृत्व कर रहा है हैदराबाद

12.97 लाख लाभार्थियों की हुई पहचान

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद तेलंगाना के आगामी वयस्क बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (बीसीजी) टीकाकरण अभियान का केंद्र बिंदु बनने जा रहा है, जिसमें भाग लेने वाले 17 जिलों में से सबसे अधिक लाभार्थी यहीं होंगे। सरकार अक्टूबर के अंत या नवंबर की शुरूआत में इस प्रमुख स्वास्थ्य पहल को शुरू करने की तैयारी कर रही है, जो जोखिम वाले वयस्कों में तपेदिक को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे राष्ट्रव्यापी प्रयास का हिस्सा है।

हैदराबाद में वैक्सीन की सबसे ज्यादा खुराकें आवंटित की जाएंगी, जहां 12.97 लाख लाभार्थियों की पहचान की गई है, इसके बाद रंगारेड्डी (7.95 लाख), मेडचल-मलकजगिरी (7.93 लाख) और निजामाबाद (4.39 लाख) का स्थान है। कुल मिलाकर, तेलंगाना स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग अभियान के दौरान राज्य में 25 लाख से ज्यादा बीसीजी वैक्सीन की खुराकें लगाएगा।

टीकाकरण अभियान को राष्ट्रीय अध्ययन के दूसरे चरण के हिस्से के रूप में शुरू किया जा रहा है, जिसके पहले चरण में 23 राज्यों ने भाग लिया था। टीकाकरण के लिए लक्षित समूहों में 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति, विशेष रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के लोग, 18 से कम बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) वाले लोग (कम वजन वाले), धूम्रपान करने वाले (पूर्व या वर्तमान में) और सक्रिय तपेदिक रोगियों के करीबी संपर्क शामिल हैं।

वर्धमान बैंक की मनीकोंडा शाखा प्रारम्भ

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वर्धमान (महिला) को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने गुरुवार को शिवालयम रोड, अलकापुर टाउनशिप में अपनी 10वीं शाखा का शुभारंभ किया। उद्घाटन महेंद्र कुमार चोरडिया और श्रीमती राजकुमारी चोरडिया ने निदेशक मंडल और ग्राहकों की उपस्थिति में किया। स्ट्रांग रूम का उद्घाटन सतीश के. खिंवसरा और डॉ. श्रीमती आशा खिंवसरा ने किया। लॉकर सुविधा जैसी सुविधाओं का उद्घाटन श्रीमती पुष्पा संचेती और सुशील संचेती ने किया। एटीएम का उद्घाटन कुशल कुमार कांकरिया और श्रीमती छाया कांकरिया ने किया। ग्राहक मोबाइल बैंकिंग, मुफ्त आरटीजीएस, एनईएफटी, यूपीआई इत्यादि सभी डिजिटल लेनदेन कर सकते हैं। शाखा स्वर्ण ऋण, व्यवसाय के लिए ऋण, एमएसएमई, शिक्षा और आवास ऋण प्रदान की जायेगी। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, चेयरमैन शांतिलाल डागा ने कहा कि वर्धमान (महिला) सहकारी शहरी बैंक लिमिटेड नियामक दिशानिर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए सभी ग्राहकों को सर्वोत्तम ग्राहक सेवाएं और सुविधाजनक बैंकिंग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री डागा ने जोर देकर कहा कि वर्धमान बैंक के अस्तित्व के 34 वर्षों में बैंक ने बहुत मजबूत बैंकिंग संरचना बनाई है। अध्यक्ष ने यह बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि बैंक वित्तीय रूप से मजबूत और अच्छी तरह से प्रबंधित बैंक के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए मानदंड को पूरा कर रहा है।

अग्रसेन महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण करती अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसायिया, संतोष अग्रवाल, सारिका गर्ग एवं पवन भुवानिया आदि।

टोडी जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल की पहल पर नवरात्रि उत्सव के अवसर पर तुरुप बाजार मेन रोड का निर्माण कार्य शुरू कराया। जनहित के इस कार्य के लिए लोगों ने नगरसेवक राकेश जयसवाल का आभार माना। उनके साथ जीएचएमसी के अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता कटप्पा, अज्जू, वेंकट रेड्डी, नागराजू भी मौजूद थे।

जय अंबे युवा समिति के तत्वाधान में 5 अक्टूबर को एनकेएनआर गार्डन कुकटपल्ली में मां भगवती के 20 वें जागरण के लिए सनतनगर के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव को निमंत्रण पत्र देते हुए संस्था के सदस्य हेमचंद गुप्ता, मुकेश गोयल, भरत जानी, सोनू अग्रवाल, बीआरएस नेता उत्तम सिंह राजपुरोहित, पीयूष गुप्ता एवं अन्य !

फील्ड कर्मचारियों में स्थानांतरण नीति को लेकर नाराजगी

> स्थानांतरण से पैदा हो रहा व्यवधान > 23,000 फील्ड कर्मचारियों को हो रही भारी कठिनाई

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के बिजली कर्मचारी, खास तौर पर सीनियर लाइन इंस्पेक्टर, लाइन इंस्पेक्टर, लाइनमैन, असिस्टेंट लाइनमैन और जूनियर लाइनमैन समेत फील्ड में काम करने वाले ऑपरेशन और मेंटेनेंस स्टाफ को हाल ही में साउथर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (एसपीडीसी) और नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (एनपीडीसीएल) द्वारा लागू की गई जनरल ट्रांसफर पॉलिसी की वजह से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेड यूनियनों के नेताओं ने संकेत दिया है कि जहां ऑफिस स्टाफ पर इसका अपेक्षाकृत असर नहीं पड़ा है, वहीं फील्ड स्टाफ को इन बदलावों का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

एसपीडीसीएल और एनपीडीसीएल के प्रबंधन ने सिर्फ़ दो साल की सेवा वाले कर्मचारियों को स्थानांतरित करने का फ़ैसला किया है। यह पिछले दिशा-निर्देशों से अलग है, जिसमें स्थानांतरण से पहले लंबी अवधि की अनुमति दी गई थी। डेढ़ साल से भी कम सेवा वाले कुछ फ़ील्ड कर्मचारियों को भी स्थानांतरित किया जा रहा है, जिससे काफ़ी व्यवधान पैदा हो रहा है। संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) कर्मचारियों के तबादले राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं, जिसके अनुसार चार साल की सेवा के बाद तबादले होने चाहिए। इस विसंगति के कारण लगभग 23,000 फील्ड कर्मचारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। इन कर्मचारियों को नए स्थान पर सेवाओं, ट्रांसफार्मर और फीडरों के वितरण से परिचित होने के लिए लगभग एक वर्ष की आवश्यकता होती है। बार-बार तबादलों से न केवल उनका काम बाधित होता है, बल्कि सुरक्षा जोखिम भी पैदा होता है और उनके परिवारों के लिए मुश्किलें पैदा होती हैं।

ट्रेड यूनियन नेताओं ने स्थानांतरण नीति के खिलाफ आवाज उठाई है और बताया है कि उनके विरोध के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उनका तर्क है कि बार-बार होने वाले स्थानांतरणों से दुर्घटनाएं और परिचालन अक्षमताएं होती हैं। यूनियनें स्थानांतरण से पहले कम से कम तीन साल की सेवा अनिवार्य करने के लिए दिशा-निर्देशों में संशोधन की मांग कर रही हैं। राज्य सरकार और डिस्कॉम के प्रबंधन से स्थानांतरण नीति की समीक्षा और पुनर्विचार करने का आग्रह किया जा रहा है। प्रभावित कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने राज्य के नेताओं और कंपनी के अधिकारियों, खासकर नलगोंडा जिले के अधिकारियों से इस ज्वलंत मुद्दे को सुलझाने की अपील की है।

ऑनलाइन निवेश घोटाले में छात्रा से 2 लाख की ठगी

पहले भरोसा मजबूत किया फिर की धोखाधड़ी

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक 21 वर्षीय छात्रा साइबर धोखेबाजों का नवीनतम लक्ष्य बन गई, जिन्होंने निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा करके उससे 2 लाख रुपये की ठगी की। पुलिस के अनुसार, छात्रा को सोशल मीडिया पर ऑनलाइन रेटिंग टास्क के बारे में एक संदेश मिला। उसे दैनिक समीक्षा रेटिंग कार्यों के लिए एक ऑनलाइन समूह में शामिल होने के लिए कहा गया था। जुड़ने के बाद, स्कैमर्स ने उससे एक छोटा सा निवेश मांगना शुरू कर दिया, बदले में अधिक धन वापसी का वादा किया। शुरुआत में, उसे कुछ पैसे मिले, जिससे उसका भरोसा मजबूत हुआ।

फिर, स्कैमर्स ने उसे एक लिंक भेजा, जिसमें उसे बिटकॉइन (बीटीसी) अकाउंट के लिए प्रोफ़ाइल बनाने के लिए कहा गया, ताकि कथित तौर पर ज़्यादा मुनाफ़ा कमाया जा सके। उन्होंने उससे 2 लाख रुपये का भुगतान करने के लिए कहा, जो उसने किया। उन्होंने उसे तीसरे चरण पर आगे बढ़ने के लिए कहा, जिसमें एक और भुगतान शामिल था, साथ ही राशि को दोगुना करने का वादा भी किया।

पीड़िता ने फिर से पैसे देने से मना कर दिया, लेकिन घोटालेबाजों ने जोर देकर कहा कि इस लेनदेन के बाद ही उसे पैसे वापस मिलेंगे। उन्होंने दावा किया कि जब तक भुगतान नहीं हो जाता, तब तक उसे पैसे वापस नहीं मिल सकते। छात्रा को जब अहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है तो उसने पुलिस से संपर्क किया। मामले की जांच की जा रही है।

डीसीए ने दी 93 घटिया दवाओं की रिपोर्ट

जनवरी से अगस्त का जारी किया रिपोर्ट

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन की औषधि परीक्षण प्रयोगशाला ने जनवरी से अगस्त के बीच कुल 93 गैर-मानक गुणवत्ता (एनएसक्यू) घटिया दवाओं की रिपोर्ट दी है। अकेले सितंबर माह में ही प्रयोगशाला ने 14 एनएसक्यू दवाओं की रिपोर्ट दी, जिनमें एंटीबायोटिक्स, एंटीअल्सर दवाएं, एंटी-एलर्जिक्स और हेमेटिनिक्स शामिल हैं। टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी के अनुसार, परीक्षण में शामिल दवा के नमूने परख, विलयन और विवरण के परीक्षणों में विफल रहे, जिससे ये दवाएं रोगों के उपचार में अप्रभावी हो सकती हैं। कमलासन रेड्डी ने कहा कि जोखिम आधारित नमूनाकरण दृष्टिकोण को अपनाते हुए, डीसीए ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण सुविधाओं से नमूने एकत्र करने के लिए विचार किए जाने वाले जोखिम संकेतकों को रेखांकित किया गया, जिससे बाजार में घूम रही घटिया दवाओं का पता लगाने में काफी वृद्धि हुई। आम जनता सभी कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे के बीच टीएसडीसीए टोल-फ्री नंबर 1800-599-6969 पर कॉल करके ड्रग्स से संबंधित संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट कर सकती है।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिवस पंडित हिमांशु के मंत्रोच्चारण पुजा-अर्चनाकर, कलश स्थापना, तस्वीर पर माल्यापर्ण व हवन-यज्ञ कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य यजमान अध्यक्ष मोहनलाल-सुगनादेवी हाम्बड़, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह-कन्यादेवी लचेटा, सलाहकार जसवन्तकुमार-सुशीला देवड़ा (महिला अध्यक्षा), मांगीलाल-निर्मला देवड़ा (महिला सचिव), सचिव नारायणलाल काग व समाज बन्धु।

पूर्व भारतीय कप्तान अजहर को ईडी का समन

राजीव गांधी स्टेडियम के निर्माण में 20 करोड़ की अनियमितता का आरोप

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को समन भेजा है। अजहर पर हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार करने के आरोप हैं। हालांकि, अजहर ने आरोपों को पूरी तरह नकार दिया है।

ईडी ने अजहर को आज ही पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी की टीम एचसीए में अनियमितताओं की जांच कर रही है। ईडी ने उप्पल पुलिस स्टेशन में पहले से दर्ज मामले के आधार पर अजहर को समन भेजा है।

61 साल के पूर्व क्रिकेटर पर पहले मैच फिक्सिंग के आरोप भी लग चुके हैं। इस वजह से बीसीसीआई ने उन पर बैन भी लगाया था। हालांकि, बाद में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अजहर को आरोपमुक्त कर दिया था।

3 केस दर्ज, जांच जारी

ईडी के मुताबिक, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के

अधिकारियों ने राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण में वित्तीय अनियमितता की। उन्होंने निजी कंपनियों को उच्च दरों पर ठेके दिए और एसोसिएशन को करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचाया। इस मामले में 3 केस दर्ज की गई हैं और जांच जारी है।

क्रिकेटर से नेता बने अजहरुद्दीन को 2018 में उन्हें तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वहीं 2009 में वे कांग्रेस के टिकट पर यूपी के मुरादाबाद से सांसद रहे हैं।

समन भेजने से पहले जांच एजेंसी तेलंगाना में 9 जगह छापेमारी भी कर चुकी है। इस दौरान डिजिटल उपकरण के साथ ही कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

एचसीए के सीईओ सुनीलकांत बोस ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत की है।

कांग्रेस से संसद रह चुके हैं, 2009 में राजनीति में आए

अजहर कांग्रेस की टिकट पर लोकसभा संसद रह चुके हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश की मुरादाबाद सीट से चुनाव लड़ा था। अजहर 2009 में राजनीति में आए। वे 2009 से 2014 तक सांसद रहे।

भारत के लिए 99 टेस्ट मैच खेल चुके

मोहम्मद अजहर ने 99 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वे 100वां टेस्ट खेलते कि उन पर मैच फिक्सिंग के आरोप लग गए। फिर 2000 में BCCI ने जांच के बाद अजहर को लाइफ टाइम के लिए बैन कर दिया था, हालांकि, 2012 में आंद्र प्रदेश हाई कोर्ट ने बैन को हटा दिया था।

ऐसा रहा क्रिकेट करियर

भारत रे लिए 99 टेस्ट और 334 वनडे मैच खेले।

टेस्ट करियर में 6215 रन बनाए, जबकि वनडे में उनके नाम पर 9378 रन हैं।

टेस्ट करियर में उनका हाइएस्ट स्कोर 199 रहा। वहीं वनडे में 153* उनका बेस्ट स्कोर है।

अजहर के नाम पर डेब्यू से लगातार तीन टेस्ट मैचों में शतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है।

ईरानी कप मैच में क्रिकेटर शार्दूल ठाकुर की तबीयत बिगड़ी

बीमारी में भी गेंदबाजों को पीटते रहे शार्दुल ठाकुर फिर अस्पताल में हुए भर्ती, डिस्चार्ज भी हुए

लखनऊ, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरानी कप 2024 में मुंबई के लिए खेल रहे शार्दुल ठाकुर को पहले अस्पताल ले जाया गया फिर उन्हें वहां से इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई. शार्दुल को अस्पताल मैच के दूसरे दिन उनकी बल्लेबाजी के बाद ले जाया गया था. खबर है कि शार्दुल को तेज बुखार था. उन्होंने बुखार में ही बैटिंग भी की थी. लेकिन बैटिंग के बाद उन्हें लखनऊ के अस्पताल ले जाना पड़ा. मुंबई और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच ईरानी कप का मुकाबला लखनऊ में ही खेला जा रहा है.

शार्दुल ने सरफराज के साथ जोड़े 73 रन

रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ शार्दुल ठाकुर ने 9वें विकेट के लिए सरफराज खान के साथ 73 रन की पार्टनरशिप की. लेकिन, इस साझेदारी के दौरान उनकी हालत खराब दिखी थी. बल्लेबाजी के दौरान दो बार उन्हें अपने इलाज के लिए ब्रेक लेना पड़ा था.

मुंबई ने पहली पारी में 537 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसमें नीचले क्रम में शार्दुल और सरफराज के बीच हुई साझेदारी की अहम भूमिका रही.

अस्पताल से बाहर आए शार्दुल

रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ शार्दुल ने दूसरे दिन अपनी बल्लेबाजी तेज बुखार के बावजूद जारी रखी. लेकिन जैसे ही दिन का खेल खत्म हुआ, उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहा वो रात भर रहे और फिर डिस्चार्ज कर दिए गए.

मुंबई के टीम मैनेजर भूषण पाटिल के हवाले से द हिंदू ने लिखा कि शार्दुल को फीवर के चलते अस्पताल ले जाया गया था, जहां से वो अब डिस्चार्ज हो चुके हैं. मुंबई टीम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अस्पताल में शार्दुल ठाकुर का ब्लड टेस्ट हुआ था, जिसमें परेशान होने जैसी कोई बात सामने नहीं आई थी. शार्दुल के तीसरे दिन के खेल के अंत तक टीम से जुड़ जाने की खबर है

कैसे बिगड़ी शार्दुल की सेहत?

शार्दुल ठाकुर की सेहत के बारे में बताया जा रहा है कि वो मैच के पहले दिन से ही सही नहीं थी. हालांकि, वो फिर भी मुकाबले में खेले. लखनऊ के गर्म और उमस भरे मौसम में ठाकुर की कंडीशन और बिगड़ती चली गई, जिसका परिणाम रहा कि नौबत उन्हें अस्पताल ले जाने तक की आई. दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर जहां मुंबई के बाकी खिलाड़ी टीम होटल गए वहीं शार्दुल को अस्पताल ले जाया गया था.

सुमित नागल की खराब फॉर्म बरकरार

शंघाई मास्टर्स के पहले दौर में समाप्त हुआ सफर

शंघाई, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल का खराब प्रदर्शन शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में भी जारी रहा जहां उन्हें पहले दौर में ही सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। यह 27 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी चीन के वू यिबिंग के सामने खास चुनौती पेश नहीं कर पाया और 6-3, 6-3 से हारने के कारण उनका अभियान पहले दौर में ही समाप्त हो गया।

नागल अगस्त में वर्ष के अंतिम ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के पुरुष एकल में पहले दौर में नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर से हारकर बाहर हो गए थे।ॅ

यूएस ओपन के बाद वह पहली बार किसी टूर्नामेंट में भाग ले रहे थे। नागल हाल में स्वीडन के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में नहीं खेले थे जिसके कारण अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के साथ उनका विवाद हो गया था। नागल पिछले कुछ समय से पीठ की चोट से जूझ रहे हैं।

नागल ने पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ हाल ही में डेविस कप मुकाबले से हटने का फैसला किया था, जिसके कारण उन्हें पिछले महीने यूएस ओपन पुरुष युगल वर्ग से भी बाहर होना पड़ा था। यूएस ओपन के पहले दौर में बाहर होने के बाद एटीपी टूर पर नागल का यह पहला टूर्नामेंट था।

सिनर को हराकर अल्कारेज बने चीन ओपन के विजेता

इतालवी खिलाड़ी के खिलाफ श्रेष्ठता बरकरार रखी

बीजिंग, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने शीर्ष वरीय इटली के जानिक सिनर को तीन सेटों के संघर्ष में 6-7 (6), 6-4, 7-6 (3) से हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। अल्कारेज ने इस जीत के साथ सिनर पर इस वर्ष अपनी श्रेष्ठता बरकरार रखी है। यह उनकी सिनर पर इस वर्ष तीन मैचों में तीसरी जीत रही। इससे पहले उन्होंने सिनर को इंडियन वेल्स और फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में हराया था।

गत विजेता सिनर का इस हार के साथ लगातार 14 मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला भी

टूट गया। अल्कारेज ने निर्णायक टाईब्रेकर में लगातार सात अंक जीतकर खिताब अपनी झोली में डाला। सिनर के लिए इस मुकाबले में ध्यान केंद्रित कर पाना थोड़ा मुश्किल था क्योंकि शनिवार को ही विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) ने कहा है कि वह डोपिंग के मामले में उन्हें क्लीन चिट दिए जाने के निर्णय के विरुद्ध अपील करेगी। वाडा ने उन पर एक या दो वर्ष का प्रतिबंध लगाने की मांग की है। सिनर को मार्च में दो बार प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का दोषी पाया गया था, लेकिन एक स्वतंत्र ट्रिब्यूनल ने उन्हें अगस्त में क्लीन चिट दे दी थी।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं सबालेंका

महिलाओं की विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज बेलारूस की अरिना सबालेंका ने मैडिसन कीज को सीधे सेट में 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने के साथ ही अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 15 लगातार जीत की बराबरी की। तीन बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सबालेंका ने अगस्त में सिनसिनाटी ओपन टूर्नामेंट जीतकर इस सिलसिले की शुरुआत की थी और उन्होंने पिछले महीने वर्ष के अंतिम ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन का खिताब हासिल कर इस विजय अभियान को जारी रखा। सबालेंका ने इस वर्ष की शुरुआत में आस्ट्रेलियन ओपन भी जीता था। इससे पहले सबालेंका ने 2020-21 के सत्र में लगातार 15 मैच जीते थे। 26 वर्षीय सबालेंका अब क्वार्टर फाइनल में चेक गणरज्य की कैरोलिना मुचोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-0 से हराया।

15 मैच में सिर्फ 156 रन बनाने वाला मोहम्मद हारिस बनेगा कप्तान?

इस्लामाबाद, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम में पिछले कुछ समय से उथल पुथल का दौर जारी है. पाकिस्तान में सेलेक्टर्स से लेकर कप्तान तक बदले जा चुके हैं. अब पाकिस्तान को एक बार फिर नया कप्तान मिलने वाला है. दरअसल, बाबर आजम ने पाकिस्तान की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है. वह वनडे और T20I की कमान संभाल रहे थे. ये दूसरी बार है जब बाबर आजम ने पाकिस्तान की कप्तानी से इस्तीफा दिया है. उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा और उन्हें भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा. ऐसे में अब बाबर की जगह कौन लेगा इस पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है.

पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी वनडे और टी20 के लिए अलग-अलग कप्तानों के नामों का ऐलान करने वाला है. टीम के अनुभवी

विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को वनडे टीम की कमान मिल सकती है. वहीं, युवा खिलाड़ी मोहम्मद हारिस को टी20 टीम की कमान दी जा सकती है. मोहम्मद हारिस एक युवा खिलाड़ी हैं, ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उन्हें कप्तान बनाकर एक बड़ा दांव खेलने वाला हैं. बता दें, उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट चैंपियंस वनडे कप में भी कप्तानी सौंपी गई थी.

पाकिस्तान के लिए खेले सिर्फ 15 मैच

मोहम्मद हारिस ने पाकिस्तान के लिए अभी तक वनडे और टी20 फॉर्मेट में खेला है. वह पाकिस्तान के लिए 6 वनडे और 9 टी20 मैच खेल चुके हैं. वनडे में उन्होंने 7.50 के खराब औसत से सिर्फ 30 रन ही बनाए हैं. वहीं, टी20 की बात की जाए तो उन्होंने 14.00 के औसत से सिर्फ 126 रन ही बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से एक भी अर्धशतक और शतक देखने को नहीं मिला है. हालांकि साल 2023 में मोहम्मद हारिस ने अपनी कप्तानी में पाकिस्तान को इमर्जिंग एशिया कप का खिताब जिताया था. तब पाकिस्तान की टीम ने फाइनल में टीम इंडिया को हराया था.

दूसरी ओर मोहम्मद रिजवान ने अब तक पाकिस्तान के लिए 32 टेस्ट, 74 वनडे और 102 टी20 मैच खेले हैं. वह उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पाकिस्तान के लिए फिलहाल तीनों फॉर्मेट खेलते हैं. मोहम्मद रिजवान के पास कप्तानी का अनुभव भी है. वह पाकिस्तान सुपर लीग में भी कप्तानी करते हैं और एक बार अपनी टीम को चैंपियन बना चुके हैं. पिछले कई समय से उन्हें वनडे टीम का कप्तान बनाए जाने की मान उठाई जा रही है. ऐसे में इस बार मोहम्मद रिजवान को टीम की कमान मिल सकती है.

पाकिस्तान का 'रिंकू सिंह', एक ओवर में चाहिए थे 28 रन

साजिद अफरीदी ने टीम को एक गेंद पहले दिलाई जीत

खेल डेस्क, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। जब किसी टीम को एक ओवर में 28 रन चाहिए हों तो उसका हारना लगभग तय होता है लेकिन क्रिकेट ऐसा खेल है जिसमें बाजी कब पलट जाए, कुछ पता नहीं चलता. कुछ ऐसा ही हुआ यूरोपियन क्रिकेट चैंपियनशिप के फाइनल में जहां ग्रीस और एस्टोनिया के बीच कमाल का मुकाबला देखने को मिला. एस्टोनिया ने इस मैच में 10 ओवर में 175 रन बनाए, इसके बावजूद ग्रीस की टीम ने एक गेंद पहले मैच जीत लिया और ये सब हुआ पाकिस्तानी मूल के बल्लेबाज साजिद अफरीदी की तूफानी हिटिंग के दम पर, जिन्होंने रिंकू सिंह जैसी चमत्कारिक बल्लेबाजी कर सभी को अपना मुरीद बना लिया.

पाकिस्तान का 'रिंकू सिंह'

ग्रीस को आखिरी ओवर में 28 रनों की दरकार थी. स्ट्राइक पर साजिद अफरीदी थे और उन्होंने कमाल की हिटिंग कर अपनी टीम को मैच जिता दिया. इस खिलाड़ी ने आखिरी ओवर की पहली तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाए, इसके बाद उन्होंने चौका लगाया और फिर पांचवीं गेंद पर उन्होंने एक और छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी.

साजिद अफरीदी का तूफान

ग्रीस को जब 176 रनों का मुश्किल लक्ष्य मिला तो उसकी शुरुआत बेहद खराब रही. सिनान खान दूसरी ही गेंद पर आउट हो गए लेकिन इसके बाद साजिद अफरीदी ने अमरप्रीत सिंह के साथ मिलकर मानो तबाही ही मचा दी. साजिद अफरीदी ने अपनी पारी में 11 छक्के और 4 चौके लगाए. वहीं उनके साथी खिलाड़ी अमरप्रीत ने 24 गेंदों में 69 रनों की पारी खेली. उनके बल्ले से भी 7 छक्के निकले. दोनों ने मिलकर 108 रनों की साझेदारी की. अमरप्रीत के आउट होने के बाद साजिद अफरीदी ने कमाल कर दिया और उन्होंने रिंकू सिंह के अंदाज में टीम को जीत दिलाई. रिंकू सिंह ने भी आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स को इसी अंदाज में जीत दिलाई थी. कोलकाता को एक ओवर में 30 रन चाहिए थे और रिंकू ने लगातार पांच छक्के लगाकर टीम को मैच जिता दिया था.

बांग्लादेश ने जीत के साथ किया आगाज

महिला टी20 वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड को 16 रन से रौंदा

शारजाह, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के उद्घाटन में मैच में बांग्लादेश और स्कॉटलैंड का आसना-सामना हुआ। बांग्लादेश महिला टीम ने जीत के साथ आगाज किया है। बांग्लादेश ने स्कॉटलैंड को 16 रन से मात दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 119 रन बनाए थे।

शारजाह में टॉस जीतकर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। रानी और मुर्शीदा खातून के बीच पहले विकेट के लिए 26 रन की साझेदारी की। खातून 12 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि रानी ने 29 रनों का योगदान दिया। शोबना

ने 38 गेंद पर 36 रन की पारी खेली।

हॉर्ली ने लिए तीन विकेट

कप्तान सुल्ताना महज 18 बनाकर हॉर्ली का शिकार बनीं। इसके बाद हॉर्ली ने शोरना अख्तर और ऋतु मोनी को आउट कर बांग्लादेश को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। बांग्लादेश ने 7 विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाए। सस्किया हॉर्ली ने दो ओवर में महज 13 रन देकर तीन विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 12 रन के स्कोर पर सस्किया हॉर्ली का विकेट गंवाया दिया। कप्तान कैथरीन ब्राइस 11 रन बनाकर मारुफा अख्तर का शिकार बनीं। ऐलसा लिस्टर भी 11 रन का ही योगदान दे सकीं। इसके बाद तो जैसे विकेटों की झड़ी लग गई।

ब्राइस ने खेली नाबाद 49 रन की पारी

स्कॉटलैंड की तरफ विकेटकीपर बल्लेबाज सेरा ब्राइस ने नाबाद 49 रन की पारी खेलीं। उन्होंने टीम को जीत दिलाने के लिए आखिर तक लड़ाई लड़ी लेकिन नाकाम रहीं। बांग्लादेश की तरफ से रितू मोनी ने दो विकेट चटकाए।

श्रीलंकाई क्रिकेटर पर लगा एक साल का बैन

आईसीसी ने लिया बड़ा एक्शन

कोलंबो, 3 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीलंकाई क्रिकेटर पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की बड़ी गाज गिरी है। जिसके बाद आईसीसी ने इस क्रिकेट पर एक साल का बैन लगा दिया है।

जिसमें 6 महीने तक ये खिलाड़ी सस्पेंड रहेगा। दरअसल इस खिलाड़ी को आईसीसी की एंटी करप्शन कोड का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। जिसके बाद आईसीसी ने ये एक्शन लिया है।

प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी का एक्शन

जी हां हम बात कर रहे हैं श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज प्रवीण जयविक्रमा की। प्रवीण को आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के अनुच्छेद 2.4.7 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। जिसके बाद प्रवीण जयविक्रमा ने भी इस बात को स्वीकार कर लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रवीण जयविक्रमा पर ये आरोप लंका प्रीमियर लीग से भी संबंधित है। दरअसल प्रवीण पर आर्टिकल 2.4.7 के तहत एक्शन लिया गया है। जिसमें एंटी करप्शन यूनिट द्वारा की जाने वाली जांच में देरी करना या बाधा डालना और किसी भी दस्तावेज के साथ छेड़छाड़ करना या उसको छिपाना शामिल है।

प्रवीण जयविक्रमा का क्रिकेट करियर

जयविक्रमा ने साल 2021 में बांग्लादेश के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था। इस खिलाड़ी ने अभी तक श्रीलंका के लिए 5 टेस्ट, 5 वनडे और 5 टी20 मैच खेले हैं और श्रीलंका के लिए उनका आखिरी मैच साल 2022 में घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच था।

5 टेस्ट मैचों में प्रवीण ने 25 विकेट चटकाए हैं। इसके अलावा वनडे में 5 और टी20 में 2 विकेट हासिल किए हैं।

सीएम ने लॉन्च किए डिजिटल फैमिली हेल्थ कार्ड

पात्र लोगों को मिलेगा स्वास्थ्य और राशन का लाभ

तेलंगाना में भी होगा एक राज्य, एक कार्ड : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को डिजिटल फैमिली हेल्थ कार्ड लॉन्च किए। रेड्डी ने कहा कि डिजिटल फैमिली हेल्थ कार्ड एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत जारी किए गए हैं जो 3-8 अक्टूबर तक चलेगा। इससे परिवार के पात्र लोगों को स्वास्थ्य और राशन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि काफी समय से लोगों की ओर से राशन कार्ड की मांग की जा रही थी और यही वजह है कि हम डिजिटल कार्ड लेकर आए। पहले राशन, आरोग्यश्री और रैतु बीमा सहित सभी कार्ड लोगों को अलग-अलग और भौतिक रूप से दिए जाते थे। इससे यह भ्रम पैदा होता था कि विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी कौन हैं? इसलिए सरकार ने परिवार की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परिवार डिजिटल कार्ड शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे एक राष्ट्र, एक राशन है, वैसे ही तेलंगाना में भी एक राज्य, एक कार्ड होगा। इस योजना से प्रक्रिया का डिजिटलीकरण होगा और सभी विभाग एक छत के नीचे आ जाएंगे। रेड्डी ने आगे कहा कि डिजिटल कार्ड शुल्क प्रतिपूर्ति, रैतु बीमा और अन्य सभी के तहत आवश्यकताओं को संबोधित करेगा। इसमें व्यक्ति के स्वास्थ्य से संबंधित सभी विवरण शामिल होंगे, जिसमें पिछली समस्याएं और दवाएं शामिल हैं, जो डॉक्टरों को बीमारी का विश्लेषण करने और उपचार निर्धारित करने में सहायता करेगी।

स्वास्थ्य के अलावा, यह कार्ड लोगों की राशन संबंधी आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा, जिसके तहत वे अपने-अपने जिलों में राशन की दुकानों से संपर्क कर सकेंगे और विवरणों के सत्यापन के बाद आवश्यक वस्तुएं प्राप्त कर सकेंगे। परिवारों की पहचान और परिवार डिजिटल कार्ड के विवरण के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर, अधिकारियों को चयनित क्षेत्रों में घर-घर जाकर अध्ययन करने के लिए कहा गया है। आरडीओ रैंक के अधिकारी हर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में होने थे और शहरी क्षेत्र में नगर निगम आयुक्त रैंक के अधिकारी को सर्वेक्षण की निगरानी करनी थी।

पोक्सो मामले में आरोपी को दस साल के कठोर कारावास की सजा

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरूर नगर पुलिस स्टेशन के तहत एक व्यक्ति द्वारा एक नाबालिग लड़के के साथ अप्राकृतिक तरीके से यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी मोहम्मद अब्दुल मजीद निवासी वट्टेपल्ली, फलकनुमा, हैदराबाद को पास्को अधिनियम के तहत दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। इस मामले में सरूर नगर पुलिस स्टेशन यू/एस 377,506 आईपीसी और एसईसी 3 आर/डब्ल्यू 4 पोक्सो अधिनियम, सरूर नगर स्टेशन एससी संख्या 815/2018, बलात्कार और पोक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले में फास्ट ट्रैक विशेष न्यायाधीश, रंगारेड्डी जिला, एलबी नगर ने दोषी ठहराया। इस मामले में अभियुक्त को दस वर्ष कठोर कारावास और 16 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई और पीड़िता को रुपये का मुआवजा दिया गया।

तेलंगाना का लक्ष्य 2030 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा हासिल करना : भट्टी

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि तेलंगाना 2030 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा पैदा करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है और इस संदर्भ में, राज्य में सेमीकंडक्टर उद्योगों के लिए पर्याप्त अवसर हैं। गुरुवार को अपनी जापान यात्रा के हिस्से के रूप में, भट्टी विक्रमार्क ने क्योटो शहर के पास स्थित प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनी आरओएचएम का दौरा किया और कंपनी के प्रबंधन के साथ बातचीत की। उनका स्वागत आरओएचएम के अध्यक्ष इनो तथा वरिष्ठ अधिकारियों ताकाहाशी, एंडो, कट्सुनो और ताकाशी तनाका ने किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना के तेजी से विकास के साथ, विभिन्न क्षेत्रों में सेमीकंडक्टर आवश्यक हैं। उन्होंने आरओएचएम प्रबंधन को राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक स्थापना के लिए प्रदान किए गए अनुकूल अवसरों को देखते हुए, स्वतंत्र रूप से या साझेदारी में तेलंगाना में सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। इससे पहले, आरओएचएम के वरिष्ठ अधिकारियों ने वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से विभिन्न देशों में स्थित अपने सेमीकंडक्टर उद्योगों और उत्पादन प्रक्रियाओं का उपमुख्यमंत्री और तेलंगाना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रदर्शन किया।उन्होंने उल्लेख किया कि वे पहले से ही भारत में तीन स्थानों पर काम कर रहे हैं और तेलंगाना सरकार द्वारा औद्योगिक विकास के लिए प्रदान किए गए अनुकूल वातावरण को देखते हुए, वे तेलंगाना में एक उद्योग स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। बाद में शाम को भट्टी विक्रमार्क ने क्योटो शहर के पास स्थित पैनासोनिक कार्यालय का दौरा किया, जहां कंपनी के अध्यक्ष नबी नाकानिशी ने उन्हें अपने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के बारे में जानकारी दी।

जानी मास्टर को पुरस्कार लेने के लिए मिली जमानत

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला अदालत ने गुरुवार को सेलिब्रिटी कोरियोग्राफर जानी मास्टर को अंतरिम जमानत दे दी, जिन्हें पिछले महीने एक जूनियर महिला सहकर्मी पर कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कोरियोग्राफर ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए जमानत मांगी थी। अदालत ने उन्हें 6 से 10 अक्टूबर तक जमानत दे दी। जानी मास्टर उर्फ शेख जानी बाशा को फिल्म 'तिरुचित्रम्बलम' के गीत 'मेघम करुक्कथा' में उनकी कोरियोग्राफी के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने वाला है। पिछले महीने 21 वर्षीय महिला कोरियोग्राफर ने जानी मास्टर पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। साइबराबाद पुलिस ने 19 सितंबर को गोवा में उन्हें गिरफ्तार किया था और हैदराबाद की एक अदालत ने उन्हें दो सप्ताह की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अदालत ने 25 सितंबर को उन्हें 4 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि जानी मास्टर ने 2020 में मुंबई की एक कार्य यात्रा के दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया और यौन उत्पीड़न जारी रखा और किसी को न बताने की धमकी दी। साइबराबाद की रायदुर्गम पुलिस ने 15 सितंबर को शून्य प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद, नरसिंगी पुलिस स्टेशन में मामला फिर से दर्ज किया गया। जानी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (2) (एन), 506 और 323 के तहत बलात्कार, आपराधिक धमकी और हमले का मामला दर्ज किया गया।

मुसी किनारे रहने वालों को 25,000 रुपये की पेशकश

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने मुसी नदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए 25,000 रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की घोषणा की है, साथ ही मुसी नदी विकास कार्यक्रम (एमआरडीपी) के तहत 2बीएचके घरों का आवंटन भी किया है। बुधवार को शुरू की गई इस नई पहल का उद्देश्य नदी के किनारे रहने वाले परिवारों के पुनर्वास और पुनर्वास में सहायता करना है। इससे पहले, सरकार ने प्रत्येक परिवार को केवल 2बीएचके घर आवंटित किए थे। हालांकि, एक संशोधित निर्णय में, अधिकारियों ने कहा कि अब प्रत्येक परिवार को आवास के अलावा 25,000 रुपये मिलेंगे। हैदराबाद, मेडचल-मलकजगिरी और रंगारेड्डी जिलों के कलेक्टरों ने एक बयान जारी कर बदलावों की पुष्टि की।

पारिवारिक डिजिटल कार्ड के लिए विवरण सटीक रूप से एकत्र किया जाना चाहिए : स्नेहा सबरीश

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा सबरीश ने संबंधित अधिकारियों को पारिवारिक डिजिटल कार्ड जारी करने के लिए पारिवारिक विवरण ठीक से एकत्र करने का निर्देश दिया है।

जीएचएमसी मुख्यालय के पनवर हॉल में गुरुवार को कर निरीक्षकों, तहसीलदारों, एएमसी, डीपीओ, सीओ आदि को पारिवारिक डिजिटल कार्ड के लिए एकत्र किए जाने वाले विवरण और प्रारूप पर प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर स्नेहा सबरीश ने कहा कि आज (तीसरे) से परिवार डिजिटल कार्ड के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत जीएचएमसी के तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में दो कॉलोनियों का चयन किया गया है और यह सुझाव दिया गया है कि परिवारों का विवरण घर-घर जाकर एकत्र किया जाना चाहिए। प्रत्येक पायलट कॉलोनी में घर और प्रत्येक टीम को हर दिन कम से कम 40 घरों का सर्वेक्षण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अद्यतन विवरण संबंधित प्रारूप में भरा जाए। उन्होंने कहा कि घर-घर सर्वे पांच दिन के अंदर पूरा कर लिया जाये। इसमें कहा गया है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी होगा। सर्वे के दौरान संबंधित परिवारों में जन्म और मृत्यु का विवरण, नए परिवारों का विवरण, प्रवासन और स्थायी रूप से विदेश चले गए लोगों का विवरण दर्ज करना होगा। उन्होंने कहा कि इस महीने की 8 तारीख तक इसे पूरा कर लिया जाए, 9 तारीख को स्क्रूटनी होगी और 10 तारीख को सरकार को रिपोर्ट भेजी जाए। उन्होंने कहा कि एक परिवार के पास एक ही कार्ड होता है और इस परियोजना में एक परिवार को एक इकाई के रूप में मान्यता देकर एक आईडी कार्ड दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि परिवार की वरिष्ठ महिला को परिवार का मुखिया मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक परिवार को केवल एक ही स्थान पर पंजीकरण कराना चाहिए।

अक्किनेनी परिवार पर कोंडा सुरेखा की टिप्पणी की व्यापक आलोचना

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा की सेलिब्रिटी जोड़ी नागा चैतन्य और सामंता के तलाक पर की गई टिप्पणी की फिल्म उद्योग और राजनीतिक हलकों में व्यापक आलोचना हुई है।

हालांकि मंत्री कोंडा सुरेखा ने अभिनेताओं और उनके परिवारों से माफ़ी मांगी, लेकिन उनकी टिप्पणी ने बड़े पैमाने पर विवाद खड़ा कर दिया और जूनियर एनटीआर, अल्लू अर्जुन, चिरंजीवी और महेश बाबू जैसे कई फिल्म अभिनेताओं और टॉलीवुड सितारों ने मंत्री की टिप्पणी की कड़ी निंदा की और गोपनीयता का सम्मान करने पर जोर दिया। कोंडा सुरेखा ने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता केटी रामा राव नागा चैतन्य और सामंथा रूथ प्रभु के अलगाव के लिए जिम्मेदार हैं। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई, जिसके कारण सामंथा और नागा चैतन्य दोनों ने सार्वजनिक रूप से दावों को संबोधित किया, और अलग होने के अपने फैसले में किसी भी राजनीतिक संलिप्तता से दृढ़ता से इनकार किया। फिल्म उद्योग ने कहा कि उनके बयान निर्विवाद रूप से अनुचित हैं। इस बीच, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल ने भी अभिनेत्री सामंथा के खिलाफ मंत्री की अपमानजनक टिप्पणी की निंदा की। नागा चैतन्य की सौतेली माँ अमला अक्किनेनी ने कोंडा सुरेखा की टिप्पणियों के लिए उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मंत्री से उनके बयान को वापस लेने की अपील की। श्री राहुल गांधीजी, यदि आप मानवीय शालीनता में विश्वास करते हैं, तो कृपया अपने राजनेताओं पर लगाम लगाएं और अपने मंत्री को मेरे परिवार से माफ़ी मांगते हुए उनके ज़हरीले बयानों को वापस लेने के लिए कहें। इस देश के नागरिकों की रक्षा करें। इस बीच, तेलंगाना राज्य महिला आयोग ने विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। आयोग ने कहा कि उसने सामंथा के बारे में कोंडा सुरेखा की टिप्पणियों की बारीकी से जांच की है।

आयोग ने कहा कि अगर मंत्री ने सामंथा से बिना शर्त माफ़ी नहीं मांगी होती, तो आयोग और भी कड़ा रुख अपनाता। हालांकि, आयोग का मानना है कि अब उसकी भागीदारी की ज़रूरत नहीं है। इसके अलावा, आयोग ने कहा कि हीरो नागार्जुन द्वारा मंत्री को कानूनी नोटिस जारी करना पूरी तरह से उनका निजी मामला है।

मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि पर कुरैशी ने मिथकों को किया खारिज

एक हजार साल बाद भी मुसलमानों की संख्या हिंदुओं से अधिक नहीं होगी

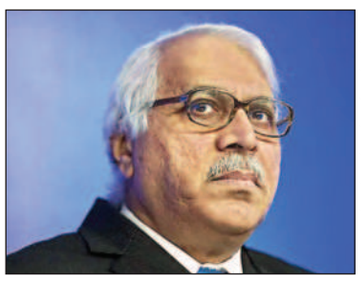

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. एसवाई कुरैशी ने उन दावों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया है कि भारत में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है और भविष्य में यह हिंदुओं से अधिक हो सकती है। हैदराबाद में आयोजित 'मंथन संवाद-2024' कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये कहानियां निराधार हैं और कहा कि अगले एक हजार साल बाद भी देश में मुसलमानों की संख्या हिंदुओं से अधिक नहीं होगी।

डॉ. कुरैशी ने बताया कि सभी समुदायों में जन्म दर में गिरावट मुख्य रूप से विवाह की आयु में वृद्धि के कारण है। उन्होंने बताया कि बदलते सामाजिक मानदंडों के कारण परिवारों में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है, जिसमें महिलाएं इन बदलते हालातों के कारण दो से अधिक बच्चे पैदा कर सकें। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि परिवार नियोजन प्रथाओं के संबंध में मुसलमान सबसे निचले पायदान पर हैं तथा हिंदू उनसे थोड़ा ऊपर हैं। डॉ. कुरैशी ने 1921 से 2011 तक जनसंख्या वृद्धि पर सांख्यिकीय जानकारी प्रदान की, जिसमें बताया गया कि इस अवधि के दौरान मुस्लिम जनसंख्या में 13.6 करोड़ की वृद्धि हुई, जबकि हिंदू जनसंख्या में 67.7 करोड़ की बहुत बड़ी वृद्धि देखी गई।

महिला कांग्रेस ने केटीआर का पुतला फूंका

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन के पास नामपल्ली चौराहे पर टीपीसीसी महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता राव के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केटीआर का पुतला जलाया। इस मौके पर सुनीता राव ने कहा कि केटीआर द्वारा पिछले दिनों महिलाओं के प्रति की गई अनुचित टिप्पणी के विरोध में महिला कांग्रेस के तत्वावधान में आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को ट्रोल करना उचित नहीं है। केटीआर को तुरंत माफ़ी मांगनी चाहिए। अगर केटीआर ने महिलाओं के लिए अनुचित शब्दों का इस्तेमाल किया तो उन्हें उचित जवाब दिया जाएगा।

लघु सिंचाई टैंकों पर ध्यान देने की जरूरत

> 1,200 से अधिक छोटे टैंकों की हो रही उपेक्षा

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस मानसून में 31 प्रतिशत अधिक बारिश के कारण तेलंगाना में प्रमुख सिंचाई स्रोत पूरी तरह से भरे हुए हैं, लेकिन राज्य के छोटे सिंचाई टैंक एक अलग कहानी बयां करते हैं। हाल ही में सितंबर में आई बाढ़ के कारण 1,200 से अधिक छोटे टैंकों को उपेक्षा और रखरखाव के मुद्दों के कारण ध्यान देने की सख्त जरूरत है। कई छोटे सिंचाई टैंकों को साल भर की अनदेखी के कारण नुकसान उठाना पड़ा है, जिससे गाद, दरारें और अतिक्रमण हो गए हैं, जिससे उनकी जल धारण क्षमता काफी कम हो गई है। इन टैंकों को बहाल करने के उद्देश्य से मिशन काकतीय जैसी पहल के बावजूद, कुछ को अभी भी प्रभावी ढंग से काम करने के लिए महत्वपूर्ण मरम्मत और दरारों को भरने की आवश्यकता है जबकि प्रमुख स्रोतों को केंद्रित वर्षा से लाभ होता है, छोटे टैंक अक्सर अधिक स्थानीय वर्षा पर निर्भर होते हैं, जो असंगत हो सकती है। टैंक क्षेत्रों के आसपास अतिक्रमण जल प्रवाह को और बाधित करता है और भंडारण क्षमता को कम करता है। 31 अगस्त से 2 सितंबर तक लगातार बारिश के कारण राज्य में भयंकर बाढ़ आई, जिसमें औसत वर्षा 250 मिमी से 450 मिमी तक रही, जिससे खम्मम, महबूबाबाद, मुलुगु, सूर्यपेट और कोत्तागुडेम जिले खास तौर पर प्रभावित हुए। मूसलाधार और अत्यधिक बारिश ने सिंचाई और सीएडी विभाग द्वारा प्रबंधित बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से लघु सिंचाई टैंकों को व्यापक नुकसान पहुंचाया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.